महानगर नई दिल्ली गुरुवार 26 मार्च, 2020, रु. 5.00 (12 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

पहले *चरण के तहत अप्रैल से सितंबर के दौरान मकान सूचीकरण और मकानों की गणना तथा नौ से 28 फरवरी के दौरान आबादी की गणना शामिल है।*

एनपीआर, जनगणना का पहला चरण स्थगित

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना विषाणु के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 21 दिवसीय लॉकडाउन के कारण राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अद्यतन बनाने और 2021 की जनगणना के पहले चरण को स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोनों प्रक्रियाएं एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच पूरी की जानी थी।

गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जनगणना को दो चरणों में पूरा किया जाना था। इनमें पहले चरण के तहत अप्रैल से सितंबर के दौरान मकान सूचीकरण और मकानों की गणना तथा नौ से 28 फरवरी के दौरान आबादी की गणना शामिल है। असम को छोड़कर सभी राज्यों बाकी पेज 8 पर

संक्रमितों की संख्या छह सौ पार, दस की मौत

भारत में संक्रमितों की संख्या
मंगलवार : 519
बुधवार : 606

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना विषाणु संक्रमण से महाराष्ट्र में तीसरी मौत के साथ देश में मरने वालों की संख्या बुधवार तक दस हो गई। बुधवार को कोरोना से तमिलनाडु में एक व्यक्ति व मध्य प्रदेश में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हालांकि स्वास्थ्य बाकी पेज 8 पर

कोविड-19 की जांच के लिए आइसीएमआर के अंतर्गत 118 प्रयोगशालाएं शामिल की गई हैं। सरकारी प्रयोगशालाओं की क्षमता 12 हजार जांच प्रतिदिन है। इसके अलावा 29 निजी प्रयोगशालाओं की शृंखलाओं को भी जांच प्रक्रिया में शामिल किया गया है।
-हर्षवर्धन, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

कोरोना विषाणु का असर

ऑनलाइन, घर-घर आपूर्ति ठप होने से लड़खड़ाई दिल्ली

ई-वाणिज्य कंपनियों ने यह शिकायत की कि डिलीवरी करने वाले उनके लड़कों को परेशान किया जा रहा है और उनके वाहन जब्त किए जा रहे हैं। इसलिए उन्होंने आपूर्ति अगले आदेश तक बंद कर दी है।

ई-वाणिज्य कंपनियों से सामान आपूर्ति रुकने पर सरकार का दखल, दिल्ली पुलिस ने दिया भरोसा

जनसत्ता ब्यूरो/भाषा
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना विषाणु के संकट से निपटने के लिए 21 दिन की पूर्ण बंदी (लॉकडाउन) की घोषणा के बाद बुधवार को आपूर्ति-वितरण शृंखला प्रभावित होने से राजधानी में अफरा-तफरी की स्थिति देखी गई। खाने-पीने की चीजों और अन्य जरूरी सामान की खरीद के लिए राशन की दुकानों एवं स्टोरों पर लोगों की भीड़ नजर आई। ई वाणिज्य कंपनियों और होटलों से ऑनलाइन आपूर्ति में रुकावट आई।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट और अमेजन इंडिया ने अपने पैंट्री कारोबार को बुधवार से अस्थायी रूप से बंद कर दिया। फ्लिपकार्ट, अमेजॉन, ग्रोफर्स और बिग बास्केट जैसी ई-वाणिज्य कंपनियों ने यह शिकायत की कि डिलीवरी करने वाले उनके लड़कों को परेशान किया जा रहा है और उनके वाहन जब्त किए जा रहे हैं।

इन शिकायतों के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे देश भर में बाकी पेज 8 पर

सामुदायिक दूरी बनाए रखने के संदेश के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की।

उपभोक्ता मामलों के सचिव पवन अग्रवाल ने भी कहा, 'हालांकि ई-वाणिज्य कंपनियों को दिक्कतें आने की खबरें मिल रही हैं। हमने यह मुद्दा राज्य सरकारों तथा स्थानीय प्रशासनों के साथ उठाया है। चीजें ठीक हो जाएंगी।'

'चिकित्सकों, नर्सों को परेशान करने पर सख्त कार्रवाई'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोराना विषाणु से लड़ाई की तुलना 'महाभारत के युद्ध' से करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 130 करोड़ महारथियों के बलबूते और सामाजिक दूरी बनाकर एवं घरों में रहकर देश इस युद्ध में जीत हासिल करेगा।

मोदी ने कहा, कोरोना 'आज का महाभारत'

उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के लोगों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद में कोरोना संक्रमण के मद्देनजर कुछ स्थानों पर चिकित्सकों, नर्सों और एअरलाइन कर्मियों से बुरा बर्ताव किए जाने की खबरों पर दुख जताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने पर सख्त बाकी पेज 8 पर

काबुल में गुरुद्वारे पर हमला, 25 श्रद्धालुओं की मौत

आइएस ने ली जिम्मेदारी, बंदूकधारियों ने अंधाधुंध बरसाई गोलियां
अफगान सरकार ने कहा, चार आत्मघाती हमलावर मारे गए

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 25 मार्च।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के बीचों बीच स्थित एक गुरुद्वारे पर भारी हथियारों से लैस आत्मघाती हमलावरों ने बुधवार को हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 25 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अब तक हुए सबसे घातक हमलों में से यह एक है।

आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। अफगानिस्तान में इस संगठन के आतंकियों ने इससे पहले भी सिख आबादी बाकी पेज 8 पर

हमला शैतानी मानसिकता का परिचायक : मंत्रालय

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 25 मार्च।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने काबुल में गुरूद्वारे पर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कोरोना वायरस की महामारी के प्रकोप के बीच अल्पसंख्यक समुदाय बाकी पेज 8 पर

24 घंटे में कोरोना के कोप से कांपे दोनों देश

स्पेन में 738 व अमेरिका में 150 की मौत

मैड्रिड/वाशिंगटन/तेहरान, 25 मार्च (एएफपी)।

स्पेन में कोरोना विषाणु के संक्रमण से हुई मौतों के मामले में चीन से भी अधिक हो गए हैं। सरकार ने बताया कि स्पेन में बीते 24 घंटे में 738 लोगों ने दम तोड़ दिया। इससे वहां मृतकों की संख्या बढ़कर 3,434 हो गई है, जबकि 47,610 लोग संक्रमित हैं। स्पेन में 11 दिन से लॉकडाउन जारी है।

अमेरिका में कोरोना से एक ही दिन में ही करीब 10,000 मामले सामने आए हैं और बीते बाकी पेज 8 पर

कोरोना से मौतों के मामले में स्पेन ने चीन को पीछे छोड़ा।
लाखों अमेरिकियों के लॉकडाउन होने, नेशनल गार्ड और सैन्य बलों की कई राज्यों में तैनाती के बावजूद न्यूयॉर्क में ही कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई।
मंगलवार को देशभर में संक्रमण के करीब 10,000 नए मामले सामने आए जिससे कुल संख्या करीब 54,000 पहुंच गई।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं हर किसी को सामाजिक दूरी बनाने, बड़ी संख्या में एकत्रित होने से बचने, हाथ धोने और अन्य चीजों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहता हूं।

दिल्ली/एनसीआर में बारिश और तेज हवाओं का रहेगा तीन दिन तक जोर

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता को देखते हुए मौसम विभाग ने दिल्ली एनसीआर और उत्तर पश्चिम भारत में बुधवार देर रात से अगले तीन दिन तक हल्की बारिश और तेज हवाओं के कारण औसत तापमान में गिरावट की संभावना जताई है।

मौसम विभाग की क्षेत्रीय पूर्वानुमान इकाई के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली एनसीआर क्षेत्र 24 घंटों से पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव में है। इसके मद्देनजर दिल्ली और आसपास के इलाकों में बुधवार रात से तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।

मैदानी क्षेत्रों में दिल्ली एनसीआर और उत्तर पश्चिमी इलाकों में रात को बारिश एवं तूफानी हवाओं का दौर शुरू होगा जो कि शुक्रवार को धूल भरी आंधी के साथ कुछ स्थानों पर तेज बारिश के रूप में देखने को मिल सकता है।

उन्होंने बताया कि दूसरे पश्चिमी विक्षोभ का असर गुरुवार को शाम से दिखना प्रारंभ होगा।

इसके कारण उत्तर में जम्मू कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश तथा मैदानी क्षेत्रों में दिल्ली एनसीआर और उत्तर पश्चिमी इलाकों में रात को बारिश एवं तूफानी हवाओं का दौर शुरू होगा जो कि शुक्रवार को धूल भरी आंधी के साथ कुछ स्थानों पर तेज बारिश के रूप में देखने को मिल सकता है।

वैदिक मंत्रों के बीच

चांदी के सिंहासन पर विराजे रामलला

अयोध्या 25 मार्च (जनसत्ता/भाषा)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बुधवार सुबह रामलला की मूर्ति एक अस्थायी स्थान पर स्थानांतरित कर दी गई। विपक्ष ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लागू नियमों के उल्लंघन पर मुख्यमंत्री की आलोचना की है। मूर्ति को स्थानांतरित करने से राम मंदिर के निर्माण के लिए स्थान खाली हो गया है। रामलला की मूर्ति नए ढांचे में 9.5 किलोग्राम के चांदी के सिंहासन पर रखी गई। राम मंदिर के निर्माण तक यह मूर्ति यहीं रहेगी।

राम जन्मभूमि के अस्थाई मंदिर में बुधवार को रामलला वैदिक मंत्रों के बीच प्रतिस्थापित कर दिए गए। भोर में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहुंचकर शास्त्रों के अनुसार पुराने ढांचे से रामलला को वैदिक मंत्रों के बीच थाल में सजाकर नए अस्थाई मंदिर में स्थापित कर पूजा-पाठ किया।

मुख्यमंत्री योगी बाकी पेज 8 पर

मूर्ति स्थानांतरण से राम मंदिर के निर्माण के लिए स्थान खाली हो गया।
राम मंदिर के निर्माण तक रामलला की प्रतिमा इसी अस्थायी मंदिर में रहेगी।

पंजाब व चंडीगढ़ में कर्फ्यू के बावजूद बाहर निकले लोग

चंडीगढ़, 25 मार्च (भाषा)।

पंजाब और केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ में बुधवार को कर्फ्यू के बावजूद लोग जरूरी सामान खरीदने के लिए बाहर निकले। लोगों ने दावा किया कि प्रशासन अपने वादे के अनुसार उन्हें घर पर जरूरी सामान मुहैया कराने में नाकाम रहा है।

एक ओर जहां अधिकारियों ने सभी जिलों में घरों के दरवाजे पर जरूरी सामान मुहैया कराने के लिए अलग अलग समय तय कर रखा है, वहीं दूसरी ओर कई जगहों पर लोगों की शिकायत है कि उन्हें जरूरी सामान विशेषकर सब्जी, फल और किराने का सामान नहीं मिल रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को कहा था कि सभी जिला उपायुक्त घर-घर तक किराने का सामान, दूध, फल और सब्जियों की आपूर्ति सुनिश्चित तय करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि लोगों को चयनित सब्जी विक्रेताओं, किराने की दुकानों, दवा दुकानों के फोन नंबर दिए गए हैं ताकि वे घर बैठे ही सामान मंगा सकें।

पंजाब सरकार ने घर-घर जरूरी सामानों की आपूर्ति सुनिश्चित करने का वादा किया है। हालांकि लोगों की शिकायत है कि प्रशासन इसमें नाकाम रहा है।

मोहाली के निवासी ने कहा कि मुझे घर पर मंगाई गई सब्जियां बाकी पेज 8 पर

दरअसल

चीन में सुरक्षित दूरी के लिए बनी थीं वृत्ताकार रेखाएं | **सुरक्षित अंतर** | **भारत में भी गोल घेरों का प्रयोग शुरू हो चुका है**

गोल घेरों और रेखाओं से काबू में होगा कोरोना

मुंबई/अमदाबाद/ तिरुवनंतपुरम 25 मार्च (भाषा)।

कोरोना का फैलाव रोकने के लिए सुरक्षित दूरी बनाए रखना महत्वपूर्ण है। यह बात समझने के बाद लोगों ने रेखागणित के गोले और रेखाओं को जमीन पर उतार दिया है। महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के कई हिस्सों में यह प्रयोग चल रहा है जो दरअसल चीन के एक मॉल की तर्ज पर किया जा रहा है जहां पर प्रबंधन ने सामाजिक दूरी बनाने के लिए वृत्ताकार रेखाएं बनाई थीं। चीन की इन्हीं रेखाओं ने भारत में गोल घेरे का आकार ले लिया है।

कोरोना का फैलाव रोकने के लिए अहम सामाजिक दूरी बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र में जमीन पर रेखाएं बनाई जा रही हैं। आवश्यक सामान, फल और सब्जियों की खरीद के लिए घरों से निकल रहे लोगों के लिए यह एक कारगर उपाय साबित हो रहा है। पनहाला, अजारा शहरों और कोल्हापुर जिले के पुलाची शिरोली गांव ने मंगलवार शाम से सामाजिक दूरी का यह कदम उठाना शुरू कर दिया है।

पुलाची शिरोली गांव के रंजीत चौगुले ने बताया कि पहले जब उन्होंने चीन की तस्वीर देखी तो उन्हें यह अजीब लगा लेकिन बाद में एहसास हुआ कि यह एक उपयोगी विचार है। उन्होंने स्थानीय दुकानदारों को यह दिखाया जिन्होंने इस विचार को अपनाने का फैसला किया। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि पहले तो उन्हें पता नहीं था कि लोग इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे लेकिन लगता है कि यह विचार अब काम आ रहा है। अब सामान खरीदने के दौरान लोग घबराते नहीं है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सरकार ने इस विचार को पूरे राज्य में लागू करना शुरू कर दिया है और सामाजिक दूरी के इस उपाय की तस्वीरें साझा की जा रही हैं।

दूसरी ओर गुजरात में भी पुलिस और स्थानीय अधिकारी जरूरी सामान बेच रहीं दुकानों के बाहर घेरे बना रहे हैं ताकि कोविड-19 लॉकडाउन (बंद) के बाकी पेज 8 पर

केरल में एक दुकानदार ग्राहकों को एक पाइप के जरिए करीब एक हाथ की दूरी से सामान दे रहा है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें दिख रहा है कि राशन दुकानदार पीवीसी से बने एक चौड़े पाइप के जरिए महिला ग्राहक के थैले में अन्न डाल रहा है। इस पाइप को एक मेज़ से बांधा गया गया है।

हमारे पुलिसकर्मी दुकानदारों से उनकी दुकानों के बाहर घेरे बनाने के लिए कह रहे हैं। कोरोना वायरस से लड़ाई में सामाजिक मेलजोल से दूरी काफी महत्वपूर्ण है। *-सौरभ तोलंबिया, पुलिस अधीक्षक (कच्छ-पश्चिम)*

www.readwhere.com

महाराष्ट्र में आवश्यक सामान का पर्याप्त भंडार : ठाकरे

मुंबई, 25 मार्च (भाषा)।

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी बंद के बीच महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को लोगों से अपने घरों से बाहर न निकलने की अपील की और उन्हें आश्वस्त किया कि राज्य के पास आवश्यक सामान का पर्याप्त भंडार है। हिंदू नववर्ष के रूप में मनाए जाने वाले गुड़ी पड़वा के मौके पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए ठाकरे ने कहा कि गरीब और दिहाड़ी मजदूरों को समझना चाहिए कि सरकार संकट की इस घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने कहा, 'आवश्यक सामान का पर्याप्त भंडार है और आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी।' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उद्यमी अब अस्पताल और मास्क बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं नियोक्ताओं से अपने कामगारों का वेतन न काटने या उनकी सेवाएं बंद न करने की अपील करता हूं।' ठाकरे ने कहा, 'बाजारों में न उमड़े। आवश्यक सामान खरीदने अकेले बाजार जाएं और एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखें। हम इस लड़ाई को जीत लेंगे और हमेशा की तरह गुड़ी पड़वा मनाएंगे।' उन्होंने कहा कि युद्ध में दुश्मन से खतरा इसलिए रहता है क्योंकि किसी को नहीं पता होता कि वह कैसे हमला करेगा।

शिवसेना प्रमुख ने कहा, 'यहां वायरस हमारा दुश्मन है। अगर हम बाहर निकलेंगे तो वायरस हम पर हमला कर सकता है और हमारे घरों में घुस सकता है। यह युद्धकाल की तरह है जब यह सुनिश्चित करना होता है कि दुश्मन के रडार पर विमान नहीं दिखे। उम्मीद है कि अब तक आप स्थिति की गंभीरता को समझ गए होंगे।' उन्होंने लोगों से घरों में एअर कंडीशनर का इस्तेमाल न करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा, 'एअर कंडीशनर से ठंडक, नमी और आर्द्रता आएगी। इसके बजाए प्राकृतिक वायु संचार का इस्तेमाल करें।' हल्के-फुल्के अंदाज में ठाकरे ने कहा, 'हम अब दो और वर्षों के लिए 'चल हवा येऊ द्या' (चल हट, हवा आने दें) देखेंगे।' वह लोकप्रिय मराठी धारावाहिक 'चल हवा येऊ द्या' का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'और ताजा हवा ली जाए।' ठाकरे ने यह भी कहा कि जब लोग उनसे पूछते हैं कि वह मौजूदा हालात में क्या कर रहे हैं तो वह कहते हैं, 'मैं श्रीमती मुख्यमंत्री को सुनता हूं, आप अपनी गृह मंत्री को सुनिए।' दरअसल, 'मिसेज मुख्यमंत्री' और 'होम मिनिस्टर' मराठी चैनल पर आने वाले दो अन्य धारावाहिक हैं। उन्होंने कहा, 'इस संकट का एक सकारात्मक पक्ष भी है।' उन्होंने कहा कि परिवार एक साथ आ गए हैं और एक-दूसरे के साथ ज्यादा वक्त बिता रहे हैं।

ठाकरे ने कहा कि कुछ लोग किताबें पढ़कर, इंडोर खेल खेलकर, अपने वाद्य यंत्र बजाकर वक्त बिता रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जो हमने खो दिया था अब उसे वापस पा सकते हैं।'

बेबस पूर्णबंदी के दौरान प्रयागराज में बुधवार को सुरक्षित जगह जाने के लिए सड़क पर बैठे लोग।

खाद्यान्न की कोई कमी नहीं : दानवे

उपभोक्ता, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मामलों के राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे ने कहा है कि केंद्र सरकार का खाद्यान्न भंडार अगले दो साल के लिए पर्याप्त है और राज्यों को किसी भी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। (भाषा)

मलेरियारोधी दवा हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वाइन के निर्यात पर प्रतिबंध

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 25 मार्च।

केंद्र सरकार ने बुधवार को कोरोना विषाणु के प्रकोप के मद्देनजर घरेलू बाजार में दवा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मलेरियारोधी दवा हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वाइन के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के महानिदेशक बलराम भार्गव ने सोमवार को कोरोना विषाणुसंक्रमण के संदिग्ध या पुष्ट मामलों में देखभाल करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के इलाज के लिए हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वाइन के इस्तेमाल की सिफारिश की थी।

आइसीएमआर की ओर से कोरोना विषाणु गठित राष्ट्रीय कार्यबल द्वारा की गई इलाज की सिफारिशों को भारतीय दवा महानियंत्रक (डीजीसीआइ) ने आपातकालीन स्थितियों में प्रतिबंधित उपयोग के लिए मंजूरी दी है।

वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की बुधवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया कि हाइड्रोक्सी क्लोरोक्वाइन और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वाइन बनाने वाले घटकों के निर्यात को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। अधिसूचना में हालांकि, यह कहा गया है कि सरकार विदेश मंत्रालय की सिफारिश पर मानवीय आधार पर दवा के निर्यात की अनुमति देगी।आइसीएमआर के प्रमुख विज्ञानी डॉक्टर आर गंगाखेड़कर ने बताया कि इस दवाई का उपयोग सिर्फ और सिर्फ उन स्वास्थ्य कर्मियों के लिए होगा जो कोरोना विषाणु संक्रमण के मरीजों के इलाज में लगे हैं। उन्होंने कहा कि इस दवाई के इस्तेमाल की इजाजत परीक्षण के आधार पर दी गई है। परीक्षण सफल होने पर इस बारे में हम आपको बताएंगे कि यह दवाई कोरोना संक्रमित मरीजों को लेनी है। उससे पहले कोई व्यक्ति खुद इस दवाई को न ले क्योंकि इसके परिणाम घातक हो सकते हैं।

गरीबों को जरूरत की चीजें मुफ्त मुहैया कराएं : मायावती

लखनऊ, 25 मार्च (भाषा)।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कोरोना वायरस के कहर के चलते देश भर में जारी लॉक डाउन के दौरान गरीबों को उनकी जरूरत की चीजें मुफ्त मुहैया कराने की मांग सरकार से की है।

मायावती ने बुधवार को ट्वीट किया, 'वर्तमान में कोरोना वायरस के चल रहे प्रकोप की वजह से और इससे बचने के लिए कल प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों को खास तौर पर ध्यान में रखकर, सभी सरकारों से रोजमर्रा की जरूरतों का सामान गरीबों को मुफ्त मुहैया कराने की अपील ....।' उन्होंने कहा, '.... खासकर गरीबों व मजदूरों को मुफ्त या फिर उन्हें काफी कम दामों पर उपलब्ध कराने की अपील।'

घर पर बच्चों की पढ़ाई के लिए जारी होंगे दिशानिर्देश

सुशील राघव
नई दिल्ली , 25 मार्च।

कोरोना विषाणु के प्रकोप को फैलने से रोकने के लिए पूरे देश में 15 अप्रैल तक पूर्ण बंदी लागू है। विभिन्न राज्य सरकारें बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए पहले ही विद्यालयों को बंद कर चुकी हैं। इस बंदी में स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पढ़ाई का नुकसान न हो इसको देखते हुए राष्ट्री य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने घर पर बच्चों की पढ़ाई के लिए दिशा निर्देश बनाने का निर्णय किया है। ये दिशा निर्देश पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के होंगे।

एनसीईआरटी के निदेशक एचके सेनापति ने बताया कि हमारी एक टीम घर पर बच्चों की पढ़ाई के लिए दिशानिर्देश तैयार कर रही है। इन दिशानिर्देशों को इसी हफ्ते जारी किया जाएगा। सेनापति ने बताया कि ये दिशा निर्देश ह्यसीखने के परिणामह्न के आधार बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे पास ऑनलाइन बहुत सारी सामग्री उपलब्ध है। इसमें ई-पाठशाला, टीवी चैनल स्वयं प्रभा, पोर्टल स्वयं, निष्ठां आदि शामिल हैं। हम इनके माध्यम से बच्चेन की पढ़ाई को आगे जारी रख सकते हैं। इसके अलावा अभिभावकों की मदद से घर पर बच्चे क्या-क्या कर सकते हैं इसक बारे में भी सोचा जा रहा है।

सेनापति ने बताया कि अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है कि स्कूल कब खुलेंगे। हम अप्रैल, मई और जून के हिसाब से बच्चों के लिए दिशा निर्देश तैयार कर रहे हैं ताकि जब बच्चे जुलाई में स्कूलों में आएं तो ऐसा नहीं हो कि उन्होंने घर पर रहते हुए कुछ पढ़ा ही नहीं है। निदेशक ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सभी अंग इस दौरान मिलकर कार्य कर रहे हैं।

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

PUBLIC NOTICE

It is hereby issued notice in the interest of Public on the direction of my client that Sh. Karam Chand Sharma S/o Late Raghunath Sharma R/o H.N.- 40 A, A-3 Block, Dharampura Extension, Najafgarh, New Delhi - 110043, has disown his son namely Kapil Sharma S/o Sh. Karam Chand Sharma and his daughter-in-law namely Khushi w/o Sh. Kapil Sharma due to their unsocial conduct and bad habits and also debar them from all legal rights, movable and immovable properties with effect from today. It is further issued in public interest that in future, if anybody is having any kind of relation with son and daughter-in-law of my client, my client shall not be held responsible for any kind of consequences.

Bhalendu Mishra Advocate
Ch:- 454, Lawyer's Chamber,
Dwarka Courts, N. Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

This is to bring to the notice of the general public that our client, Ms. Rekha Anand, daughter of Mr. D.R. Bahl, resident of 174, Vivian Avenue, Wembley, Middlesex HA9 6RP, United Kingdom has lost the original of the Sale Deed dated 02.04.1981 executed by erstwhile landowners Mr. Dharmender Singh and Mr. Narendra Singh in favour of Ms. Rekha Anand for land comprised in Killa No. 21//20/2/1 (0-13) situated in Village Jhadsa, Gurgaon.
If any person has any claim or is holding the aforesaid document, he may contact the undersigned within 7 (Seven) days from the date of this notice with documentary evidence, failing which it shall be presumed that there are no claims.
ZEUS LAW ASSOCIATES
2 Palam Marg, Vasant Vihar
New Delhi- 110057
Telephone No.: +91 011 41733090
Email: zeus@zeus.firm.in

PUBLIC NOITCE

Be it known to all concerned that my clients Sh. Rajendra Gupta, S/o Late Tara Chand, age about 66 years, R/o House no.1580-B, Raj Block, Naveen Shahdara, Shahdara S.O. East Delhi, Pin-code 110032, and his wife Smt. Santosh Devi Gupta, W/o Sh. Rajendra Gupta, age about 64 years, R/o House no.1580-B, Raj Block, Naveen Shahdara, Shahdara S.O. East Delhi, Pin-code 110032, hereby we disowning/debarred my elder son Harsh Gupta his wife Smt. Garima Gupta, their three children namely Drishti, Nayra and Kartik, as they are not in under our control and their disrespectful behavior. It is to inform to the public at large that, he had intentionally made so many financial irregularities in the accounts and day -to-day business of my clients and was indulged in un-social activities with his friends. My clients and there family decide to debarred him out from their life, workplace/business and society. My clients is not intended to keep any kind of relationship with him and his family and also not allow him to live with my clients because of his rude & adamant behavior, which had never been changed by him despite all the efforts, by my clients. My clients want to live peacefully; therefore, my clients are severing all their relationships with their aforesaid older son and his family forever. Needless to mention here that anybody dealing with him and his family will be responsible for their future mental harassment and loses. My clients have debarred and disowned then from our all movable and immovable properties.

Jatin Aggarwal, Advocate
Chamber No. 279, Civil Side, Tis Hazari Court, New Delhi-54

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

दिहाड़ी पर काम करने वालों की रोजी-रोटी का ध्यान रखे सरकार : माधवन नायर

बंगलुरु, 25 मार्च (भाषा)।

जानेमाने अंतरिक्ष वैज्ञानिक जी. माधवन नायर ने बुधवार को कहा कि सरकार को लोगों की आजीविका सुनिश्चित करनी होगी और तत्काल उन लोगों तक पहुंचना होगा जो आजीविका के लिए दिहाड़ी पर निर्भर हैं और लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व चेयरमैन ने कहा, 'सरकार को एक काम युद्ध स्तर पर करना होगा, वो है लोगों की आजीविका सुनिश्चित करना...बड़ी संख्या में लोग, लगभग 30 फीसद लोग ऐसे होंगे जिनका संभवतः गुजारा उससे होता होगा जो वे दैनिक आधार पर कमाते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'बंद के कारण उनकी कमाई के साधन बाधित हुए होंगे।'

माधवन ने कहा, 'आपको उन्हें या तो सामग्री अथवा नगद...मुआवजा देना होगा और उन तक तत्काल पहुंचना होगा। विलंब से देने का कोई मतलब नहीं है। किन्हीं माध्यमों के जरिए देने का भी कोई मतलब नहीं है। लाभान्वितों तक सीधें पहुंचे। लेकिन यह हम कितनी जल्दी कर सकते हैं और कितने प्रभावी तरीके से कर सकते हैं...असल मुद्दा तो यही होगा।'

दिल्ली हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेशों की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने उन सभी अंतरिम आदेशों की तिथि बुधवार को 15 मई तक बढ़ा दी जिनकी अवधि 16 मार्च या उसके बाद समाप्त होने वाली थी। ये उन मामलों पर लागू होगा जो उच्च न्यायालय और जिला अदालतों के समक्ष थे क्योंकि कोरोना वायरस प्रकोप के मद्देनजर वादी ऐसे मामलों में पेश नहीं हो पाएंगे।

मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल के नेतृत्व वाले एक विशेष पीठ ने असाधारण परिस्थितियों पर स्वतः संज्ञान लिया जिसमें राष्ट्रीय राजधानी की अदालतों ने 16 मार्च से अपने कामकाज को केवल अत्यंत आवश्यक मामलों तक सीमित कर दिया है और केंद्र सरकार ने 25 मार्च से 21 दिनों के लिए लॉकडाउन का आदेश दिया है। इसमें कहा गया है कि इस अवधि के दौरान कई अंतरिम आदेश जैसे स्थगन, जमानत और पैरोल की अवधि समाप्त हो जाएगी।

पीठ ने कहा, दिल्ली राज्य में लॉकडाउन और अदालतों के अत्यंत सीमित कामकाज के मद्देनजर, नियमित मामलों को अप्रैल के महीने में विशेष तारीखों के लिए टाल दिया गया है। ऐसे में अधिवक्ता और वादी ऐसे मामलों में पेश होने की स्थिति में नहीं हैं जिनमें इस अदालत द्वारा या अधिनस्थ अदालतों द्वारा 16 मार्च को या उससे पहले स्थगन/जमानत/पैरोल प्रदान किया गया है। परिणामस्वरूप, पक्षकारों के पक्ष में पारित आदेश 16 मार्च समाप्त हो गए हैं या उसके बाद समाप्त हो जाएंगे। इस पीठ में न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह भी शामिल थे। पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि अंतरिम आदेशों को 15 मई तक या आगे के आदेशों तक बढ़ाया जा रहा है, ऐसे मामलों को छोड़कर जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने इस अवधि के दौरान ऐसे किसी मामले में कोई विपरीत आदेश पारित किया हो। पीठ ने यह भी कहा कि यदि 15 मई तक अंतरिम उपायों को बढ़ाने से किसी पक्ष को किसी तरह की कठिनाई होती है, तो वे उचित राहत का अनुरोध कर सकते हैं जिसकी सलाह उन्हें दी जा सकती है।

चीन नहीं है कोरोना विषाणु का स्रोत, ना ही इसे प्रसारित किया : चीन

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

चीन ने बुधवार को कहा कि उसने ना तो कोरोना वायरस को तैयार किया ना ही जानबूझकर इसे प्रसारित किया और इसे 'चीनी विषाणु' या 'वुहान विषाणु' कहना गलत है। चीनी दूतावास के प्रवक्ता जी रोंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चीनी लोगों को गलत तरीके से देखने के बजाए महामारी से निपटने के लिए चीन सरकार के त्वरित कदम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बीमारी से मुकाबले के प्रयासों में भारत और चीन के बीच सहयोग पर जी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संवाद कायम है और मुश्किल घड़ी में महामारी से निपटने के लिए एक दूसरे की सहायता की है। उन्होंने कहा कि भारत ने चीन को चिकित्सा आपूर्ति प्रदान की और विभिन्न तरीके से सहयोग दिया। जी ने कहा, 'हम इसकी सराहना करते हैं और शुक्रिया अदा करते हैं।' उन्होंने कहा कि डब्लूएचओ ने कहा है कि चीन और वुहान को विषाणु से जोड़ना गलत है । जो लोग चीन के प्रयासों को कम करके आंक रहे हैं वो लोग स्वास्थ्य और मानवता की सुरक्षा में चीनी लोगों के बलिदान को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सही है कि चीन के वुहान शहर में बीमारी का पहला मामला सामने आया लेकिन कोई प्रमाण नहीं है कि चीन वायरस का स्रोत है जिसके कारण यह महामारी फैली।

सांसद निधि का पैसा कोरोना संकट से निपटने में उपयोग किया जा सकेगा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली , 25 मार्च।

केंद्र सरकार ने सांसद निधि से स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च होने वाली राशि का इस्तेमाल कोरोना विषाणु के संकट से निपटने में जरूरी चिकित्सा सामग्री की खरीद आदि में करने की अनुमति देते हुए नियमों में जरूरी संशोधन कर दिया है। संसद के दोनों सदनों की वेबसाइट पर संशोधित नियमों से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है।

ऐसा होने पर लोकसभा और राज्यसभा के सांसद अपनी सांसद निधि का इस्तेमाल मास्क, सेनेटाइजर, परीक्षण किट आदि जरूरी सामान की खरीद में कर सकेंगे। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी निर्देश के अनुसार संसद सदस्य कोरोना विषाणु के परीक्षण, जांच और अन्य जरूरी सुविधायें मुहैया कराने के लिए सांसद निधि की राशि का इस्तेमाल कर सकेंगे।

राज्यसभा और लोकसभा की वेबसाइटों पर संशोधित नियमों की जानकारी उपलब्धग कराई गई।

लोकसभा और राज्यसभा के सांसद अपनी सांसद निधि का इस्तेमाल मास्क, सेनेटाइजर, परीक्षण किट आदि जरूरी सामान की खरीद में कर सकेंगे।

मंत्रालय ने कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा सहित अन्य सदस्यों द्वारा इस बारे में किए गए अनुरोध पर संज्ञान लेते हुए इस बाबत नियमों में संशोधन किया है।

इसके मुताबिक अब जिला प्रशासन किसी संसद सदस्य की सांसद निधि से सरकारी अस्पताल या डिस्पेंसरी के लिए एक बार में कम से कम पांच लाख रुपए तक के चिकित्सा उपकरण की खरीद कर सकेंगे जिससे कोरोना विषाणु के संक्रमण का परीक्षण, जांच, तापीय जांच सहित अन्य उपकरण और संक्रमण के बचाव की सामग्री की खरीद हो सके। इस विशेष प्रावधान के तहत वित्तीय 2020-21 में ही खरीद की जा सकती है। वित्तीशय वर्ष 2021-22 में इसका उपयोग नहीं हो सकता है।

उत्तराखंड में कोरोना का पांचवां मरीज

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून 25 मार्च

उत्तराखंड में कोरोना का पांचवा मरीज सामने आया है। उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल के पौड़ी जिले के कोटद्वार के समीप दुगड्डा का रहने वाला एक युवक कोरोना से पीड़ित निकला। स्पेन से आए एक युवक में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। युवक स्पेन से पौड़ी गढ़वाल जिले के गांव दुगड्डा आया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया है

राज्य का स्वास्थ्य महकमा अब जानकारी जुटाने में जुटा है कि युवक दुगड्डा में किस-किस से मिला। युवक के परिजनों को पहले ही घर में अलग-थलग रखा गया है। युवक का राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार में उपचार चल रहा है। प्रदेश में यह कोरोना संक्रमण का पांचवा मामला है। पूर्व में तीन आइएएफएस अधिकारी और एक विदेशी महिला में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई थी। दुगड्डा निवासी 26 साल का युवक स्पेन में रहता है। 14 मार्च को वहां से वह लौटा था। युवक को 19 मार्च को कोटद्वार के बेस अस्पताल स्थित आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया था। तब से वह लगातार चिकित्सकों की निगरानी में था और 21 मार्च को जांच के लिए उसके खून के नमूने जांच के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्लानी की प्रयोगशाला में भेजे गए थे। बुधवार को युवक के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। बताया जा रहा है कि युवक दिल्ली की किसी कंपनी में काम करता है और कंपनी के कार्य के लिए ही स्पेन गया था।

अधिकारियों में हड़कंप, स्पेन से आया था पीड़ित युवक

स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों का कहना है कि घबराने की कोई बात नही है और युवक के स्पेन से लौटने की जानकारी मिलते ही उसे पृथक किया गया था और उसके परिजनों को घर में अलग-थलग रखा गया। सीएमओ पौड़ी डा. मनोज बहुखंडी ने बताया कि युवक की जांच रिपोर्ट आ गई है। इसमें कोरोना की पुष्टि हुई है।

स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों का कहना है कि घबराने की कोई बात नहीं है और युवक के स्पेन से लौटने की जानकारी मिलते ही उसे पृथक किया गया था और उसके परिजनों को घर में अलग-थलग रखा गया। सीएमओ पौड़ी डा. मनोज बहुखंडी ने बताया कि युवक की जांच रिपोर्ट आ गई है। इसमें कोरोना की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि युवक का राजकीय बेस अस्पताल कोटद्वार में उपचार चल रहा है। युवक के परिजनों को अलग-थलग रखा गया है। संक्रमित युवक के परिजन भी पूरी तरह स्वस्थ हैं और अब उन लोगों को तलाशा जाएगा जिनके संपर्क में युवक आया था।

यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) **UCO BANK** (A Govt. of India Undertaking)

अंचल कार्यालय, रिकवरी डिपार्टमेंट, पहला तल, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, फोन: 011-23753827, 011-49498261, 011-49498285

शुद्धि पत्र / विस्तारित

कृपया 27.02.2020 को इस समाचार पत्र में प्रकाशित 30.03.2020 को अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना, कर्जदार का नाम: (1) मैसर्स शशि बाला डूमरा एवं (2) मैसर्स डायलन जीन्स (उपरोक्त कर्जदारों/गारंटरों/बंधककर्ताओं को 30 दिनों का नोटिस का भी प्रकाशन) के विज्ञापन का संदर्भ लें। सम्पूर्ण भारत में "लॉक डाऊन" के कारण प्राधिकृत अधिकारी ने ई-नीलामी की तिथि 30.03.2020 से बढ़ाकर 21.04.2020 कर दिया है। ईएमडी राशि/बोलीदाता फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 20.04.2020 है। अन्य सभी विवरण यथावत रहेंगे।

प्राधिकृत अधिकारी,
यूको बैंक, अंचल कार्यालय, रिकवरी डिपार्टमेंट, नई दिल्ली

राहत कोष में मंत्री एक-एक लाख रुपए देंगे : सुशील

पटना, 25 मार्च (भाषा)।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भाजपा के सभी विधायक व विधान पार्षद एक-एक महीने के वेतन व मंत्रीगण एक-एक लाख रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे।

पटना स्थित अपने सरकारी आवास 5 देशरत्न मार्ग स्थित कार्यालय से स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के साथ भाजपा के सभी विधायकों व विधान पार्षदों को ऑडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुशील ने कहा कि सभी अपने-अपने क्षेत्रों में यह सुनिश्चित करें कि खाद्य सामग्री, साग-सब्जी, दवा, दूध आदि की किल्लत न हो तथा कोई इनकी जमाखोरी और कालाबाजारी न करे।

उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भाजपा के सभी विधायक व विधान पार्षद एक-एक महीने का वेतन व मंत्रीगण एक-एक लाख रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे। सुशील ने सभी सदस्यों को प्रतिदिन कम से कम 100 लोगों से मोबाइल-फोन से बातें कर फीडबैक लेने, कोरोना वायरस से बचने की सावधानियां बताने व आम लोगों से जुड़ी परेशानियों से अधिकारियों को अवगत करा उसे दूर करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि विधायक लोगों को समझाएं कि खाद्य सामग्री, साग-सब्जी, दवा आदि की कोई किल्लत नहीं है, इसलिए भयभीत होकर अनावश्यक खरीदारी न करें। सुशील ने कहा कि लॉकडाउन में आवश्यक सामग्रियों की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी विधायक व विधान पार्षद आम लोगों को सचेत करें कि सोशल मीडिया पर आने वाली फेक न्यूज से सावधान रहें और बिना जांचे-परखे उसे दूसरों को प्रेषित नहीं करें और संचार माध्यमों के जरिए चिकित्सकों व विशेषज्ञों के सुझाव को ही अधिकृत मानें।

सुशील ने कहा कि अन्य राज्यों व देश के बाहर से ग्रामीण क्षेत्रों में आए लोग अपने घरों में अलग-थलग रहें या मुखिया से संपर्क कर उन्हें पंचायत भवन या स्कूल में अलग रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

www.readwhere.com

खाद्य पदार्थों की कोई कमी नहीं : दिल्ली सरकार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में सब्जी, दूध व किराना सामान की कोई कमी नहीं है। ये सेवाएं जनता का तक पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बंद की वजह से तनावपूर्ण स्थिति पैदा न करें। सरकार पूरे प्रत्यन कर रही है कि कोई भूखा न सोए।

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने 21 दिन के बंद के बाद सरकार की तैयारियों की समीक्षा की और बाद में संयुक्ततौर पर डिजिटल प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उपराज्यपाल ने कहा कि सरकार बंद में हर संभव कोशिश करेगी कि आम जनता को कम से कम परेशानी हो। राजधानी में कहीं भी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। जमाखोरों पर सरकार की पैनी निगाह है और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मुश्किल समय है। इस घड़ी में हम सबको मुकाबला मिलकर करना है। उन्होंने कहा कि बंद के नियमों का सख्ती से पालन करें। हमें किसी भी हालत में घर से बाहर नहीं निकलना। जनता को संक्रमण के खतरे से बचाने के लिए कड़ा फैसला लिया गया है। इसे सफल बनाने लिए दिल्ली सरकार,

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। मनीष सिसोदिया ने अपने ट्वीट में कहा कि इस महामारी के समय में खुद को बचा कर रखें। माता रानी सब अच्छा करेंगी।

पुलिस समेत सभी विभाग मिलकर काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तनाव लेने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री के भाषण के बाद दुकानों के बाहर लंबी लाइनें लगने लगीं। अगर इतनी लंबी लाइनें लगेंगी तो बंद का मतलब खत्म हो जाएगा। हम सब आपके स्वास्थ्य और जिंदगी के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। जरूरी सामान की दुकान खुलवाने व सामान पहुंचाने की जिम्मेदारी हमारी है। उन्होंने कहा कि सेनेटाइजर, दस्ताने बनाने वाली फैक्ट्री, दवा कंपनी आदि के कर्मचारियों को भी दिया जाएगा ताकि लोगों के पास पर्याप्त सामान उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सभी स्वास्थ्य कर्मियों को भरोसा देना चाहता हूं कि वे चिंता ना करें। कोई आपको घर से नहीं निकालेगा। सरकार और पूरा देश आपके साथ है।

जरूरी सेवा में लगे लोगों को मिलेगा ई-पास

सरकार जरूरी सेवा दे रहे लोगों को ई-पास उपलब्ध कराएगी। ई-पास के लिए 1031 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। यह पास जरूरत का सामान और सेवा दे रहे हैं लोगों को दिया जाएगा। यह केवल उन लोगों को लेने की आवश्कता है, जिनके पास अपना पहचान पत्र नहीं है। उनके लिए हेल्पलाइन जारी करेंगे। जहां से यह पास लिया जा सकेगा। आप उस नंबर पर फोन कीजिए और ई-पास ले लीजिए। डॉक्टर, नर्स, मीडिया समेत जरूरी सेवा में लगे लोगों के पास अपने आईकार्ड हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय का नंबर भी जारी किया है। 011- 23469536 पर फोन कर-के पुलिस से सहायता ले सकते हैं। यह नंबर पुलिस आयुक्त कार्यालय का है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री सतेंद्र जैन ने दिल्ली में कॉस्मेटिक्स और ड्रग मैनुफैक्चर के लिए आदेश जारी होने की जानकारी ट्वीट के माध्यम से दी। इसके तहत 30, जून तक बिना लाइसेंस के हाथ धोने का विषाणुनाशक द्रव्य (हैंड सेनिटाइजर) बना सकेंगे।

24 घंटे में कोरोना के पांच नए मामले सामने आए : मुख्यमंत्री

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के पांच नए मामले सामने आए हैं। इन्हें मिलाकर दिल्ली में कोरोना के कुल 35 मामले हो गए हैं। इन्हें रोकना होगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में मामले आते जा रहे हैं। बंद होने के बाद भी जिस तरह से मामले आ रहे हैं उसे देखते हुए यही लग रहा है कि इस बंद की कितनी बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगर यह महामारी फैलती है तो इसे संभाल पाना मुश्किल होगा। इसलिए बचाव ही एक रास्ता है।

अभी जो मामले आए हैं उनमें एक मामला विदेश से आए व्यक्ति से संबंधित है, जबकि चार यहीं के लोग हैं। जो दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं।

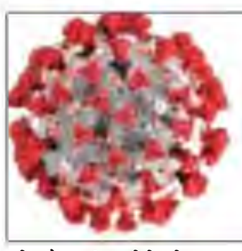

दिल्ली में अब कोरोना के कुल 35 मामले

आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने से बढ़ी परेशानी

थोक बाजारों में सामान की कमी नहीं पर फुटकर दुकानदारों ने बढ़ाए दाम

प्रियरंजन
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना के खौफ के बीच घरों में बंद लोगों को सब्जियों के बढ़े दामों से भी दो-चार होना पड़ रहा है। यह अजीब विडंबना है कि दिल्ली के थोक बाजारों में सामान भरे पड़े हैं। थोक दामों में भी बढ़ोतरी नहीं हुई है लेकिन कॉलोनी के फुटकर दुकानदारों ने सब्जियों और फलों के दामों में भारी बढ़ोतरी कर रखी है। आजादपुर, गाजीपुर और ओखला मंडियों में स्थिति कमोवेश एक जैसी है। आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होना इस हालात के लिए बड़ा कारक बन कर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों की आशंकाएं दूर करने का प्रयास करते हुए कहा था कि लोगों को 21 दिन की पूर्णबंदी के दौरान आवश्यक वस्तुएं आम जन की पहुंच में होंगी, लेकिन कारगर आपूर्ति श्रृंखला की व्यवस्था के न होने के कारण शुरुआती दो दिन तक यह मिथक साबित हुआ है।

थोक मंडी की स्थिति

आजादपुर मंडी के बाजार समिति के सदस्य अनिल मल्होत्रा के मुताबिक, कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है। माल भी मौजूद है। कोरोना के खौफ से बाजार में ग्राहकों की आवक कम है। बाजार में सन्नाटा है। उन्होंने कहा-अगर फुटकर के दाम ज्यादा बढ़े हैं तो सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि इससे एक तरफ तो रोज का करोड़ों का व्यापार प्रभावित हो रहा है। वहीं, बाजार में काम करने वाले हजारों दिहाड़ी श्रमिकों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ गई है। स्थानीय बाजारों से हरी सब्जियां मंडी में आ रही हैं, लेकिन ग्राहक न होने के कारण उनके खराब होने का खतरा बना हुआ है।

फुटकर दुकानदारों की दलील

गली-मोहल्ले व सोसायटी के बाहर सब्जी फल बेचने वालों से लेकर रेहड़ी पटरी पर दुकान लगाने वाले इन दुकानदारों की दलील दूसरी है। वे कालाबाजारी से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि थोक बाजार से उनके ठीहों तक सामान ले आना मुसीबत हो गया है। कर्फ्यू पास बनने में देरी हो रही है। इस वजह से ट्रांस्पोर्टरों के भाव बढ़ गए हैं।

ढुलाई दोगुने से भी ज्यादा की हो गई है। दो दिनों से ज्यादातर फुटकर विक्रेताओं के पास माल मंडी से नहीं आया। चालकों के नहीं होने या छुट्टी पर चले जाने से ढुलाई की समस्या हो गई है। गाड़ियां न मिलने के कारण माल नहीं आ पा रहा है। उन्हें आशा है कि दो-तीन दिन में ज्यादातर गाड़ियों के लिए कर्फ्यू पास बन जाने से स्थिति ठीक होगी।

व्यापारियों का आरोप, पुलिस वाहनों को नहीं आने दे रही

सरकार ने आवश्यक सेवाओं को प्रतिबंध से बाहर रखा है। लेकिन व्यापारियों का आरोप है कि इसके बाद भी पुलिस उनके स्थानीय वाहनों को बाजार तक नही आने दे रही है। रेहड़ी-पटरी पर सब्जी बेचने वालों से भी बहुत पूछताछ हो रही है, जिसकी वजह से वे भी बाजार से दूरी बनाए हुए हैं। इससे बहुत कम छोटे दुकानदार मंडी तक पहुंच रहे हैं। यही कारण है कि कुछ दुकानदार जो बाजार से सब्जियां ले जा रहे हैं। वे ऊंची कीमत वसूल रहे हैं।

खुदरा और थोक बाजार में भाव

फुटकर बाजार के भाव	आजादपुर मंडी (भाव थोक में)
भिंडी (80 से 100 रुपए किलो)	25 रुपए किलो
आलू (35 से 40 रुपए किलो)	12 रुपए किलो
प्याज (35 से 40 रुपए किलो)	12 रुपए किलो
फूलगोभी 50 से 60 रुपए किलो	6 से 16 रुपए किलो
बैंगन (50 रुपए किलो)	6 से 18 रुपए किलो
टमाटर (40 से 50 रुपए किलो)	औसतन 10 रुपए किलो
लौकी (30 रुपए किलो)	8 से 14 रुपए किलो

'नई पालिका परिषद को देंगे 50 लाख रुपए'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना संक्रमण से लड़ने के लिए सांसद रमेश विधूड़ी ने 50 लाख रुपए की धनराशि नई दिल्ली पालिका परिषद को देने की घोषणा की है। इसके लिए सांसद ने परिषद को पत्र लिखा कि यह राशि उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया है। यह राशि सांसद कोष से दी जाएगी। सांसद ने कहा कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए केंद्र सरकार ने पुलिस का एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। दिल्ली के गरीब परिवारों की सुविधा के लिए दिल्ली सरकार एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर।

दिहाड़ी मजदूरों को जल्द मिलेगी सहायता राशि : सरकार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

सरकार ने मजदूरों को पांच हजार रुपए की सहायता राशि देने की फाइल उपराज्यपाल को भेजी

दिल्ली सरकार ने बंद के दौरान निर्माण कार्य से जुड़े दिहाड़ी मजदूरों को पांच-पांच हजार रुपए की सहायता राशि देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। सरकार ने दिल्ली लेबर वेलफेयर बोर्ड के तहत पंजीकृत मजदूरों को सहायता राशि देने के लिए फाइल उपराज्यपाल अनिल बैजल के पास भेज दी है। फंड की अनुमति मिलते ही दिल्ली सरकार सभी पंजीकृत दिहाड़ी मजदूरों के खाते में निर्धारित सहायता राशि भेज देगी।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक निर्माण कार्य से जुड़े करीब 9149 दिहाड़ी मजदूरों का अभी तक बोर्ड के तहत पंजीकरण नहीं हो पाया है। इन सभी का पंजीकरण कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि इन्हें भी शीघ्र राहत राशि दी जा सके। इस समय बोर्ड के पास 37127 पंजीकृत निर्माण करने वाले कामगार हैं। इन्हें तत्काल सहायता राशि मिल जाएगी।

कोरोना के कारण लोगों ने विभिन्न समारोहों की बुकिंग भी की रद्द

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना संक्रमण की वजह से आम लोगों ने अपने कार्यक्रमों में भी बदलाव किया। पूजा समारोह, गोद भराई, सगाई जैसे कार्यक्रमों को टाल दिया है। हरदेव पुरी में भगवती टेंट हाउस के मालिक अजय भारद्वाज बताते हैं कि नवरात्र के दिनों में उनके लिए कई बुकिंग थीं। लेकिन अब इन कार्यक्रम को टाल दिया है।

16-17 अप्रैल से शादियों का सीजन है। इसके लिए अभी से विभिन्न आयोजन की शुरूआत होती है लेकिन अब तक की सभी बुकिंग रद्द हुई हैं। इस बाबत पूर्वी दिल्ली के टैंट मालिकों की एसोसिएशन ने भी एक आदेश जारी किया है, जिसमें 15 अप्रैल तक आयोजन पर रोक का फैसला लिया है। अब इलाके के बैंक्वेट हॉल में किसी तरह का कोई आयोजन नहीं होगा।

पूजा व मेवा कारोबार पर भी असर

मंडोली रोड स्थित बाबा ट्रेडर के मालिक का कहना है कि दंगों के बाद इस बंद ने कारोबार की कमर तोड़ दी है। उनका किराना मेवा व पूजा सामान का कारोबार है। उन्होंने कहा कि 15 दिन तक ऐसे हालात रहे तो कारोबारियों का कर्जा दो गुना हो जाएगा। लोग सामान लेने जरूर आ रहे हैं लेकिन भीड़ बढ़ने की वजह से उन्हें पीसीआर बुलानी पड़ी है। जो बार-बार दुकान बंद होने का भी कारण बन रहा है। बंद की वजह से दुकान में तैनात कर्मचारियों का प्रतिदिन वेतन निकालना भारी पड़ रहा है।

बंद के कारण सूनी सड़कें।

बंद दुकानों में सील हो गया है नया माल

अशोक नगर में जैन साड़ी गोदाम के मालिक प्रवीण जैन ने बताया कि उनके पास शादियों के सीजन का सामान आ चुका है। ये गोदाम अशोक नगर व बुराड़ी में है। उनका सारा सामान सूरत से आता है लेकिन दुकान बंद होने के सारा माल बंद हो गया है। अधिकतर कारोबरियों के ऐसे ही हालात हैं। इस स्थिति में आने वाले छह माह तक भी सुधार होगा, ऐसा नजर नहीं आ रहा है।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड IRCON
(भारत सरकार का उपक्रम)
पंजीकृत कार्यालय : सी-4 डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली - 110017 (भारत)
दूरभाष : +91-11-29565666 फैक्स : +91-11-26854000,
वेबसाइट : www.ircon.org ईमेल : info@ircon.org CIN-L45203DL1976GOI008171

रिकॉर्ड तिथि की सूचना

सेबी (सूचीयन विनियम तथा प्रकटीकरण अपेक्षा) विनियम, 2015 के विनियम 42 के अनुसरण में यह सूचित किया जाता है कि कंपनी ने 10/-रुपए के इक्विटी शेयर को प्रत्येक 2/-रुपए अंकित मूल्य के पांच (05) इक्विटी शेयर में बांटने के लिए पात्र शेयरधारकों के नाम का पता लगाने हेतु 'रिकॉर्ड तिथि' मंगलवार, 7 अप्रैल, 2020 नियत की है।

कृते इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
हस्ता./-
रितु अरोड़ा
कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24.03.2020

होमश्री हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड
HomeShree Your Trust, Our Pride
पंजीकृत कार्यालय : 705, अरूणाचल बिल्डिंग, 19, बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली-110001
दूरभाष: 011-43586767, 8882233311 सीआईएन : CIN: U65191DL2010PLC206137

नीलामी सह विक्रय हेतु सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा सामान्य रूप से जनसामान्य को तथा विशेष रूप से कर्जदार को सूचित किया जाता है कि **होमश्री हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड (इसके पश्चात् इसे "ऋणदाता कम्पनी" कहा जायेगा)** के अधिकृत प्राधिकारी के पास बंधक नीचे वर्णित सम्पत्ति, जिस पर होमश्री हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड के अधिकृत प्राधिकारी ने **29/11/2019** को भौतिक कब्जा कर लिया है, **श्री ब्रजेश कुमार (कर्जदार) तथा श्रीमति सोमा राज (सह-कर्जदार)** से रू **25,69,725/-** (रूपये पच्चीस लाख उनहत्तर हजार सात सौ पच्चीस मात्र) तथा **09/11/2018** से वसूली की तिथि तक प्रतिभूत लेनदार के अप्रयुक्त ब्याज तथा अन्य प्रभारों सहित बकाया राशि की वसूली हेतु, "जहां है जैसे है", "जो है यही है" तथा "जो कुछ भी है" आधार पर" ऋणदाता कम्पनी के बिना किसी आश्रय के " **30/03/2020** को बिक्री की जायेगी। आरक्षित मूल्य रू **50,66,550/-** (रूपये पचास लाख छियासठ हजार पांच सौ पचास मात्र) होगा तथा जमा धरोहर राशि रू **5,06,655/-** (रूपये पांच लाख छः हजार छः सौ पचपन मात्र) होगी, जिसके विवरण निम्नलिखित है

कर्जदार(रों)/बंधकर्ता(ओं) के नाम	सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मॉग सूचना के अनुसार तिथि तथा राशि	अचल सम्पत्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य	जमा धरोहर राशि (ज.ध.रा)	प्रस्ताव/ ज.ध.रा. जमा करने की अंतिम तिथि
1. श्री ब्रजेश कुमार (कर्जदार) 2. श्री मति सोमा राज (सह-कर्जदार) (ऋण खाता सं0 HL/DEL/05/2017/003)	2 मार्च 2019 रू. 25,69,725/- (रूपये पच्चीस लाख उनहत्तर हजार सात सौ पच्चीस मात्र) 09.11.2018 से प्रभावी प्रतिभूत लेनदार का बकाया अप्रयुक्त ब्याज तथा अन्य प्रभार।	निम्नलिखित से निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग: प्लॉट सं. 1/4, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद-201014, उत्तर प्रदेश पर महागुन मैशन फेज-2 में 3 बीएचके आवासीय फ्लैट सं. 804, ब्लॉक-ओसिमो, 8वीं मंजिल, टाईप एचआईजी-1 का सम्पूर्ण भाग। सीमा: उत्तर: 100 फीट चौडी सड़क, दक्षिण: 80 फीट चौडी सड़क, पूर्व: प्लॉट सं. 1/3 वैभव खंड, पश्चिम: प्लॉट सं. 1/5 वैभव खंड। आवासीय फ्लैट का क्षेत्रफल: सुपर एरिया 154.21 वर्ग मीटर, कवर्ड एरिया 123.37 वर्ग मीटर	रू 50,66,550/- (रूपये पचास लाख छियासठ हजार पांच सौ पचास मात्र)	रू 5,06,655/- (रूपये पांच लाख छः हजार छः सौ पचपन मात्र)	28/03/2020 को 16:00 बजे तक नीलामी की तिथि/समय 30/03/2020 को 14:00 बजे

बिक्री के महत्तवपूर्ण नियम एवं शर्तें:
1) बिक्रय के सभी सामान्य नियम एवं शर्तें सहित संविदा दस्तावेज/प्रपत्र ऊपर उल्लिखित ऋणदाता कम्पनी के पंजीकृत से कार्यालय से कार्यालय अवधि के दौरान किसी भी कार्यदिवस में अधिकृत प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक संविदाकारों को अपनी मुहरबंद संविदाऐं ऋणदाता कम्पनी के अधिकृत प्राधिकारी के पास भेजनी है। संविदा के साथ "होमश्री हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड" के पक्ष में आहरित दिल्ली मे देय डिमाण्ड ड्राफ्ट/चैक के रूप में / ऑनलाइन भुगतान की पावती ज.ध.रा. (जो संविदा राशि का 10 प्रतिशत होगा) ऋणदाता कम्पनी के उपर्युक्त पंजीकृत कार्यालय पर जमा करनी है। जो संविदाएं भरी नहीं गई है अथवा अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त होती हैं उन्हें अवैध संविदा माना जायेगा और तदनुसार उसे निरस्त कर दिया जायेगा। संविदाकार द्वारा एक बार संविदा जमा करने के उपरान्त इसे वापस नहीं लिया जा सकेगा।
2) मुहरबंद संविदाएं 30/03/2020 को 14:00 बजे ऋणदाता कम्पनी को पारस्परिक संविदा सचालित करने का अधिकार होगा। संविदाकार्यो/क्रेताओं के उच्चतम प्रस्ताव स्वीकार किये जायेंगे। सफल संविदाकारों को विक्रय मूल्य तुरन्त अथवा अधिकतम अगले कार्यकारी दिवस तक होमश्री हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में आहरित, दिल्ली में देय डिमाण्ड ड्राफ्ट /एनईएफटी/आरटीजीएस के रूप में जमा करना होगा और सफल संविदाकार द्वारा विक्रय मूल्य की शेष राशि कम्पनी द्वारा विक्रय सुनिश्चित होने की तिथी से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। इच्छुक संविदाकारों द्वारा प्रदत्त ज.ध.रा तथा विक्रय मूल्य पर कोई ब्याज देय नही होगा। यदि सफल संविदाकार विक्रय की शर्तों का अनुपालन करने में असफल होता है या कोई चूक करता है तो ज.ध.रा. कम्पनी द्वारा जब्त कर ली जायेगी।
3) अपने पूर्ण ज्ञान एवं सूचना ऋणदाता कम्पनी को छोड़कर विक्रय की जा रही सम्पत्ति पर किसी प्रकार के ऋणभार की ऋणदाता कम्पनी को जानकारी नहीं है। इच्छुक पक्षों को अपनी स्वयं की सतुष्टि के लिए सम्पत्ति का अपना निजी आकलन कर लेना चाहिए। ऋणदाता कम्पनी उपर्युक्त सम्पत्ति की उपर्युक्तता/स्वामित्व के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की कोई गारटी नहीं लेती है या कोई प्रतिनिधान नही करती है। किसी अन्य सूचना के लिए अधिकृत प्राधिकारी उपर्युक्त सम्पत्ति के परिप्रेक्ष्य में किसी प्रभार, ग्रहणाधिकारी, ऋणभार, सम्पत्ति कर या सरकारी अथवा किसी अन्य निकाय के किसी अन्य बकाया के लिए उत्तरदायी नहीं होगी। स्टाम्प शुल्क, विक्रय प्रमाणपत्र का पंजीकरण प्रभार, सोसाइटी प्रभार, परिवहन, जी.एस.टी., टीडीएस आदि से सम्बन्धित सभी व्यय बोलीदाता/क्रेता द्वारा वहन किया जायेगा।
4) अधिकृत प्राधिकारी को कोई या सभी प्रस्ताव/संविदा स्वीकार करने या निरस्त करने अथवा बिना कारण बताए बिक्रय को आस्थगित करने/निरस्त करने या बिना किसी पूर्व सूचना के बिक्रय की शर्तों में परिवर्तन करने का अधिकार एवं विशेषाधिकार है।
5) ऋणदाता कम्पनी सम्पत्ति के किसी ऐसे दायित्वों के लिए उत्तरदायी नहीं है जो ऋणदाता कम्पनी के सज्ञान में नहीं है।
6) दस्तावेजों के निरीक्षण हेतु तथा विक्रय के नियम एवं शर्तों हेतु इच्छुक संविदाकार/क्रेता अधिकृत प्राधिकारी से उपर्युक्त पंजीकृत कार्यालय पर पहले से समय लेकर किसी भी कार्यकारी दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।

टिप्पणी: एतद्द्वारा कर्जदारों/बंधककर्ता को सूचित किया जाता है कि अद्यतन ब्याज तथा सहायक खर्चे के साथ नीलामी से पूर्व उक्त राशि का भुगतान करें अन्यथा सम्पत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जायेगी तथा शेष बकाया राशि यदि कोई हो, ब्याज तथा लागत के साथ वसूल की जायगी। इस सूचना को 3 दिन की बिक्री सूचना मानी जाए।

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी
होमश्री हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के लिए

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 26/03/2020

प्रपत्र सं. एनसीएलटी ३ए
याचिका का विज्ञापन
[राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण नियम, 2016 के नियम 35 के अनुसार]
राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली, पीठ III के समक्ष
सीए (सीएए) सं. 5 (एनडी)/ 2020 के साथ सीपी (सीएए) सं. 42 (एनडी)/ 2020
तथा
हिन्द पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड ("अन्तरक कम्पनी")
तथा
पेंगुइन रैंडम हाउस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड ("अन्तरिती कम्पनी")
के समामेलन की योजना के मामले में
याचिका पर सुनवाई की सूचना

ध्यान दें कि हिन्द पॉकेट बुक्स प्राइवेट लिमिटेड ("अन्तरक कम्पनी") तथा पेंगुइन रैंडम हाउस इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड ("अन्तरिती कम्पनी") एवं उनके सम्बद्ध शेयरधारकों तथा लेनदारों के समामेलन की योजना की स्वीकृति हेतु कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-232 के तहत कम्पनी याचिका 23 दिसम्बर, 2019 को याचिकाकर्ता कम्पनी द्वारा दाखिल की गयी और कथित याचिका की अन्तिम सुनवाई राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली की पीठ III के समक्ष 17 अप्रैल, 2020 को निर्धारित की गयी है।

कथित याचिका का समर्थन विरोध करने के किसी इच्छुक व्यक्ति को अपने या अपने अधिवक्ता द्वारा हस्ताक्षरित अपने नाम तथा पते सहित अपने इरादे की सूचना याचिकाकर्ता के एडवोकेट के पास लक्ष्मीकुमारन एण्ड श्रीधरन एटॉर्नीज, 5 लिंक रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110014 के पास याचिका की सुनवाई की निर्धारित तिथि से अधिकतम दो दिन पूर्व तक भेजनी होगी। यदि वह याचिका का विरोध करता है तो इस सूचना के साथ उसे विरोध की पृष्ठभूमि या अपने शपथपत्र की एक प्रति भेजनी होगी। याचिका की एक प्रति किसी भी इच्छुक व्यक्ति को इसके लिए निर्धारित शुल्क के भुगतान पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा उपलब्ध कराई जायेगी।

तिथि: 26.03.2020
कार्यालय: लक्ष्मीकुमारन एण्ड श्रीधरन एटॉर्नीज — अग्रिम अरोड़ा
5 लिंक रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110014 — (याचिकाकर्ता कम्पनियों के एडवोकेट)

Indiabulls REAL ESTATE
इंडियाबुल्स रियल इस्टेट लिमिटेड
(CIN: L45101DL2006PLC148314)
पंजीकृत कार्यालय : एम-62 एवं 63, पहली मंज़िल, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली - 110 001
वेबसाईट: http://www.indiabullsrealestate.com/
ई-मेल: helpdesk@indiabulls.com फोन: 0124-6681199 फैक्स: 0124-6681240

सूचना
कंपनी के इक्विटी शेअरधारकों के ध्यान के लिए
कंपनी के इक्विटी शेअरों का निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में स्थानांतरण

निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधी प्राधिकरण (लेखा, लेखापरीक्षा, स्थानांतरण और धनवापसी) संशोधन नियम 2016 ('नियम') जिसे भारत सरकार कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के द्वारा जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार यह नोटिस जारी किया गया है।

कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) के नियम और धारा 124(6) के अनुसार सात वर्षों से या उसके अधिक, भुगतान न किए गये या दावा न किए गये लाभांश के संबंध में सभी शेयर, निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। नियमों के अनुसार निर्धारित विभिन्न आवश्यकताओं का पालन करते हुए, कंपनी संबंधित शेयरधारकों को व्यक्तिगत रूप से यह सूचित कर रही है, कि जिनके शेयर आईईपीएफ सन्देही खाते में हस्तांतरित होने है, वह किस प्रकार, भुगतान न किए गये या दावा न किए गये वित्तिय वर्ष 2012-13 के अंतरिम लाभांश के लिए, 30 अप्रैल, 2020 या उससे पहले दावा प्रस्तुत कर सकते है।

सभी भुगतान न किए गये या दावा न किए गये लाभांश का वार्षिक विवरण और शेयरधारको का संपूर्ण विवरण, जैसे कि उनके फोलियो नं. या डीपी आइडी / ग्राहक आइडी, जिनके शेयर आईईपीएफ में हस्तांतरित होने के लिए उत्तरदायी है, यह सभी जानकारी कंपनी की वेबसाईट https://www.indiabullsrealestate.com पर उपलब्ध है।

सभी शेयरधारक इस बात पे ध्यान दें कि भौतिक रूप में और विमुद्रीकृत रूप में रखे गए शेयरों को आईईपीएफ में स्थानांतरित किया जाना है। हालांकि, इन शेयरो को अर्जित लाभ के साथ, यदि हो, नियमों में उल्लिखित प्रक्रिया द्वारा आईईपीएफ से प्राप्त किया जा सकता है।

शेयरधारक इस बात पे ध्यान दें कि नियमो के अनुसार, कंपनी आईईपीएफ में स्थानांतरित करने के उद्देश्य से मूल शेयर सर्टिफिकेट के बदले में डुप्लिकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करेगी, जिससे मूल शेयर सर्टिफिकेट स्वचालित रूप रद्द हो जाएंगे।

यदि 30 अप्रैल, 2020 तक भौतिक या विमुद्रीकृत रूप में शेयर रखने वाले संबंधित शेयरधारको से कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो नियमों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन शेयरों को आईईपीएफ में स्थानांतरित करने के लिए कंपनी उचित कारवाही शुरू करेगी।

इस संबंध में यदि कोई शेयरधारक को पूछताछ करनी हो तो कृपया कंपनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रान्सफर एजंट, केफीन टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड (युनिट : इंडियाबुल्स रियल इस्टेट लिमिटेड), श्रीमती सी. शोभा आनंद, सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नं. 31-32, गाचिबोली वित्तीय जिला, नानकरामगुडा, हैदराबाद - 500032 फोन (91 -40) 6716 2222; टोल फ्री 1800-345-4001; फैक्स नं. (91-40) 230 01153; ई-मेल einward.ris@kfintech.com पर संपर्क करें।

बोर्ड की आज्ञानुसार
कृते इंडियाबुल्स रियल इस्टेट लिमिटेड
सही/-
रवि तेलकर
कंपनी सचिव

स्थान : मुंबई
दिनांक : मार्च 24, 2020

www.readwhere.com

देश में पूर्ण बंदी के बाद पुलिस के रवैये पर बोले आयुक्त

लोगों को मदद पहुंचाएं न कि बाधा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

दिल्ली के पुलिस आयुक्त ने कोरोना विषाणु संक्रमण के मद्देनजर पूर्ण बंदी और धारा 144 लगाने के बाद पुलिसिया दुर्व्यवहार को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा है कि जरूरतमंदों को पुलिस वाले मदद पहुंचाएं न कि बाधा। राशन, दवाइयां, बिजली, पानी, मोबाइल और इंटरनेट की जरूरतों के साथ बुजुर्गों को सहायक चाहिए। साथ ही पशुओं को चारा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। अस्पताल और हवाई अड्डा से आने-जाने वाले को रोकना भी मुनासिब नहीं है। उन्होंने दिल्ली में तैनात पुलिस कर्मियों को कहा है कि वे अपनी क्षमता को प्रशिक्षित बल के रूप में प्रयोग करें और खुद के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए संयम से काम लें।

राशन, दवाइओ, बिजली, पानी, मोबाइल और इंटरनेट की जरूरतों के साथ बुजुर्गों को सहायक भी चाहिए। साथ ही पशुओं को चारा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। जरूरतमंदों को पुलिस वाले मदद पहुंचाएं न कि बाधा।

आयुक्त एसएन श्रीवास्तव ने बुधवार को कहा कि पूर्ण बंदी और धारा 144 लगाने से लोगों को कई प्रकार की कठिनाईयां हो रही है। बाबजूद इसके कोरोना वायरस के मद्देनजर हमें उनकी सुरक्षा करनी है। ऐसे में पुलिस का कार्य बहुत चुनौतीपूर्ण हो गया है। आवश्यक वस्तुएं राशन, दूध, दवाईयां आदि के साथ बिजली, पानी, इंटरनेट और मोबाइल का प्रयोग भी अनिवार्य है। इन सभी संबंधित कार्यों के लिए लोगों का बाहर निकलना जरूरी है। घरों में सामान पहुंचाने की कंपनियां जोमेटो, स्विगी, ब्लू डार्ट, ग्रोफर, फ्लिपकार्ड, बिग बाजार आदि एजंसियों के लोगों को भी बिना वजह रोकना पुलिस के लिए ठीक नहीं है। इन विषम परिस्थितियों में हमें नागरिकों की सहायता करनी चाहिए न कि बेवजह जांच के नाम पर कठिनाई पहुंचानी चाहिए। ऐसा करने से इन वस्तुओं का अभाव भी जरूरतमंदो के बीच हो सकता है।

उन्होंने अपने मातहतों को कहा कि अगर जांच के दौरान उन्हें उकसाने जैसी बातें भी की जाए तो भी एक प्रशिक्षित बल के नाते वे धैर्य से काम करें। दिल्ली वाले उनके इस कार्य पर नाज करेंगे।

स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार पर होगी कार्रवाई : उपराज्यपाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कोरोना महामारी के दौरान मकान मालिकों की ओर से डॉक्टरों, पैरामेडिकल कर्मचारी व स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। उपराज्यपाल ने सभी जिला मजिस्ट्रेट/जिला पुलिस उपायुक्त और निगमों के जोनल उपायुक्त कानूनी प्रावधानों के तहत ऐसे मकान-मालिकों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में प्रतिदिन अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) से रिपोर्ट भी मांगी कई है।

दिल्ली सरकार ने इस महामारी को रोकने के लिए महामारी रोग अधिनियम, 1897 के अंतर्गत दिल्ली महामारी रोग, विनियम, 2020 को अधिसूचित किया है जिसके अंतर्गत इस प्रकार का व्यवहार दंडात्मक श्रेणी में आता है।

'चिकित्सकों के साथ गलत व्यवहार से दुखी हूं'

दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि कोरोना से संक्रमित मरीजों की सेवा में लगे लोगों के साथ गलत व्यवहार पर कहा कि ये जानकारी मिल रही है कि जो लोग दिन-रात अपनी सेहत की चिंता किए बगैर ही कोरोना से लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें ही कॉलोनियों में घुसने से रोका जा रहा है, मकान खाली करने को कहा जा रहा है। उनके साथ ऐसा व्यवहार गलत है।

उपराज्यपाल ने संबंधित विभागों को स्वास्थ्यकर्मियों के लिए उनके आवास से कार्यस्थल, अस्पताल तक सुगम आवागमन की उचित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

खबरों में शहर

पूर्ण बंदी के बाद दिहाड़ी मजदूर पहाड़गंज में परेशान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

पूर्ण बंदी और धारा 144 के बाद राजधानी दिल्ली के पहाड़गंज में करीब 700 भवन निर्माण मजदूर फंसे हुए हैं। खाने-पीने एवं रहने का कोई ठिकाना नहीं होने और बाहर निकलते ही पुलिसिया कार्रवाई से वे लोग परेशान हैं। राष्ट्रवादी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अधिवक्ता अनिल भारती ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा है कि पहाड़गंज में फंसे 700 भवन निर्माण मजदूरों के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के साथ बिहार सरकार के संबंधित अधिकारियों को भी मजदूरों को शरण देने वाले विनोद यादव के मोबाइल नंबर-9310754047 पर मदद के लिए आगे आना चाहिए। वे सभी बिहार के पूर्णिया, सहरसा, खगड़िया, मधेपुरा एवं सुपौल आदि जिलों के रहने वाले हैं।

एनडीएमसी अध्यक्ष की अपील, घरों से बाहर न निकलें लोग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने कोविड-19 के मद्देनजर अपने क्षेत्र में रह रहे लोगों को बाहर नहीं निकलने की अपील की है। उनके घर जल आपूर्ति, विद्युत, स्वास्थ्य सेवाएं और सफाई व्यवस्था पहले की तरह परिषद के कर्मचारी प्रदान करने के लिए तैनात हैं। परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि पूर्ण बंदी के मद्देनजर सभी कर्मचारियों विशेषकर ग्रुप बी और ग्रुप सी कर्मचारियों की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस दौरान अगर जरूरत पड़े तो ऑनलाइन भुगतान का सहारा स्थानीय लोग ले सकते हैं।

कोरोना कहकर लड़की पर थूकने वाला पकड़ा गया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

मुखर्जीनगर के विजय नगर इलाके में रात के समय एक युवती पर कोरोना कहकर पान का पीक थूकने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। रविवार को हुई इस घटना के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला और उजले रंग की एक दोपहिया स्कूटी की पहचान कर उसके मालिक गौरव वोहरा (40) को गिरफ्तार कर लिया। वोहरा माडल टाउन के निगम स्कूल के पास गुड़ मंडी का रहने वाला है। वह आनंद पर्वत इलाके की एक निजी कंपनी में नौकरी करता है।

कोरोना पर कांग्रेस ने दिल्ली सरकार को घेरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

बजट पेश करने के बहाने दिल्ली सरकार आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का प्रस्ताव पेश कर यह दिखा दिया कि वे भाजपा की बी पार्टी है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जय किशन ने एक बयान में कहा कि सीएए और एनआरसी के खिलाफ पिछले साल प्रस्ताव पास नहीं कर इस साल आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का प्रस्ताव पेश कर केजरीवाल सरकार भाजपा के बी पार्टी के रुप में सामने आई है। दिल्ली सरकार का कोरोना के मद्देनजर सिर्फ आश्वासन देना और जमीन पर उसका एक चौथाई काम भी नहीं होना यह बताता है कि वह भाजपा सरकार के पीछे-पीछे चल रही है।

सीवर टैंक की मरम्मत के दौरान व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

दक्षिण पूर्वी दिल्ली में जल बोर्ड के कार्यालय में सीवर टैंकर की मरम्मत के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से 40 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा शख्स बेहोश हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सुरेश के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्ति सीवर के अंदर पड़े मिले। उन्होंने सुरक्षा संबंधी उपकरण नहीं पहने हुए थे। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि पुलिस को सुबह करीब सवा 11 बजे जल बोर्ड के दफ्तर से घटना की सूचना मिली।

आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति के लिए कर्फ्यू पास होंगे जारी

जनसत्ता संवाददाता
ग्रेटर नोएडा, 25 मार्च।

21 दिनों की पूर्ण बंदी के दौरान आवश्यक सेवाओं के संचालन में किसी तरह की कोई दिक्कत न हो इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। आवश्यक सेवाओं के संचालन के लिए कर्फ्यू पास जारी किए जाएंगे। इसके लिए तीनों प्राधिकरणों के अधिकारियों, सीडीओ व पुलिस उपायुक्त को अधिकृत किया गया है। प्रशासन की तरफ से जारी किए गए पास को दिखाकर खाद्य पदार्थ, फल, दूध, सब्जी आदि की आपूर्ति करने वाले लोग सोसायटी व आवासीय सेक्टरों में जा सकेंगे। पास का दुरुपयोग करने पर कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी बीएन सिंह ने बताया कि पूर्ण बंदी की अवधि 14 अप्रैल तक है। इस दौरान आवश्यक सेवाओं के संचालन में किसी तरह की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति करने वाले लोगों को पास जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए अलग-अलग अधिकारियों को अधिकृत कर दिया गया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के क्षेत्र अंतर्गत आवश्यक सेवाओं के संचालन के लिए नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ प्रवीण मिश्रा, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ दीप चंद्र एवं यीडा के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया को पास जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के क्षेत्र में आवश्यक सेवाओं के संचालन के लिए सिटी मजिस्ट्रेट/एसडीएम के स्तर से पास जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा आवश्यक सेवाओं से संबंधित गैर सरकारी कार्यालयों को जिला प्रशासन द्वारा निर्धारत प्रारूप पर उपलब्ध कराए गए आई कार्ड एवं वाहन पास स्वयं उनके द्वारा प्राधिकृत किए गए अधिकारी पास निर्गत करने के लिए अधिकृत होंगे। आवश्यक सेवाओं से संबंधित कंपनियों को जारी किए गए पास की सूची जिला मजिस्ट्रेट कैम्प कार्यालय सेक्टर-27 नोएडा के ईमेल आईडी पर एवं संबंधित पुलसि उपायुक्त को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना होगा।

24 घंटे खुले रहेंगे अस्पताल व मेडिकल स्टोर

पूर्ण बंदी के दौरान अस्पताल व उसके निकट स्थित मेडिकल स्टोर पहले की तरह 24 घंटे खुले रहेंगे। जिला प्रशासन ने इस संबंधित आदेश जारी कर दिया है। वहीं फल, सब्जी, किराना, फार्मा, मेडिकल एवं अन्य आवश्यक सामानों की बिक्री तथा होम डिलीवरी करने वाले प्रतिष्ठान सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक खोले जाएंगे, जिससे कि लोगों को दिक्कत न हों। इससे भीड़ भी इकट्ठा नहीं होगी।

संपत्ति कर केवल ऑनलाइन माध्यम से होगा जमा

नई दिल्ली, 25 मार्च। कोरोना विषाणु से बचाव के लिए की गई पूर्ण बंदी के कारण आम माफी योजना को 15 अप्रैल 2020 तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस दौरान संपत्तिकरदाता ऑनलाइन सिस्टम के माध्यम से बकाया संपत्तिकर अदा कर सकते हैं। दक्षिणी निगम ने इस आम माफी योजना के तहत हर प्रकार की कॉलोनियों में सभी संपत्तियों के लिए देय संपत्तिकर के भुगतान पर ब्याज, जुर्माने व अन्य शुल्क की शत-प्रतिशत राशि माफ की जाती है। इस वर्ष से अनधिकृत कॉलोनियों की रिहायशी संपत्तिकर धारकों को वतर्मान वित्तीय वर्ष का ही संपत्तिकर अदा करना है और उनका पिछला बकाया टैक्स माफ हो जाएगा। व्यावसायिक संपत्ति करदाताओं को पिछले तीन वित्तीय वर्षों का बकाया टैक्स जमा कराना होगा। (जसं)

पृथक घरों से कूड़ा उठाने के लिए विशेष इंतजाम

नई दिल्ली, 25 मार्च। दक्षिणी निगम ने पृथक किए गए लोगों के घरों से कूड़ा उठाने की विशेष व्यवस्था की है। आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोरोना महामारी के विरुद्ध लड़ाई में दक्षिणी निगम के प्रत्येक जोन में ऐसे घरों से कूड़ा उठाने के लिए एक-एक ऑटो टिप्पर अलग से लगाया है। आटो टिप्पर पर तैनात स्टाफ को पीपीआई किट दी जाएगी। आयुक्त के मुताबिक दक्षिणी निगम ने दिल्ली सरकार से पृथक किए गए लोगों के घरों की सूची प्राप्त कर ली है और यह संपूर्ण जानकारी संबंधित अधिकारियों को भी उपलब्ध करा दी गई है ताकि वे कूड़ा उठाने के लिए संपूर्ण व्यवस्था कर सकें। ऑटो टिप्पर से कूड़ा उठाने के बाद उसे ओखला में स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में उचित निष्पादन के लिए भेज दिया जाएगा। (जसं)

दुकानों पर सामान की खरीदारी के लिए लगी भीड़

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना विषाणु के संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 21 दिनों की पूर्ण बंदी की घोषणा किए जाने के बाद मंगलवार देर रात को ही दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में जरूरत के सामान के लिए लोगों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति देखी गई। राशन की दुकानों तथा स्टोरों पर लोगों की भीड़ लग गई।

दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद में तो घरेलू सामान के लिए रात भर खुलने वाली कई दुकानें भी एक बजे तक बंद कर दिया गया। लोग दुकानदारों से छोटी-छोटी

सामान देने के लिए मिन्नतें करते रहे। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और संबंधित एजंसियों की अपील के बावजूद लोगों के बीच यह संदेश चला गया कि अब 21 दिनों तक कुछ नहीं मिलेगा अलबत्ता जितना सामान जमा किया जा सकता है वह मंगलवार रात तक कर लिया जाए। बुधवार सुबह को भी दूध और सब्जियों के लिए कई इलाके में लाइन लगकर लोग अपना झोला भरकर घर ले गए। किसी भी दुकान में ग्राहक तय कीमत से ज्यादा पैसे लेने का विरोध नहीं किया।

देश में 21 दिनों की पूर्ण बंदी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के बाद देश के कई हिस्सों की तरह दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में भी जरूरी वस्तुओं की खरीद के लिए अफरा-तफरी पैदा हो गई। इसके चलते दुकानदानों ने खूब मुनाफाखोरी की गई।

अधिक दाम वसूली व मूल्य प्रदर्शित न किए जाने पर जुर्माना

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 25 मार्च।

शहर में पूर्ण बंदी के साथ ही जमाखोरी व अधिक दाम वसूलने का खेल शुरू हो गया है। शहर के सेक्टरों व गांव की गलियों में खुली दुकानों पर सामान अधिक्तम खुदरा मूल्य से ज्यादा पर मिल रहा है। यही हाल सब्जी व फलों का है। ऐसे में जिला प्रशासन ने सेक्टर-27 स्थित कैंप कार्यालय में इंटीग्रेटड कंट्रोल रूम की शुरूआत की है। इसमें लोगों की सभी तरह की समस्याओं को सुना जाएगा ताकि कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोका जा सके। कंट्रोल रूम 24 घंटे काम करेगा। इसमें तैनाती पाली के आधार पर लगाई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि इंटीग्रेटड कंट्रोल रूम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जिला प्रशासन, आपूर्ति एवं मंडी विभाग के अधिकारियों की तैनाती है। 0120-2544700 व 9871428532 पर फोन कर सकते है।

पुलिस एसीपी रजनीश वर्मा ने बुधवार को अपने इलाके में आने वाले थाना क्षेत्र सेक्टर-24 और सेक्टर-58 में पड़ने वाले सेक्टर और गांव का भ्रमण किया और हूटर बजाकर लोगों को घरों में रहने की चेतवानी दी

निर्धारित से अधिक दाम वसूलने पर लगाया जुर्माना

जमाखोरी एवं अप्रत्याशित मूल्यवृद्धि की जांच हेतु गठित टीम के सदस्यों द्वारा की गई कार्यवाही में विगत दिवस सेक्टर-45 में इन आरआई रेसीडेंसी के एसबीके वैल्यू बाजार के विरुद्ध आवश्यक वस्तुओं में मूल्य वृद्धि किए जाने के कारण खाद्य विभाग द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गई। साथ ही बांट माप निरीक्षक द्वारा मूल्य प्रदर्शित ना किए जाने के कारण 25 हजार रुपए का चालान भी आरोपित किया गया। यह जानकारी जिला खाद्य विपणन अधिकारी के द्वारा दी गई। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगे भी जनपद में जारी रहेगा। यदि कहीं पर भी जमाखोरी या अधिक दाम वसूली की जाएगी तो उनके विरुद्ध भी इसी प्रकार की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वहीं पुलिस एसीपी रजनीश वर्मा ने बुधवार को अपने इलाके में आने वाले थाना क्षेत्र सेक्टर-24 और सेक्टर-58 में पड़ने वाले सेक्टर और गांव का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने हूटर बजाकर लोगों को घरों में रहने की चेतवानी दी।

साथ ही उन्होंने कहा कि दुकानदार लोगों की भीड़ जमा न करें और न ही लोग दुकान पर भीड़ लगाएं। यदि भीड़ लगाई जाती है, तो उनके खिलाफ वैद्यानिक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के उन गांव एवं सेक्टर के उन स्थानों का दौरान किया। जहां पर भीड़ अधिक एकत्र होती थी।

युवक से लूटपाट कर रहे दो बदमाश गिरफ्तार, एक फरार

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 25 मार्च।

सेक्टर-38ए कब्रिस्तान के पास बुधवार को दिनदहाड़े बदमाशो ने युवक के सिर पर हेलमेट और पत्थर मारकर उससे लूटपाट की। तभी वहां से गुजर रही पुलिस टीम की नजर आरोपियों पर पड़ी। पुलिस ने घेराबंदी कर दो बदमाशों को दबोच लिया। लेकिन एक बदमाश मौके से भाग गया। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

एसीपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मूलरूप से कन्नौज निवासी अशोक कुमार शहर के थाना फेस थ्री इलाके में रहते हैं। वे एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। वे बुधवार दोपहर सेक्टर-38ए कब्रिस्तान के पास से गुजर रहे थे। तभी तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने उनके सिर पर हेलमेट और पत्थर मारकर उससे लूटपाट की। वहां से गुजर रही पुलिस टीम को देखकर पीड़ित ने शोर मचा दिया। जिसके बाद पुलिस को देखकर बदमाश भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दो बदमाशों को सेक्टर-38ए कब्रिस्तान के पास से गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक बदमाश मौके से भाग निकला। आरोपियों के कब्जे से लूट का मोबाइल फोन, एक पर्स, एक एटीएम कैनरा बैक, एक आधार कार्ड व नगद 1500 रुपए बरामद हुए हैं। आरोपियों ने पूछताछ करने पर बताया वे एक गिरोह बनाकर सुनसान स्थान पर लूट की घटना करते है और लूट के पैसे को आपस मे बराबर -बराबर बांट लेते है। आरोपियों कि पहचान नरेश निवासी जेजे कालोनी, सेक्टर 17 और संदीप निवासी इन्द्रा मार्किट ग्राम अट्टा के रूप में हुई है।

सरकारी आदेश की उड़ती दिखी धज्जियां, अर्द्धसैनिक बलों की भी तैनाती

अमलेश राजू
नई दिल्ली, 25 मार्च।

कोरोना विषाणु के मद्देनजर प्रधानमंत्री का 21 दिनों तक पूर्ण बंदी और राजधानी में धारा 144 लगाने के बाद भी कुछ लोग इसका पालन नहीं कर रहे। एक तरफ दिल्ली पुलिस मामला दर्ज करने, हिरासत में लेने और गाड़ियां जब्त कर शिकंजा कस रही है। वहीं, दूसरी तरफ लोग वैकल्पिक मार्गों से घरों से छिप-छिपाकर निकलना जारी रखा है। बुधवार सुबह से शाम तक उंची इमारतों के छतों और ड्रोन से निगरानी के बाद कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए तुरंत मामला दर्ज करने, दस हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेन और सड़क पर घूम रही सैकड़ों गाड़ियां को जब्त करने का अभियान चालू कर दिया गया है।

दंगा प्रभावित उत्तर-पूर्वी जिले के संवेदनशील इलाके में रैपिड एक्शन फोर्स भी तैनात किए गए हैं। ट्रैफिक पुलिस, पीसीआर और अद्धसैनिक बल के जवान संयुक्त रुप से उदघोषणा कर लोगों से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील कर रहे है।

जिस तरह लोग सरकारी आदेश का धज्जियां उड़ा रहे हैं, उससे संक्रमण फैलने का खतरा और ज्यादा बढ़ रहा है। बिना वजह लोगों को घरों से नहीं निकलने के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की अपील का असर भी तब पूरी तरह से धराशाही होते दिखा जब सोमवार को धारा 144 के बाबजूद लोगों ने अपने मन मुताबिक कार्य करना जारी रखा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगा प्रभावित इलाके सीलमपुर, शाहदरा, मौजपुर, भजनपुरा, करावलनगर, ज्योतिनगर आदि आसपास के इलाके में बुधवार सुबह से अर्द्धसैनिक बलों ने मोर्चा संभाल रखा है। रैपिड एक्शन फोर्स और अन्य अर्द्धसैनिक बलों के मुस्तैद जवान बिना पहचान पत्र और जरूरतमंद होने के कर्फ्यू पास के किसी को बाहर निकलने नहीं दे रहे।

बुधवार को सीएए और एनआरसी के खिलाफ लगातार सौ दिनों से चले आ रहे धरना प्रदर्शन को भी मंगलवार को समाप्त कराने के बाद बुधवार को यहां के शाहीनबाग, ओखला, आली गांव, निजामुद्दीन में भी पुलिस के साथ सुरक्षा बल के जवान सड़कों पर तैनात दिखे। बिना वजह घर से बाहर निकले लोगों को वापस भेजा जा रहा है। बावजूद इसके जो लोग पूर्ण बंदी का उल्लंघन कर घूमते पाए जा रहे हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पीसीआर के उपायुक्त शरत कुमार सिंहा ने बताया कि पीसीआर की सभी 15 जोनों में स्थित सभी मोबाइल पेट्रोल वेन दिल्ली के गली मुहल्ले से लेकर मुख्य सड़कों पर तैनात किए गए हैं। जो लोग कानून हाथ में ले रहे हैं उनके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जा रही है। अस्पताल जाने वालों के लिए पीसीआर की गाड़ियां मुस्तैद ही और आम लोग बिना संकोच के जरूरत पड़ने पर पीसीआर को बता सकते हैं।

अपराध के मामले		बुधवार		मंगलवार
धारा 144 का उल्लंघन	—	183	—	299
भारतीय दंड संहिता धारा 66 के तहत जब्त गाड़िया	—	956	—	1018
भारतीय दंड संहिता धारा 65 के तहत हिरासत	—	5103	—	5146
जारी किए गए कर्फ्यू पास	—	6141	—	2319

www.readwhere.com

पूर्ण बंदी के दौरान बुधवार को जबलपुर में वीरान सड़क

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सामाजिक दूरी बनाना अहम : भागवत

नागपुर, 25 मार्च (भाषा)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सामाजिक दूरी को महत्त्वपूर्ण बताते हुए स्वयंसेवकों से इस वैश्विक महामारी से लड़ने का संकल्प लेने और सामाजिक अनुशासन का पालन करके मिसाल कायम करने को कहा।

भागवत ने आरएसएस की वेबसाइट पर बुधवार को लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से स्वयंसेवकों को वर्ष प्रतिपदा यानी हिंदू नववर्ष के आरंभ के अवसर पर संबोधित किया। भागवत ने कहा कि इस नववर्ष में पूरी दुनिया एक वैश्विक संकट से जूझ रही है। भारत भी अन्य देशों के साथ मिलकर इस वैश्विक समस्या से लड़ रहा है। इसलिए यह स्वयंसेवकों के लिए एक संकल्प लेने का दिन है। कोरोना वायरस से लड़ने और उसे हराने के लिए देशभर में प्रयास किए जा रहे हैं। हमें हमारी सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर इस दिशा में काम करते हुए इस लड़ाई को जीतने का संकल्प लेने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि इस लड़ाई में समाज द्वारा नियमों का पालन अहम बात है। इसके अलावा दवाइयां और अन्य चीजें भी मददगार होंगी। लेकिन इस लड़ाई में मूलभूत बात सामाजिक दूरी है और इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि समाज इस सामाजिक जिम्मेदारी को किस प्रकार निभाता है।

भागवत ने कहा कि संघ ने स्वयंसेवकों को सामाजिक अनुशासन का पालन करना हमेशा सिखाया है और हमारे द्वारा इसका पालन करने से समाज पर भी इसका असर होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस वैश्विक संकट के खिलाफ जंग में स्वयंसेवक देश के सामने मिसाल कायम करेंगे। हम आगामी 21 दिन के लिए घोषित लॉकडाउन के बाद संघ के काम जारी रख सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपने घरों या इमारतों में पांच से सात लोगों के छोटे समूहों में प्रार्थना करने को कहा। उन्होंने कहा कि हम हमारे परिवार के सदस्यों के साथ प्रार्थना कर सकते हैं।

भागवत ने कहा कि सरकार्यवाह स्वयंसेवकों को सरकार की ओर से तैयार नीति के अनुसार समय-समय पर जरूरी निर्देश देंगे। उन्होंने कहा- हमें सरकार की ओर से बनाए गए नियमों का पालन करने की जरूरत है। स्वयंसेवक सरकार के साथ सहयोग करने, सामाजिक जागरूकता पैदा करने और सरकार की अनुमति से राहत सामग्री मुहैया कराने जैसी उन्हें दी गई जिम्मेदारियां पहले ही निभा रहे हैं।

कजाखस्तान में फंसे 300 छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें : अदालत

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह कजाखस्तान के अल्माटी हवाईअड्डे पर फंसे करीब 300 छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। ये छात्र पिछले दो-तीन दिन से बिना भोजन और चिकित्सीय सहायता के फंसे हैं।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति तलवंत सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए मामले की सुनवाई करते हुए अधिकारियों से जल्द से जल्द छात्रों को बुनियादी सुविधाएं और भोजन, चिकित्सीय देखभाल, ठहरने और परिवहन के संबंध में मानवीय सहायता उपलब्ध कराने को कहा।

यह सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए हुई। दो न्यायाधीश अपने घर से ऑनलाइन थे जबकि वकील फौजिया रहमान और केंद्र सरकार के स्थायी वकील जसमीत सिंह अपने कार्यालय से मौजूद थे। सिंह विदेश मंत्रालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

रहमान ने वकील को बताया कि 300 भारतीय छात्र अल्माटी हवाई अड्डे पर बिना भोजन, पानी, संपर्क और चिकित्सीय सहायता के फंसे हैं। ये छात्र एमबीबीएस और अन्य उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए यहां गए हुए थे। यह याचिका सेहल सायरा ने दायर की है। वे हवाईअड्डे पर फंसे छात्रों में से एक की मां हैं।

पीठ ने इस पर विदेश मंत्रालय के जरिए केंद्र को नोटिस जारी किया है और याचिका पर 28 मार्च तक जवाब मांगा है। उसी दिन इस पर सुनवाई होगी।

इंदौर, उज्जैन में पांच लोगों में संक्रमण की पुष्टि

भोपाल/इंदौर 25 मार्च (भाषा)।

मध्य प्रदेश के इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती दो महिलाओं समेत पांच मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की बुधवार को पुष्टि हुई। इनमें से चार इंदौर जबकि एक उज्जैन निवासी है। इसके साथ ही प्रदेश में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है।

इनमें से छह लोग जबलपुर, चार इंदौर और एक-एक भोपाल, शिवपुरी, उज्जैन एवं ग्वालियर निवासी है। सभी की हालत स्थिर है। यह जानकारी मध्य प्रदेश स्वास्थ्य सेवाओं के अधिकारियों से मिली है।

इंदौर एवं उज्जैन में आज पाए गए संक्रमितों में से किसी भी मरीज ने पिछले दिनों विदेश यात्रा नहीं की थी। यानी वे देश के भीतर ही इस घातक बीमारी की जद में आए हैं।

इंदौर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रवीण जड़िया ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आए मरीजों में शामिल 65 वर्षीय महिला पड़ोसी उज्जैन जिले की रहने वाली है। हालांकि, उसका इलाज इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में चल रहा है।

उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए चार अन्य मरीज इंदौर के ही अलग-अलग इलाकों के निवासी हैं। इनमें 50 वर्षीय महिला, 48 वर्षीय पुरुष, 68 वर्षीय पुरुष और 65 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। ये मरीज शहर के दो निजी अस्पतालों में भर्ती हैं।

जडिया ने बताया, 'इन पांचों मरीजों में से किसी ने भी पिछले दिनों विदेश यात्रा नहीं की थी। इनमें शामिल दो पुरुष मरीज आपस में मित्र हैं जो इसी महीने साथ में वैष्णोदेवी की तीर्थ यात्रा पर गए थे और हाल ही में लौटे हैं।' इस बीच, इंदौर के जिलाधिकारी लोकेश कुमार जाटव ने बताया, 'कोरोना वायरस से संक्रमित पांचों मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर है। विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।' गौरतलब है कि कोरोना वायरस संक्रमण रोकने के लिर इंदौर में सोमवार से लॉकडाउन लागू है। जिलाधिकारी ने कहा, 'जिलावासियों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। जिले भर में कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।'

जाटव ने यह भी बताया कि प्रशासन आम जनता को रोजमर्रा की जरूरत का सामान ऑनलाइन माध्यमों से उनके घर में ही उपलब्ध कराने के उपाय कर रहा है। इसके लिए चिन्हित ऑनलाइन स्टोरों, वेंडरों और विक्रेताओं की जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

महाराष्ट्र में कोरोना को लेकर अफवाह फैलाने वाले पर मामला दर्ज

ठाणे, 25 मार्च (भाषा)।

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कोविड-19 से पीड़ित होने का झूठा दावा करने वाले एक 40 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

कासरवडवली पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक किशोर खैरनार ने बताया कि ठाणे के निवासी एक व्यक्ति के खिलाफ मंगलवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 505 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। उक्त व्यक्ति ने एक वाट्सऐप ग्रुप में कथित तौर पर संदेश भेजा था कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित है और जब तक उसकी हालत नहीं बिगड़ती वह अस्पताल नहीं जाना चाहता। पुलिस को जब इसकी सूचना दी गई तब चिकित्सकों का एक दल व्यक्ति के घर पर पहुंचा। दल को पता चला कि उक्त व्यक्ति झूठ बोल रहा था।

गुजरात में काम करने वाले प्रवासी मजदूर पैदल ही लौट रहे राजस्थान

अमदाबाद, 25 मार्च (भाषा)।

कोरोना विषाणु फैलने के खतरे को देखते हुए 21 दिन के देशव्यापी बंदी के बीच गुजरात में काम करने वाले राजस्थान के हजारों प्रवासी मजदूर परिवहन सेवा उपलब्ध न होने के कारण पैदल ही अपने घर को लौट रहे हैं। गुजरात पुलिस उन्हें समझाने का प्रयास कर रही है कि वे यात्रा न करें। अमदाबाद के एक कांग्रेस नेता ने राजस्थान सरकार से अनुरोध किया है कि गुजरात-राजस्थान सीमा के पास स्थित अरवल्ली जिले के शामलजी उपनगर में ऐसे मजदूरों के पहुंचने पर उनके लिए परिवहन का इंतजाम किया जाए।

राजस्थान के डूंगरपुर जिले के निवासी और अमदाबाद में काम करने वाले राधेश्याम पटेल ने कहा कि बिना किसी कमाई के यहां रहने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम लोग यहां चाय की दुकानों या खानपान की रेहड़ी पर काम करते हैं। चूंकि सब कुछ बंद है इसलिए हमारे मालिकों ने हमसे कह दिया है कि हालात ठीक हो जाएं तब आना क्योंकि उनके पास हमें देने के लिए पैसे नहीं हैं। बस और अन्य माध्यम उपलब्ध नहीं हैं इसलिए हमने पैदल ही घर जाने का निश्चय किया है।' पटेल उस 50 सदस्यीय समूह का हिस्सा हैं जिसने मंगलवार की रात पैदल यात्रा शुरू की थी।

-केवल अमदाबाद से पचास हजार से अधिक मजदूर पैदल ही राजस्थान स्थित अपने घर की ओर रवाना हो चुके हैं

राजस्थान के उदयपुर जिले के रहने वाले मांगी लाल ने कहा, 'मुझे विषाणु के खतरे के बारे में पता है लेकिन हम असहाय हैं। बिना कमाई के हम तीन हफ्ते तक कैसे जिंदा रहेंगे? हमारे पास मकान मालिक को देने के लिए पैसे नहीं हैं। इससे अच्छा है कि हम अपने घर चले जाएं।' गांधीनगर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक मयंक सिंह चावड़ा ने कहा कि पुलिस मजदूरों को मानवीयता के नाते खाने के पैकेट और पानी उपलब्ध करवा रही है।

उन्होंने कहा, 'हम इन प्रवासी मजदूरों को राजस्थान वापस जाने से रोकने का भरसक प्रयत्न कर रहे हैं। इनके जाने से लॉकडाउन का उद्देश्य सफल नहीं होगा।' गुजरात प्रवासी मजदूर कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक पंजाबी ने दावा किया कि केवल अमदाबाद से पचास हजार से अधिक मजदूर पैदल ही राजस्थान स्थित अपने घर की ओर रवाना हो चुके हैं।

तमिलनाडु में कक्षा एक से नौ तक के छात्रों को अगली कक्षा में भेजा जाएगा : मुख्यमंत्री

चेन्नई, 25 मार्च (भाषा)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी ने बुधवार को यहां कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए राज्य में स्कूल बंद हैं, जिस पर विचार करते हुए कक्षा एक से नौ तक के विद्यार्थियों को अगली कक्षा में भेजने का फैसला लिया गया है।

पलानीस्वामी ने कहा कि स्कूल बंद होने के कारण परीक्षाएं नहीं दे सके छात्रों के कल्याण के मद्देनजर उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग को आदेश दिया है कि वह पहली से नौवीं कक्षा के छात्रों को अगली कक्षा में भेजने की घोषणा करे।

मध्य प्रदेश में नया मामला, संक्रमित लोगों की संख्या 15 हुई

भोपाल, 25 मार्च (भाषा)।

भोपाल में बुधवार दोपहर कोरोना वायरस से एक और व्यक्ति के संक्रमित होने की पुष्टि होने के साथ ही मध्य प्रदेश में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 15 हो गई है।

भोपाल के मुख्य स्वास्थ्य व चिकित्सा अधिकारी सुधीर डेहरिया ने बताया कि भोपाल में कोरोना वायरस का नया मरीज 26 वर्षीय महिला के पिता हैं, जो 18 मार्च को लंदन से भोपाल वापस लौटी थीं और शहर में कोरोना वायरस संक्रमण की पहली मरीज हैं। महिला और उसके पिता के अलावा इनके परिवार के अन्य सदस्यों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। इसके साथ ही भोपाल में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या दो हो गई है और दोनो एक ही परिवार के हैं।

इससे पहले बुधवार को इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती दो महिलाओं समेत पांच मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई। इनमें से चार इंदौर के रहने वाले हैं, जबकि एक उज्जैन की है। प्रदेश में वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इनमें से छह लोग जबलपुर, चार इंदौर, दो भोपाल, और एक-एक शिवपुरी, उज्जैन व ग्वालियर के निवासी हैं। सभी की हालत स्थिर है। इंदौर और उज्जैन में कोरोना संक्रमण के मरीज सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने दोनों शहरों में कर्फ्यू लगा दिया है।

इंदौर के मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण जड़िया ने बुधवार को बताया, 'शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती दो महिलाओं समेत पांच मरीजों (चार इंदौर के और एक उज्जैन के) में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें से किसी भी मरीज ने पिछले दिनों विदेश यात्रा नहीं की थी। यानी वे देश के भीतर ही इस घातक बीमारी की जद में आए हैं।' उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आए मरीजों में शामिल 65 वर्षीय महिला पड़ोसी उज्जैन जिले की रहने वाली हैं, लेकिन उनका इलाज इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में चल रहा है।

जड़िया ने बताया, 'कोरोना वायरस पॉजीटिव पाए गए चार अन्य मरीज इंदौर के ही अलग-अलग इलाकों में रहते हैं। इनमें 50 वर्षीय महिला, 48 वर्षीय पुरुष, 68 वर्षीय पुरुष और 65 वर्षीय पुरुष हैं। ये मरीज शहर के दो निजी अस्पतालों में भर्ती हैं।' मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि इन पांचों मरीजों में से किसी ने भी पिछले दिनों विदेश यात्रा नहीं की थी। इनमें शामिल दो पुरुष मरीज आपस में मित्र हैं जो इसी महीने साथ में वैष्णोदेवी की तीर्थ यात्रा पर गए थे और हाल ही में लौटे हैं। अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की पुष्टि वाले सात जिलों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, उज्जैन और छतरपुर जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है। छतरपुर जिले में कोरोना वायरस संक्रमण का कोई मरीज नहीं मिला है लेकिन ग्वालियर के कोरोना वायरस संक्रमित मरीज ने खजुराहो (छतरपुर): की यात्रा की थी। इसलिए छतरपुर जिले के राजनगर और खजुराहो में कर्फ्यू लगाया गया है।

मुंबई में चार लाख मास्क जब्त

मुंबई, 25 मार्च (भाषा)।

मुंबई पुलिस ने एक गोदाम में छापेमारी कर चार लाख मास्क जब्त किए हैं, जिनका मूल्य एक करोड़ रुपए बताया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि छापेमारी उपनगरीय मुंबई में शाह वेयरहाउसिंग एंड ट्रांसपोर्ट गोडाउन में की गई। उन्होंने कहा कि विले पार्ले पुलिस को मंगलवार रात एक गोदाम में बड़ी संख्या में मास्क रखे होने की सूचना मिली थी। पुलिस गोदाम पहुंची तो उसे मास्क के 200 डिब्बे मिले, जिनकी कीमत एक करोड़ रुपए है।

Indiabulls
INTEGRATED SERVICES

इंडियाबुल्स इंटिग्रेटेड सर्विसेज़ लिमिटेड
(विगत रूप से सोरिल होल्डिंग्स एन्ड वेन्चर्स लिमिटेड)
(CIN: L51101HR2007PLC077999)
पंजीकृत कार्यालय : प्लॉट नं. 448-451, उद्योग विहार, फेज़-V, गुरुग्राम-122016, हरियाणा
फोन: 0124 6681199 फैक्स: 0124 6681111 ई-मेल: helpdesk@indiabulls.com
वेबसाईट: www.indiabullsintegratedservices.com

सूचना
कंपनी के इक्विटी शेअरधारकों के ध्यान के लिए
कंपनी के इक्विटी शेअरों का निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में स्थानांतरण

निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधी प्राधिकरण (लेखा, लेखापरीक्षा, स्थानांतरण और धनवापसी) संशोधन नियम 2016 ('नियम') जिसे भारत सरकार कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के द्वारा जारी विभिन्न अधिसूचनाओं के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार यह नोटिस जारी किया गया है।

कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) के नियम और धारा 124(6) के अनुसार सात वर्षों से या उसके अधिक, भुगतान न किए गये या दावा न किए गये लाभांश के संबंध में सभी शेयर, निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। नियमों के अनुसार निर्धारित विभिन्न आवश्यकताओं का पालन करते हुए, कंपनी संबंधित शेयरधारकों को व्यक्तिगत रूप से यह सूचित कर रही है, कि जिनके शेयर आईईपीएफ सन्देही खाते में हस्तांतरित होने है, वह किस प्रकार, भुगतान न किए गये या दावा न किए गये वित्तिय वर्ष 2012-13 के अंतरिम लाभांश के लिए, 30 अप्रैल, 2020 या उससे पहले दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

सभी भुगतान न किए गये या दावा न किए गये लाभांश का वार्षिक विवरण और शेयरधारको का संपूर्ण विवरण, जैसे कि उनके फोलियो नं. या डीपी आइडी / ग्राहक आइडी, जिनके शेयर आईईपीएफ में हस्तांतरित होने के लिए उत्तरदायी है, यह सभी जानकारी कंपनी की वेबसाईट www.indiabullsintegratedservices.com पर उपलब्ध है।

सभी शेयरधारक इस बात पे ध्यान दें कि भौतिक रूप में और विमुद्रीकृत रूप में रखे गए शेयरों को आईईपीएफ में स्थानांतरित किया जाना है। हालांकि, इन शेयरो को अर्जित लाभ के साथ, यदि हो, नियमों में उल्लिखित प्रक्रिया द्वारा आईईपीएफ से प्राप्त किया जा सकता हैं।

शेयरधारक इस बात पे ध्यान दें कि नियमो के अनुसार, कंपनी आईईपीएफ में स्थानांतरित करने के उद्देश्य से मूल शेयर सर्टिफिकेट के बदले में डुप्लिकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करेगी, जिससे मूल शेयर सर्टिफिकेट स्वचालित रूप रद्द हो जाएंगे।

यदि 30 अप्रैल, 2020 तक भौतिक या विमुद्रीकृत रूप में शेयर रखने वाले संबंधित शेयरधारको से कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो नियमों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन शेयरों की आईईपीएफ में स्थानांतरित करने के लिए कंपनी उचित कारवाही शुरू करेगी।

इस संबंध में यदि कोई शेयरधारक को पूछताछ करनी हो तो कृपया कंपनी के रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रान्सफर एजंट, केफीन टेक्नोलॉजीज प्राईवेट लिमिटेड (युनिट : इंडियाबुल्स इंटिग्रेटेड सर्विसेज़ लिमिटेड), श्रीमती सी. शोभा आनंद, सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट नं. 31-32, गाचिबोली वित्तीय जिला, नानकरामगुडा, हैदराबाद - 500032 फोन : (91 -40) 6716 2222; टोल फ्री 1800-345-4001, फैक्स नं.: (91-40) 230 01153; ई-मेल : einward.ris@kfintech.com पर संपर्क करें।

बोर्ड की आज्ञानुसार
कृते **इंडियाबुल्स इंटिग्रेटेड सर्विसेज़ लिमिटेड**
सही/-
प्रिया जैन
कंपनी सचिव

स्थान : गुरुग्राम
दिनांक : मार्च 24, 2020

CORRIGENDUM TO THE DETAILED PUBLIC STATEMENT PUBLISHED ONDECEMBER 11, 2019 FOR THE ATTENTION OF THE EQUITY SHAREHOLDERSOF

SDC TECHMEDIA LIMITED

[Formerly known as Onesource Techmedia Limited]

Registered Office: 33/1, Wallajah Road, Chepauk Chennai- 600002, Tamil Nadu, India. **Tel:**+91-44- 2854 5757; **Email:**info@sdctech.in; **Website:**www.sdctech.in; **CORPORATE INDENTIFICATION NUMBER:** L72900TN2008PLC067982

This Advertisement is being issued by, Saffron Capital Advisors Private Limited (**"Manager to the Offer"**), on behalf of, Mr. Jose Charles Martin (**"Acquirer"**), pursuant to Regulation 18 (7) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations,2011 and subsequent amendments thereto, (**"Takeover Regulations"**) in respect of the open offer (**"Offer"**) for acquisition of up to 16,90,000 (Sixteen Lacs Ninety Thousand Only) fully paid-up Equity Shares of face value of Rs.10 each (**"Equity Shares"**), representing 26.03% of the Total Voting Share Capital of **SDC Techmedia Limited** ***[Formerly Known as Onesource Techmedia Limited]*** (**"Target Company"**) on a fully diluted basis, as of the tenth working day from the date of closure of the tendering period of the open offer (**"Total Voting Share Capital"**), from the eligible shareholders of the Target Company for cash at a price of Rs. 14/- per Equity Share. The Detailed Public Statement (**'DPS'**) with respect to the aforementioned Offer was published on December 11, 2019 in all the editions of Financial Express (English National Daily), Jansatta (Hindi National Daily), Mumbai Lakashadeep (Marathi Daily) and Makkal Kural (Regional Daily where the Registered Office of the Target Company is situated).

This Corrigendum is being issued pursuant to changes/amendments advised by SEBI vide its letter number SEBI/HO/CFD/DCR2/OW/P/2020/9061/1 dated March 12, 2020. Capitalizedterms used in this Corrigendum but not defined herein shall have the same meaning as assigned to them in the DPS. This Corrigendum is being issued in all the newspapers in which the original DPS was published.

The shareholders of the Target Company are requested to kindly note the following information related to the Offer:

A)The revised schedule of activities pertaining to the Offer is set forth below:

Activity	Day and Date (Original)	Day and Date (Revised)
Public Announcement (PA)	Friday, December 06, 2019	December 06, 2019
Publication of DPS in the newspapers	Friday, December 13, 2019	Tuesday, December 11, 2019
Filing of the draft letter of offer with SEBI	Friday, December 20, 2019	Wednesday, December 18, 2019
Last date for a competitive bid	Monday, January 06, 2020	Thursday, January 02, 2020
Last date for SEBI observations on draft letter of offer (in the event SEBI has not sought clarifications or additional information from the Manager to the Offer)	Monday, January 13, 2020	Thursday, March 12, 2020
Identified Date*	Wednesday, January 15, 2020	Monday, March 16, 2020
Letter of Offer to be dispatched to shareholders	Wednesday, January 22, 2020	Monday, March 23, 2020
Last date for revising the Offer price/ number of shares	Tuesday, January 28, 2020	Monday, March 30, 2020
Last Date by which the committee of the independent directors of the Target Company shall give its recommendation	Monday, January 27, 2020	Friday, March 27, 2020
Date of publication of Offer Opening Public Announcement	Tuesday, January 28, 2020	Monday, March 30, 2020
Date of commencement of Tendering Period **(Offer Opening Date)**	Wednesday, January 29, 2020	Tuesday, March 31, 2020
Date of Expiry of Tendering Period **(Offer Closing Date)**	Tuesday, February 11, 2020	Friday, April 17, 2020
Last Date for completion of all requirements including payment of consideration	Wednesday, February 26, 2020	Monday, May 04, 2020

** Identified Date is only for the purpose of determining the names of the Shareholders of the Target Company as on such date to whom the Letter of Offer would be sent. It is clarified that all the shareholders holding Equity Shares of the Target Company (registered or unregistered) (except the Acquirer and Promoter and Promoter group shareholders of the Target Company) are eligible to participate in this Offer any time before the closure of this Offer.*

OTHER INFORMATION

1. References to various dates as mentioned in PA/DPS/DLOF should be read as per revised activity schedule as mentioned above.
2. The Open Offer shall continue and shall be completed as per the schedule set out above and updated in the LOF sent to shareholders of the Target Company.
3. All the other terms and conditions remain unchanged
4. The Acquirer accepts full responsibility for the information contained in this Corrigendum and also for the obligations of the Acquirer as laid down in Takeover Regulations.
5. The PA, DPS, Corrigendum and Letter of Offer will also be available on SEBI's website (www.sebi.gov.in) and on the website of Manager to the Offer.

SAFFRON

SAFFRON CAPITAL ADVISORS PRIVATE LIMITED
605, Sixth Floor, Centre Point, J.B. Nagar,
Andheri (East), Mumbai - 400 059;
Tel. No.: +91 22 4082 0914/915
Fax No.: +91 22 4082 0999;
Email id:openoffers@saffronadvisor.com;
Website: www.saffronadvisor.com;
Investor grievance: investorgrievance@saffronadvisor.com;
SEBI Registration Number: INM 000011211
Validity: Permanent; Contact Person: Amit Wagle/ Gaurav Khandelwal

PURVA SHAREGISTRY (INDIA) PRIVATE LIMITED
Unit no. 9, Shiv Shakti Ind. Estate, J. R. Boricha Marg,
Opp. Kasturba Hospital Lane, Lower Parel (E),
Mumbai - 400 011;
Tel. No.: +91 22-2301 2518 / 2301 6761;
Fax No.: NA
E-mail: support@purvashare.com;
Website: www.purvashare.com;
SEBI Registration Number: INR000001112
Validity: Permanent;
Contact Person: Deepali Dhuri

ISSUED BY MANAGER TO THE OFFER ON BEHALF OF THE ACQUIRER

ACQUIRER

Mr. Jose Charles Martin
Address: 135/1, Thiruvalluvar Street, VellakinarPirivu, G.N. Mills Post, Coimbatore - 641029, Tamilnadu, India.
Email: md@mandc.in.

Place: Coimbatore
Date: March 24, 2020

Sd/-
(Signed by Mr. Ashok R Bhat, for and on behalf of the Acquirer, holding Specific Power of Attorney dated November 19, 2019)

www.readwhere.com

जनसत्ता

एहतियाती बंदी

कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने बंदी की अवधि इक्कीस दिन और आगे बढ़ा दी है। पूरी दुनिया में तेजी से पांव पसार रहे इस विषाणु का चक्र तोड़ने के लिए सबसे अहम कदम लोगों का एक-दूसरे से दूर रहना और घरों से बाहर न निकलना माना गया है। पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री ने इस कदम के तहत रविवार को बंदी की अपील की थी, उस दिन लोगों ने उसका पालन किया और सुबह सात बजे से रात के नौ बजे तक अपने घरों में सिमटे रहे। मगर देखा गया कि रात नौ बजे के बाद फिर घरों से बाहर निकल कर सड़कों पर समूह में घूमना-फिरना शुरू कर दिया। इस तरह कोरोना संक्रमण का चक्र तोड़ने का मकसद खटाई में पड़ता दिखा। इसलिए सार्वजनिक परिवहन सेवाओं, हवाई जहाजों, रेलों के संचालन और लोगों के घर से बाहर निकलने पर इकतीस मार्च तक रोक लगा दी गई। मगर कोरोना संक्रमितों की संख्या जैसे-जैसे बढ़नी शुरू हुई, वैसे-वैसे सरकारों की चिंता भी स्वाभाविक रूप से बढ़ने लगी। महाराष्ट्र, पंजाब, हिमाचल जैसे राज्यों ने पूरे राज्य में कर्फ्यू की घोषणा कर दी, ताकि लोग घरों से बाहर न निकलें और संक्रमण का चक्र टूटे। इसका सकारात्मक असर भी दिखा। उन अनुभवों को देखते हुए प्रधानमंत्री ने पूरे देश में अगले इक्कीस दिनों तक यानी पंद्रह अप्रैल तक पूर्णबंदी की घोषणा कर दी।

दरअसल, कोरोना विषाणु हाथों में चिपक कर मुंह और नाक के जरिए मानव शरीर के भीतर प्रवेश करता और फिर फेफड़ों को अपनी जकड़ में ले लेता है। समय पर रोकथाम न हो पाने की वजह से यह जानलेवा भी साबित होता है। सार्वजनिक परिवहन के साधनों, दफ्तरों, सार्वजनिक स्थानों, मॉलों, दुकानों आदि में इसके फैलने का खतरा अधिक रहता है। इसलिए ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही रोक देने से विषाणु का चक्र टूटता है। अभी तक इस विषाणु का कोई कारगर टीका नहीं खोजा जा सका है, इसलिए दुनिया के जिन देशों में इस विषाणु के संक्रमण से सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं, उनके अनुभवों को देखते हुए फिलहाल सबसे कारगर उपाय सामाजिक दूरी बनाए रखना ही माना जा रहा है। ऐसे में समय रहते एहतियाती उपाय के तौर पर प्रधानमंत्री की अपील पर अमल बड़ी रोकथाम साबित होगी।

दुनिया भर में कोरोना के कहर से घबराए बहुत सारे लोग भाग कर अपने घर लौटने लगे। इस तरह उन देशों से हजारों लोग भारत में आ गए, जहां कोरोना का संक्रमण बड़े पैमाने पर फैला हुआ था। वे हवाई जहाजों, रेलों और बसों से सफर करते हुए विभिन्न शहरों, कस्बों और गांवों तक पहुंच चुके हैं। उनमें से कई संदिग्ध पाए गए, तो कई में संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। वे कितने लोगों को संक्रमित कर गए, अभी तक इसकी पहचान नहीं हो पाई है। इसलिए जितने लोग इस विषाणु के संपर्क में आए हैं वे दूसरों तक उसे न फैलाने पाएं इसका यही तरीका है कि जो जहां है उसे वहीं रोक दिया जाए। यह सही है कि बहुत सारे लोग दिहाड़ी मजदूरी या छोटे-मोटे काम करके अपना परिवार पालते हैं, बंदी से उन पर बुरा असर पड़ रहा है, इसलिए कई लोग काम पर निकलने का प्रयास करते देखे गए। पर जीवन की कीमत पर ऐसा करने को उचित नहीं माना जा सकता। इसके लिए सरकारें गुजारा भत्ते आदि का इंतजाम कर रही हैं। इसलिए घरों में बंद रह कर इस विषाणु के चक्र को तोड़ने का दृढ़ संकल्प जरूरी है।

रिहाई और उम्मीद

करीब आठ महीने हिरासत में रहने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को रिहा कर दिया गया। इससे दूसरे नेताओं की रिहाई को लेकर उम्मीद बनी है। इससे पहले फारूक अब्दुल्ला को रिहा कर दिया गया था। स्वाभाविक ही अब पीडीपी नेता और पूर्वमुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को रिहा करने की मांग होने लगी है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के बाद इन नेताओं को नजरबंद कर दिया गया था। पर बाद में इन्हें जनसुरक्षा कानून यानी पीएसए के तहत हिरासत में लेकर उनके आवास से दूर बंद कर दिया गया था। अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटाने का जम्मू-कश्मीर में काफी तीखा विरोध हो रहा था। उसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी के नेता भी शामिल थे। इस तरह इन दलों के नेताओं को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल रहने की छूट देने से घाटी में बदअमनी का अंदेशा था। इसलिए उनमें से बड़े नेताओं को नजरबंद कर दिया गया और बहुत सारे नेताओं को अपने घरों से बाहर निकलने, रैलियों, बैठकों आदि में हिस्सा लेने से रोक दिया गया था। इससे आम लोगों को उकसाने, भड़काने और उग्र प्रदर्शन आदि पर काबू पाया जा सका। उम्मीद की जा रही थी कि अनुच्छेद तीन सौ सत्तर हटने के दो-तीन महीने बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो जाएगी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाल हो सकेगी, मगर अब भी वहां स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है, जिसके चलते सुरक्षा कारणों से सरकार को पाबंदियां बढ़ानी पड़ती रही हैं।

दरअसल, घाटी में सबसे बड़ी चुनौती आतंकवाद को रोकना है। कुछ अलगाववादी और कट्टरपंथी ताकतों का समर्थन पाकर चरमपंथी संगठन वहां अपनी जड़ें जमाए हुए थे। उनके उकसावे या फिर दबाव में आकर स्थानीय लोग भी प्रशासन का अपेक्षित सहयोग नहीं कर रहे थे। बहुत सारे युवा गुमराह होकर आतंकी गतिविधियों में शामिल हो गए थे। वे सब लंबे समय से कश्मीर की आजादी की मांग कर रहे थे। ऐसे में सरकार की तरफ से किसी भी तरह की ढिलाई विस्फोटक साबित हो सकती थी। इसीलिए वहां सुरक्षाबलों की संख्या बढ़ा दी गई और संचार सुविधाओं को रोक कर अशांति फैलने से रोकने का प्रयास किया गया। अब स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है और लोगों का गुस्सा थिर होता दिखने लगा है। वे अब सामान्य जीवन जीने की राह पर लौटना चाहते हैं। ऐसे में धीरे-धीरे राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ बरती जा रही सख्ती और लोगों की संचार जैसी सुविधाओं पर पाबंदी में ढील दी जाने लगी है। यह घाटी में स्थिति सुधरने और लोकतंत्र बहाली की दिशा में उम्मीद भरा संकेत है।

कश्मीर में सबसे बड़ी चुनौती वहां के लोगों में यह विश्वास पैदा करना है कि वे इसी देश के नागरिक हैं और उनके हितों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। अभी तक वे आजादी की भ्रामक मांग के वशीभूत सरकार के प्रति विरोध का भाव अख्तियार किए हुए थे। उनमें जिस दिन यह विश्वास पैदा हो जाएगा कि जम्मू-कश्मीर का मुस्कबिल भारत के भीतर रह कर ही सुरक्षित है, उस दिन से वहां आतंकवाद और पाकिस्तान की बेजा दखल का खात्मा होना शुरू हो जाएगा। घाटी के नेता रिहाई से बाहर निकल कर लोगों में यह विश्वास रोपने में मदद करेंगे, यह भी उम्मीद स्वाभाविक है। जब तक वे ऐसा नहीं करेंगे, तब तक घाटी में जन जीवन सामान्य और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सुचारु होने की उम्मीद धुंधली ही बनी रहेगी।

कल्पमेधा

गलतफहमियों में डूबे रहना, गलतियां करने से भी खतरनाक है।
- बर्नाड शॉ

कृषि नीतियां और विकास

अखिलेश आर्येंदु

केंद्र और राज्य सरकारें कृषि को घाटे वाला क्षेत्र कह कर उसे उबारने की बात तो करती हैं, लेकिन कृषि घाटे में क्यों बनी रहती है? किसानों की माली हालात के लिए जिम्मेदार कौन है? किसानों की दी जाने वाली सुविधाएं क्या किसानों के लिए मुफीद हैं? ऐसे तमाम सवाल हैं, जिन पर गौर करने की जरूरत है।

इस साल रबी की लाखों एकड़ फसल बेमौसम बरसात के कारण बर्बाद हो गई। मार्च महीने में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में घनघोर आंधी-तूफान और ओले पड़े। इससे गेंहू, जौ, सरसों, अलसी, अरहर, मटर, आलू और सब्जियों की लाखों एकड़ जमीन में लहलहाती फसलें जमीन पर लोटने या पानी में डूब कर सड़ने लगीं। उत्तर प्रदेश सरकार ने जिलाधिकारियों को जायजा लेने और उसके मुताबिक किसानों को राहत देने की बात कही है। कुदरत किसानों पर आए दिन कहर ढाती रहती है। केंद्र और राज्य सरकारें तुरंत राहत देकर मरहम लगाने की कोशिश करती हैं। यह एक रिवाज की तरह आजादी के बाद से निभाया जा रहा है। इससे किसानों को फौरी तौर पर कुछ राहत तो मिल जाती है, लेकिन उनकी मूल समस्याएं जस की तस बनी रहती हैं। आजादी के बाद से अब तक केंद्र में कोई ऐसी सरकार नहीं आई, जिसने खेती-किसानी को सबसे कठिन और अनिश्चित धंधे से निकाल कर सरल और निश्चित आय का बनाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया हो। केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों में किसानों को लालीपॉप थमाने के अलावा कोई ठोस नीति या योजना नहीं रही। इसलिए समस्याएं लगातार बढ़ती जाती हैं।

दरअसल, भारत सहित दुनिया के सभी देशों की नीतियां खेती-किसानी के प्रति नकारात्मक रही हैं। मौजूदा विकास का मॉडल सुख-सुविधाओं से संपन्न शहर पर आधारित है। गांवों को विकसित करके उन्हें पूर्ण सक्षम बनाने की योजना, भारतीय कृषि नीति का हिस्सा कभी नहीं रही। गौरतलब है कि आजादी के पहले भारत का किसान गांव छोड़ कर शहरों की ओर पलायन करने की कभी नहीं सोचता था। कुदरत की मार और विदेशी शासन की किसान-विरोधी नीतियों के कारण भी किसान अपना पुस्तैनी गांव और एकमात्र परिवार का सहारा खेती छोड़ने के लिए नहीं सोचता था। ऐसा क्या हो गया कि आजादी के बाद किसान धीरे-धीरे अपना पुस्तैनी काम-धंधा छोड़ कर शहर-कस्बों की ओर रुख करने लगा? शायद केंद्र और राज्य सराकारों ने कभी इस बारे में संजीदगी से सोचा ही नहीं।

विकसित देशों में कृषि वहां की अर्थव्यवस्था का प्रमुख अंग नहीं है, इसलिए वहां कृषि और किसानी उनकी योजनाओं में कोई खास महत्त्व नहीं रखते। इसके बावजूद विकसित देशों के किसानों को वहां की सरकारें जो सुविधाएं, राहत, छूट और मदद देती हैं, उससे वहां का किसान अमन-चैन और सम्मान की जिंदगी जीता है। इसलिए कुदरत का कहर या अन्य समस्याओं की वजह से वहां का किसान आत्महत्या नहीं करता और न ही अनिश्चिय के भंवर में डूबता-उतराता है। पर वैश्विक स्तर पर कृषि की जो नीतियां चल रही हैं, वे किसानों के लिए किसी भी तरह फायदेमंद और राहत देने वाली नहीं हैं।

केंद्र की मौजूदा सरकार दावा कर रही है कि उसकी कृषि नीति पिछली सरकारों से बेहतर और किसानों को खुशहाली देने वाली है। अगर ऐसा है, तो गांव छोड़ कर अच्छी सुख-सुविधाओं और बेहतर आमदनी की आस में शहर आए लोग अपने गांव लौट क्यों नहीं रहे हैं? जबकि पिछले बहत्तर वर्षों में खादान्न उत्पाद बढ़ा है और केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से विविधता लाने के मकसद से फसल की किस्मों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। इससे जहां फसलों में पोषण की मात्रा बढ़ी, वहीं उनमें जलवायु परिवर्तन का सामना करने की सामर्थ्य भी बढ़ जाती है। लेकिन दूसरी ओर, मोनसेंटो जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनी को बुला कर भारतीय कृषि और किसानों को बर्बाद करने के कदम विश्व व्यापार संगठन के समझौते के तहत उठाए गए। मोनसेंटो के बीज परंपरागत बीजों से अधिक पैदावार तो देते हैं, लेकिन वे अगली बार बोने के लिए बेहतर नहीं होते और उससे जमीन के बंजर होने की प्रक्रिया भी शुरू हो जाती है। इससे किसान दोहरी मार का शिकार हुआ। एक तो वह मोनसेंटो के बीज बोकर अपने खेतों की उर्वरा-शक्ति गंवा बैठा, वहीं परंपरागत बीजों के अनुकूल उसकी जमीन नहीं रह गई। इसी दौरान बिजली, पानी, खाद, उत्पाद का उचित दाम न मिलने, बिचौलियों के जरिए ठगे जाने और मंहगाई की मार जैसी समस्याएं किसानों को खेती छोड़ कर शहर की ओर पलायन करने पर मजबूर करती रही हैं।

वैश्विक स्तर पर विकास का मॉडल ही किसानों को खेती छोड़ने पर मजबूर करता है। गौरतलब है कि विकास के वैश्विक मॉडल को ही पिछले बहत्तर सालों से केंद्र सरकारें अपनाई हुई हैं। यह मॉडल किसानों को खेती से बेदखल कर उन्हें शहरों के लिए दिहाड़ी मजदूर बनाने वाला है। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन कहते थे कि देश प्रगति के रास्ते पर तब तेजी से बढ़ेगा जब 2022 तक कम से कम अड़तीस प्रतिशत किसानों को खेती से बेदखल कर शहरों में दिहाड़ी मजदूर के रूप में लाया जाए, क्योंकि शहरों में दिहाड़ी मजदूरों की जरूरत है।

भारत की पहचान एक कृषि प्रधान देश की रही है। यहां की संस्कृति, भाषा, भाव, रीति-रिवाज, मान्यताएं और परंपराएं कहीं न कहीं कृषि से सीधे जुड़ते हैं। पर आजादी के बाद कृषि की जगह उद्योग-धंधों को हर तरह से प्रोत्साहित किया गया और किसानी और किसान को हर तरह से हतोत्साहित। इसी का परिणाम है कि लाखों की तादाद में किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हुए हैं। नेशनल स्कीम पॉलसी कहती है कि कृषि से देश की अर्थव्यवस्था को कोई खास फायदा नहीं हो रहा है। इसलिए उन क्षेत्रों को बढ़ावा देने की जरूरत है, जिनसे अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिले। आमतौर पर यह बात ठीक कही जाएगी, क्योंकि जिस क्षेत्र से आमदनी कम हो या बहुत कम हो, उस पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं। लेकिन गहराई से चिंतन करने से इस बात में कोई दम नजर नहीं आता।

सन 1970 में गेंहू का दाम पचहत्तर रुपए प्रति कुंतल था और 2015 में इसका दाम साढ़े चौदह सौ रुपए के आसपास था। इन पैंतालीस सालों के दौरान सरकारी नौकरी-पेशा लोगों के वेतन में 120-150 गुने की वृद्धि हुई। जबकि किसान की आमदनी में महज उन्नीस गुने की वृद्धि हुई। सरकारी कर्मचारियों को स्वास्थ्य भत्ता चार लाख अस्सी हजार रुपए मिलता है, सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारियों, जजों, कर्मचारियों को इक्कीस हजार रुपए अतिरिक्त भत्ता मिलता है। लेकिन किसानों के लिए न कोई भत्ता है, न कोई योजना, जिससे वे भी बिना तनाव के जी सकें। अरबों रुपए पूंजीपतियों को बैंक दे देते हैं और न लौटाने पर उनकी न तो कुर्की होती है और न उन्हें परेशान किया जाता है। पर किसान को दस-बीस हजार के ऋण के लिए परेशान किया जाता है और उनके खेत, घरेलू सामान और मकान की कुर्की तक होती है। सवाल है कि जिसे अन्नदाता कहा जाता है, उसी के साथ ऐसा दोहरा और गैरइंसानी व्यवहार? क्या किसान ईमानदारी के साथ कठिन मेहनत करके देश को अन्न नहीं खिलाता?

केंद्र और राज्य सरकारें कृषि को घाटे वाला क्षेत्र कह कर उसे उबारने की बात तो करती हैं, लेकिन कृषि घाटे में क्यों बनी रहती है? किसानों की माली हालात के लिए जिम्मेदार कौन है? किसानों की दी जाने वाली सुविधाएं क्या किसानों के लिए मुफीद हैं? ऐसे तमाम सवाल हैं, जिन पर गौर करने की जरूरत है। कृषि वैज्ञानिक भी मानते हैं कि घाटे वाली खेती की सबसे बड़ी वजह किसान से ताल्लुक रखने वाली सरकारी नीतियां, उसके साथ दोहरा बर्ताव, उसकी उपेक्षा और खेती-किसानी को सबसे निम्न स्तर का मान कर उसके लिए कोई ठोस योजना न बनाना है। कृषि लागत और कृषि-उत्पाद के दाम में अंतर को भी समझने की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारें जब तक कृषि के प्रति सकारात्मक और व्यावहारिक नीति नहीं बनातीं, तब तक, कृषि और कृषक को डूबने से बचाया नहीं जा सकता।

संवाद में जिंदगी

संतोष उत्सुक

संचार व्यवसाय की बाजारी ताकतों ने काफी पहले दुनिया पर कब्जा करना शुरू कर दिया था। कहा जाने लगा था कि दुनिया मुट्ठी में सिमट गई है। सही तरीके से हिसाब किया जाए तो संचार व्यवस्था का गहन प्रभाव रोम-रोम में घुस चुका है। इस बारे में परिवार की परिधि से बाहर बात करने में तो संजीदगी गुम रहती ही है, परिवार के सदस्यों से कहता हूं कि ज्यादा समय सोशल मीडिया का दास बने रहना जिंदगी के लिए ठीक नहीं, तो सभी को लगता है कि कोई गलत सलाह दे डाली। युवा वर्ग रास्तों पर चलते-फिरते, लेटे हुए, सुबह जाग कर वाट्सऐप या 'फेकबुक' पढ़ रहा होता है। अधिकांश कार्यस्थलों पर समय निकाल कर यह 'जरूरी काम' करना पड़ रहा है। अब पारिवारिक या आपसी संवाद तेजी से लुप्त हो रहा है।

पिछले दिनों पत्नी के साथ अपने एक घनिष्ठ मित्र से मिलने उनके शहर गया। हमारे घरों के बीच की दूरी लगभग ढाई सौ किलोमीटर है। उनसे व्यक्तिगत रूप से मिले काफी अरसा हो गया था, वे बुलाते रहते और हम वादा करते रहते। आखिर वह 'शुभ दिन' आया, यात्रा शुरू हुई। यात्रा के दौरान उन्होंने कई बार पूछा कि कहां पहुंचे। खैर, कई घंटे लंबा, खराब सड़कों से होते हुए सफर पूरा कर पहुंचे। हाथ मिलाया, गले मिले, अपना, बच्चों का हालचाल पूछा, बताया। चाय-नमकीन सब लगभग एक घंटे में निपट गया। उसके बाद सब सोशल मीडिया के रास्तों पर जरूरी काम निबटाने में लग गए। अपार शांति के बीच मित्र ने पूछा- 'और सुनाएं नई ताजी', तो मैंने कहा- 'बाकी सब ठीक है'। दोनों महिलाएं अत्यधिक व्यस्त रहीं। रात का खाना खाने बाहर जाना था। दिमाग बार-बार यह कह रहा था कि सोशल मीडिया का कम प्रयोग करने वाले या प्रयोग न कर सकने वाले बहुत से लोग समाज में 'आउटडेटेड' हो चुके हैं।

दुनिया मेरे आगे

यह बहुत अफसोस की बात है कि हमारे धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक नायकों के बेहद संकीर्ण जातीय, सांप्रदायिक, धार्मिक, क्षेत्रीय, पारिवारिक, राजनीतिक नजरिए के कारण ही ज्यादातर भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा फेसबुक, यूट्यूब, वाट्सऐप और इनके साथियों का सकारात्मक उपयोग नहीं किया गया। ऐसा लगने लगा है कि सोशल मीडिया, अब सोशल नहीं रहा, बल्कि 'एंटी-सोशल' यानी समाज-विरोधी मीडिया में तब्दील हो चुका है। बीते समय में इन माध्यमों पर लोगों द्वारा आपस में नफरत के करोड़ों जहर बुझे तीर छोड़े गए हैं। समाज-विरोधी मीडिया की बंजर धरती पर अनगिनत ट्रोल करने वाले यानी परेशान करने वाले अवांछित तत्त्व कंटीली घास की तरह उग आए हैं, जिन्होंने दूसरों को निरंतर चुभन के अलावा और कुछ नहीं दिया। व्यक्तिगत, समूह और संस्था स्तर पर समाज-विरोधी मीडिया के मंच पर स्वयंभू समझदारों की अफवाहों, फर्जी खबरों, नकली वीडियो, अपशब्द, बदतमीजियों और गुस्ताखियों की भरमार ने नैतिकता, मानवता, प्रेम, देशप्रेम, इंसानियत और आपसी विश्वास की लगातार तौहीन की है। यह बेहद अफसोसनाक रहा कि कितने ही प्रसिद्ध, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक हस्तियों ने भी अपनी बदजुबानी की कड़वाहट की आहुति डाल कर समाज-विरोधी मीडिया को समाज के खिलाफ बनाया। देश में तनाव, टकराव और हिंसा की जो घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे साफ है कि अब समाज-विरोधी मीडिया की आसक्ति को विरक्ति के रास्ते भेजने का समय आ गया है।

हर वक्त कहीं न कहीं, कोई न कोई किसी से कह रहा होता है कि इन सभी ने मिल कर हमारी जिंदगी में खलल डाला है। क्या इतनी खूबसूरत जिंदगी में यह ठहराव भी आना था कि फेसबुक के चेहरे तो हमारे मित्र हो गए, लेकिन रास्ते में पास से वे गुजरे तो देखा तक नहीं। इसका गलत प्रयोग के बारे में उपदेश बहुत दिए जाते हैं। लेकिन यह किसी नेता के भाषण की तरह होता है, जिसे सुनते हुए भी लोग मोबाइल पर वीडियो देखते या बनाते रहते हैं। समाज-विरोधी मीडिया पीड़ितों को बीमार मान कर उनका इलाज करने के लिए अनेक क्लिनिक खुल चुके हैं। मानसिक चिकित्सा के आर्थिक विशेषज्ञ मैदान में आ चुके हैं। एक बार मिलने वाले मानव जीवन में अमानवीय दुष्परिणामों से वाकिफ होने के बावजूद अधिकतर लोग प्रेरणा नहीं लेते। आम लोगों को वैसे भी एक चामत्कारिक प्रेरक व्यक्तित्व की जरूरत होती है, जो उनके जीवन में बदलाव लाने की कुव्वत रखता हो।

लेकिन जब जिंदगी पर बाजारी कलाओं का तानाशाहनुमा कब्जा हो, तो दिमाग सोचना बंद कर देता है। यह आज का सच भी है कि कुछ भी बहुत ज्यादा हो जाना अच्छा नहीं माना जाता है। कुदरत का नियम है, कुल आसक्ति की चरम स्थिति के बाद विरक्ति शुरू होती है। अब वक्त आ गया है कि इस असामाजिक रास्ते को छोड़ दें, अपनी जिंदगी के बारे चिंतन करें। दूसरे जरूरी क्षेत्रों में ज्यादा मेहनत करें, ताकि सही समाज की रचना फिर अंकुर ले सके। आम आदमी के लिए मिलने-जुलने, पत्र लिखने, सद्भाव बढ़ाने, स्वस्थ रहने, ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य से बचने के मार्ग प्रशस्त करने की घड़ी आ गई है। इससे जरूरी धन बचेगा, मानवीय तन का क्षय रुकेगा और मन भी पवित्र रहेगा।

सतर्कता की जरूरत

बस एक घटना को देखें तो कोरोना के सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता संदेहास्पद लगती है। गायिका कनिका कपूर एयरपोर्ट से बिना जांच के निकल गई, फिर तीन-चार पार्टियों में गई और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रही। अब उन पार्टियों में आए कुछ नामचीन लोगों ने तो खुद को पृथक कर लिया है, लेकिन उन समारोह में सहभागी बने अतिथियों की कुल संख्या आठ सौ से ज्यादा बताई जा रही है। इनमें से कई ऐसे बड़े लोग हैं, जो अपनी पहचान छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। अब ये लोग भी अपने सार्वजनिक जीवन में अन्य लोगों के संपर्क में आए हैं। इस तरह संक्रमण संभावितों की संख्या हजारों में होने का खतरा है। लेकिन इन लोगों को तलाश पाना असंभव है। इन लोगों के ड्राइवर या अन्य घरेलू नौकर और कर्मचारी भी इनके संपर्क में रहे होंगे। पार्टियों में इनके जूठे बर्तन उठाने वाले वेटर भी इनके संपर्क में आए होंगे और सफाई या अन्य कामों से जुड़े कर्मचारी भी रहे होंगे, जिनमें से अधिकतर दिहाड़ी मजदूर थे। कैटरर या अन्य सेवा प्रदाता, ठेकेदारों के माध्यम से उन्हें बुलाते हैं, उनमें से बहुत से लोगों का ब्योरा मिल पाना भी असंभव है।

भारत में कोरोना के संक्रमित व्यक्तियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अगर 135 करोड़ आबादी वाले देश में संक्रमित मरीजों की संख्या पांच सौ पार कर जाती है, तो यह बेहद चिंताजनक स्थिति हो जाएगी। कोरोना संक्रमण के विस्तार के कारण हम आर्थिक मोर्चे पर भी बहुत पीछे जा सकते हैं। अब जरूरत है कि हर व्यक्ति खुद को जितना हो सके समाज से पृथक कर ले, क्योंकि अब यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि कोरोना का असर कितना व्यापक हो चुका है।

● *सतीश भारद्वाज, मवाना, मेरठ*

लापरवाही का आलम

कोरोना अब वैश्विक समस्या और महामारी बनती जा रही है। इसका खौफ सिर्फ शहरों नहीं, सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुंच गया है। एक तरफ लोगों को कोरोना वायरस से बचाव को लेकर जीवनरक्षक चिकित्सा सामग्री नहीं मिल पा रही है, वहीं एन-95 मास्क और पीपीई किट में लगने वाले कच्चे माल का निर्यात विदेशों में दस गुना मूल्य पर किया जाता रहा है। जबकि सरकार ने चिकित्सा से जुड़ी जरूरी सुविधाओं के निर्यात पर 31 जनवरी को ही प्रतिबंध लगा दिया था। पर 8 फरवरी को सर्जिकल मास्क और दस्ताने को प्रतिबंधित सूची से हटा दिया। इस अधिसूचना में इसके अलावा आठ अन्य वस्तुओं को स्वतंत्र रूप से निर्यात योग्य बताया गया। जबकि डब्लूएचओ ने फरवरी में ही सभी देशों को ऐसे सुरक्षात्मक उपकरण अपने देश में जमा करने का सख्त निर्देश दिया था। यहां तक कि मास्क उद्यमियों के एसोसिएशन भी सवाल उठाते रहे कि मास्क से जुड़े कच्चे माल का लगातार निर्यात किया जा रहा है।

18 मार्च को भारत-नेपाल सीमा पर सर्जिकल मास्क, डिस्पोजल मास्क, प्लाई मास्क आदि सभी प्रकार के मास्क बनाने के कच्चे माल से भरे ट्रक जब्त हुए थे। इससे साफ है कि सरकार जीवनरक्षक वस्तुओं को लेकर कितनी संवेदनहीन है।

देश में कोरोना वायरस पूरी तरह पांव पसार चुका है। लोगों को मास्क उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे मास्क की कालाबाजारी चल रही है। यहां तक कि चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को भी कोरोना से बचाव के लिए मास्क उपलब्ध नहीं हो रहा है। जरूरत है चिकित्सकों, उनकी टीम को सुरक्षित रखने की।

● *जयप्रकाश नवीन, बिहार*

देर है, अंधेर नहीं

निर्भया के साथ दरिंदगी की सारी हदें पार करने वाले हैवानों को उनके किए की सजा मिल चुकी है सजा-ए-मौत के रूप में, और यही कारण है कि हम सर्वोच्च न्यायालय के इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद भारतीय न्यायिक व्यवस्था के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं कि यहां देर है, अंधेर नहीं। यह देरी हममें बेबसी, लाचारी, क्षोभ और बेचैनी बढ़ाने में कारगर सिद्ध होती है और ऐसी अभावग्रस्त स्थितियों में हम पीड़िता या उसके परिवार को ढांढस बांधने के अलावा कुछ नहीं कर पाते, हालांकि कभी-न-कभी न्याय अवश्य मिलेगा, यह विश्वास जरूर दिला पाते हैं। भारत में पिछले दो-तीन दशकों में अन्य अपराधों की तुलना में बलात्कार की संख्या में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है और इनसे जुड़े दोषियों को सजा देने के मामले में हम सबसे पीछे रहते हैं। वहीं संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईराक, चीन, इंडोनेशिया, पोलैंड आदि देशों में इस संगीन अपराध के लिए कठोर कानून हैं। हालांकि हम भविष्य में यह उम्मीद अवश्य कर सकते हैं कि इस जघन्य अपराध के विरुद्ध तत्परता से कार्रवाई की जाए और सख्त-से-सख्त कानून लागू किए जाएं ताकि निर्भया के साथ हुई बर्बरता को देश की अन्य बेटियों के साथ दोहराने से बचाया जा सके और अन्य देशों के समक्ष एक सुदृढ़ और सशक्त न्यायिक व्यवस्था का उदाहरण प्रस्तुत हो सके।

● *कुसुम त्रिपाठी, दिल्ली विश्वविद्यालय*

शासन में नैतिकता

मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के पुनः शपथ लेने के बाद सहज ही ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या राजनीति में नैतिकता की आवश्यकता नहीं है? क्या जोड़-तोड़ कर महज सत्ता में रहना ही राजनीतिक दलों का मुख्य उद्देश्य है? क्या राजनेताओं के लालच और पद-लोलुपता का कोई अंत नहीं?

बाईस विधायकों द्वारा सदन से त्यागपत्र देकर तत्कालीन सरकार को अल्पमत में लाकर गिराना भले ही कानूनी रूप से गलत नहीं दिख रहा, पर नैतिक रूप से यह गलत है। यह बात तब और पुष्ट होती है, जब ये सारे विधायक त्यागपत्र स्वीकृति के कुछ ही समय बाद विरोधी पार्टी की सदस्यता स्वीकार कर लेते हैं। यह धन-बल का उपयोग नहीं तो और क्या है? द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने 'शासन में नैतिकता' के तहत दल-बदल और विधायकों की निरर्हता पर चर्चा की है। पर, उसमें ऐसी किसी समस्या पर चर्चा नहीं हुई है, जो मध्यप्रदेश विधानसभा में घटित हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि अधिक से अधिक विधायकों को निरर्हित करके ही दंडित किया जा सकता है। पर यहां तो विधायकों ने स्वयं त्यागपत्र दे दिया। यह इस बात का द्योतक है कि ये सारे विधायक राजनीति में लोकसेवा के उद्देश्य से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत लाभ से ज्यादा प्रेरित हैं। यह उन बाईस विधानसभा क्षेत्रों के साथ साथ पूरे राज्य की जनता के साथ धोखा है, क्योंकि जनादेश के विपरीत सरकार बनी है।

● *कुमार ऋषिराज, राजगीर, बिहार*

किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : chaupal.jansatta@expressindia.com

www.readwhere.com

तथ्य

2020 के अंत तक 90 फीसद भारतीयों के मोबाइल में 4जी कनेक्शन होगा। द मोबाइल फोन सर्वे रिपोर्ट 2020 के मुताबिक अभी 81 फीसद भारतीय 4जी मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इसकी बड़ी वजह भारत में मोबाइल डेटा का सस्ता होना है। 2017 में सिर्फ 57 फीसद लोग 4जी सेवा का उपयोग करते थे।

विचार

विफलता नामक बीमारी के उपचार के लिए आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम दो महत्त्वपूर्ण दवाएं हैं। इनके इस्तेमाल से आप एक सफल व्यक्ति बन सकते हैं।

– डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

समाजशास्त्र में अपार संभावनाएं

समाजशास्त्र को एक ऐसे विषय के रूप में जाना जाता है जिसका व्यावहारिक अनुप्रयोग अत्यंत सीमित है, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं है। लोग एक-दूसरे के साथ किस आधार पर बातचीत करते हैं, इसे विभिन्न दृष्टिकोण से समझना, आंकड़ों का विश्लेषण और उच्चस्तरीय शोध के माध्यम से जटिल सवालों के समाधान खोजना समाजशास्त्र की प्रमुख विषयवस्तु हैं। समाजशास्त्र व्यक्तियों और विभिन्न प्रकार के समाजों का अध्ययन है। समाजशास्त्र लोगों और प्रणालियों को समझने में एक ठोस आधार प्रदान करता है ताकि विद्यार्थियों द्वारा विकसित कौशल का उपयोग विभिन्न प्रकार के करिअर निर्माण में किया जा सके।

कुछ नौकरियों के लिए स्नातकोत्तर डिग्री की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ मामलों में, स्नातक समाजशास्त्र की डिग्री वाले व्यक्ति प्रवेश स्तर की स्थिति में करिअर शुरू कर अपना काम कर सकते हैं। भारत में समाजशास्त्र का व्यापक और गैर पारंपरिक प्रयोग अभी कम ही किया जाता है लेकिन बहुत सी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने बाजार को विस्तार देने के लिए समाजशास्त्रियों को रखना शुरू कर दिया है। समाजशास्त्र विषय के साथ पढ़ाई करने के बाद पारंपरिक और गैर-पारंपरिक करिअर के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं।

सिविल/उच्च शिक्षा में अवसर : इस तरह के अवसरों के लिए समाजशास्त्र में स्नातक होना पर्याप्त है। सिविल सेवाओं में समाजशास्त्र एक लोकप्रिय विषय है। इसके अलावा समाजशास्त्र का अध्ययन उच्च शिक्षा विभाग में अनेकों उच्चस्तरीय परिस्थितियों में काम करने के योग्य बनाता है, जिसमें महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय या शिक्षा आयोग प्रशासन भी शामिल है। इन करिअर में वेतन व्यापक रूप से अन्य कर्मचारियों से अलग होता है, लेकिन आमतौर पर जब आप अधिक अनुभव प्राप्त करते हैं तो उसी हिसाब से वेतन में बढ़ोतरी होती रहती है। इसके अलावा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) की अर्हता के साथ विभिन्न संस्थाओं में सहायक प्रोफेसर के रूप में काम किया जा सकता है।

शोध में अवसर : समाजशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर डिग्री लेने के बाद महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों में शोधकार्य और शिक्षण एक अच्छा विकल्प होता है। शोध सहायकों की आवश्यकता तकरीबन हर उच्च शिक्षण संस्थान में होती है। शोध परियोजनाओं के लिए अच्छी खासी फंडिंग होती है।

समाजशास्त्री के रूप में : विभिन्न प्रकार के संदर्भों में समाज का अध्ययन समाजशास्त्री करते हैं, जिसमें सामाजिक संस्थान, व्यवसाय या धार्मिक समुदाय शामिल हो सकते हैं। आमतौर पर, समाजशास्त्री डॉक्टरेट की उपाधि अर्जित करने के बाद अकादमिक संस्थानों में शोधकर्ता या संकाय सदस्य के रूप में काम करते हैं, लेकिन विभिन्न प्रकार के अन्य अवसर हैं जहां समाजशास्त्री स्वतंत्र रूप से अपना काम करते हैं, जिनमें सार्वजनिक नीति, थिंक टैंक और निजी/सरकारी संस्थान शामिल हैं।

विशेषज्ञ की कलम से

मानव संसाधन में अवसर : समाजशास्त्र के अध्ययन के बाद लोगों के दृष्टिकोण, उनकी जरूरतों और उनके तौर तरीकों को समझना आसान हो जाता है। इस ज्ञान का उपयोग लोगों के बीच बेहतर समन्वयन में किया जा सकता है और उद्योग में मानव संसाधन विशेषज्ञ के तौर पर स्वयं को प्रस्तुत कर करिअर की शुरुआत की जा सकती है ।

जनसंपर्क में अवसर : समाजशास्त्र में स्नातक करने के बाद जनसंपर्क को करिअर के विकल्प के रूप में चुना जा सकता है। यहां संचार विशेषज्ञ अपने ब्रांड का प्रचार करते हुए एक उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक छवि सुनिश्चित करने के लिए एक व्यक्ति, संगठन या कंपनी की ओर से काम करते हैं। वे आम तौर पर प्रेस विज्ञप्ति और अन्य मीडिया जानकारी को ड्राफ्ट करने, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के प्रबंधन और प्रचार संबंधी घटनाओं के विज्ञापन के लिए काम करते हैं।

यात्रा मार्गदर्शक के रूप में अवसर : यात्रा स्थलों की सामाजिक सांस्कृतिक जानकारी, परंपराओं की सूचना यात्रियों के लिए बहुत रोमांचक होती है। समाजशास्त्र से स्नातक करने के बाद इस क्षेत्र में करिअर बनाया जा सकता है।

लेखन/स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर: विश्लेषणात्मक और संचार कौशल की वजह से समाजशास्त्र के छात्रों के लिए लेखन और स्वतंत्र पत्रकारिता में बहुत संभावनाएं हैं। सामजिक सांस्कृतिक मुद्दों पर पकड़ आपको एक बेहतर लेखक और स्तंभकार बना सकती है।

शहरी/ ग्रामीण नियोजन के क्षेत्र में अवसर : शहरी और क्षेत्रीय योजनाकार शहर या बड़े क्षेत्र के लिए योजना, कार्यक्रम और नीतियां विकसित करते हैं। अकसर उनका लक्ष्य किसी विशेष क्षेत्र को बनाना या पुनर्जीवित करना, जनसंख्या वृद्धि को समायोजित करना या किसी शहर को अधिक कुशल बनाने के लिए बुनियादी ढांचे को विकसित करने और लागू करने में मदद करना होता है। सामुदायिक और सामाजिक गतिशीलता एक क्षेत्रीय योजनाकार की भूमिका के लिए आवश्यक है और समाजशास्त्र के छात्र का इस पर ध्यान देकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहायता और विकास में अवसर: यह एक व्यापक क्षेत्र है जो एक ही छतरी के नीचे विभिन्न प्रकार के विभिन्न कार्यों यथा आपातकालीन राहत और प्रबंधन, सामान्य सामुदायिक विकास, अंतराष्ट्रीय सहयोग, आपदा प्रबंधन इत्यादि को समाहित करता है। समाजशास्त्र से स्नातक करने के बाद अंतरराष्ट्रीय काम में उत्कृष्टता और अनुभव हासिल करने के लिए, छात्रों को कुछ गैर परंपरागत अवसरों पर भी विचार करना चाहिए।

यदि आप सामजिक सरोकारों के अध्ययन में रूचि रखते हैं तो समाजशास्त्र आपके कैरियर और पढ़ाई के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है।

–पवन विजय
(एसोसिएट प्रोफेसर,
गुरु गोबिंद इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय)

साक्षात्कार

गेट की तैयारी के लिए ऑनलाइन टेस्ट है सबसे बेहतर विकल्प

गुरु गोबिंद इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्र हितेश पोपली ने कंप्यूटर साइंस विषय से गेट-2020 में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्हें 100 में 92 अंक प्राप्त हुए। हरियाणा के रहने वाले हितेश ने बताया कि वह भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु से आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने नौकरी के लिए कुछ साक्षात्कार भी दिए हैं।

गेट की तैयारियों को लेकर हमने हितेश से बात की। पेश हैं बातचीत के कुछ अंश...

सवाल : आपने गेट की तैयारी किस तरह से की?

हितेश : मैंने गेट की अपनी पूरी तैयारी इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी और सामग्री के जरिए की। मैंने सबसे पहले तो इंटरनेट के माध्यम से यह पता किया कि गेट की तैयारी के लिए सबसे जरूरी किताबें और नोट्स कौन से हैं। इसके बाद मैंने इन किताबों और नोट्स का इंतजाम किया। ऑनलाइन टेस्ट श्रृंखलाओं के माध्यम से मैंने अपनी तैयारी को परखा। ऑनलाइन टेस्ट गेट की तैयारी के लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा मैंने अपने लिए एक समय सारणी बनाई जिसमें छुट्टी वाले दिन का अधिकतम उपयोग किया गया। इस समय सारणी का पूरी तरह से पालन भी किया।

सवाल : तैयारी के दौरान सबसे बड़ी समस्या क्या आई?

हितेश : तैयारी के दौरान मुझे सबसे बड़ी समस्या यही लगी कि मेरे पास मुझे दिशा दिखाने वाला कोई भी नहीं था। मुझे पता ही नहीं था कि मुझे क्या पढ़ना है और क्या नहीं। किस तरह की किताबें पढ़नी है। इंटरनेट ने इसमें मेरी बहुत अधिक सहायता की।

सवाल : गेट की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए आप क्या सलाह देना चाहेंगे?

हितेश : आप पढ़ाई कहीं से भी कर सकते हैं लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि आपका अपने विषय का आधार मजबूत होना चाहिए। आपको अपने विषय की छोटी से छोटी बारिकी के बारे में जानकारी होनी चाहिए। इसके बाद आपको परीक्षा के लिए तैयारी करनी है जिसमें ऑनलाइन टेस्ट बहुत मददगार साबित होते हैं। आप जितने अधिक ऑनलाइन टेस्ट दे सकते हो, दीजिए और खुद ही खुद का आकलन कीजिए।

नौजवान भी बरतें सावधानी

बेल्जियम के एंटवर्प में एक लड़की और एक व्यक्ति मास्क लगाकर साइकिल से जाते हुए।

सफल उद्यमी बनना है तो इन गलतियों से बचें

वर्तमान में बड़ी संख्या में युवा आंत्रप्रन्यॉर यानी उद्यमी बनना चाहते हैं। इसके लिए युवाओं को ज्यादा काम करने के साथ अधिक त्याग, कौशल और लगन की आवश्यकता होती है। यदि आप भी अपना कोई व्यवसाय शुरू करने जा रहे हैं तो इन गलतियों से बचने की कोशिश कीजिएगा।

बिना योजना काम शुरू करना : आप बेशक अपने क्षेत्र के बेहतर पेशेवर हों या अपने दफ्तर के सबसे अच्छे कर्मचारी, लेकिन आपके ये गुण आपको एक सफल उद्यमी बनने की गारंटी नहीं देते हैं। किसी के लिए काम करना और अपने लिए काम करने में बहुत अंतर होता है। इसलिए किसी भी व्यवसाय को शुरू करने से पहले एक बेहतर योजना बनाना आवश्यक है।

परामर्श

बड़े लक्ष्य तय करना : नए उद्यमी उत्साह में अपने लिए बड़े लक्ष्य तय कर लेते हैं। जब ये लक्ष्य पूरे नहीं होते हैं तो वे खुद का विफल समझने लगते हैं। यहां यह जरूरी है कि उद्यमी वास्तविक और पा सकने वाले लक्ष्य तय करें। इसके अलावा उन्हें कदम दर कदम लक्ष्य तय करने चाहिए। क्योंकि छोटे लक्ष्य पूरे होने पर आत्मविश्वास बढ़ता है।

परिवर्तन के लिए तैयार न होना : बाजार के बदलते स्वरूप के इस दौर में एक नए उद्यमी को हमेशा बाजार के हिसाब से परिवर्तन के लिए तैयार रहना चाहिए। यदि कोई उद्यमी किसी एक सेवा या उत्पाद में परिवर्तन करने के लिए तैयार नहीं रहता है तो अपनी योजना में विफल होना पड़ सकता है। हमेशा नए चीजों को अपनाने के लिए भी तैयार रहना चाहिए और भविष्य में होने वाले परिवर्तनों के लिए भी खुद को तैयार रखना चाहिए।

टकराव में पड़ना : नए उद्यमियों के लिए सबसे मुश्किल काम विभिन्न मुद्दों पर टकराव को टालना होता है। व्यवसाय में नुकसान से बचने के लिए टकराव से बचना बहुत आवश्यक होता है। जब कोई मुद्दा गर्म हो तो तत्काल उस पर कोई निर्णय लेना गलत हो सकता है। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में निर्णय को टकराव की स्थिति खत्म होने तक टाल देना चाहिए।

दूरदर्शिता का न होना : किसी भी व्यवसायी को दूरदर्शी होना बहुत जरूरी है और इसके बिना व्यवसाय में सफलता नहीं मिल सकती है। अदूरदर्शिता की वजह से कई उद्यमी को तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है जिसमें गैरजरूरी खर्चे बढ़ना, कार्य का समय पर पूरा नहीं होना आदि शामिल हैं।

चॉकलेट पसंद करने वालों के लिए है यह करिअर

चॉकलेट का नाम सुनते ही छोटे-बड़ों सभी का मन मचलने लगता है। लेकिन क्या आपने सोचा है कि चॉकलेट के बेहतरीन स्वाद से हमें कौन परिचित कराता है। यह काम करते हैं चॉकलेट टेस्टर। इन पेशेवरों का काम तरह-तरह के चॉकलेट को चखकर (टेस्ट करके) उनकी गुणवत्ता को परखना होता है।

भारत में चॉकलेट का बाजार जिस तेजी से बढ़ रहा है। उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए काफी संभावनाएं हैं। उपहार में चॉकलेट के आदान-प्रदान का चलन पिछले कुछ सालों में बहुत बढ़ा है। त्योहारों पर इसकी मांग आम दिनों की तुलना में कई गुना तक बढ़ जाती है। चेन्नई में रहने वाले एल नितिन चोर्डिया भारत के पहले सत्यापित चॉकलेट टेस्टर हैं। चॉकलेट टेस्टर के रूप में काम करने के लिए किसी भी चॉकलेट बनाने वाली भारतीय या बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ जुड़ा जा सकता है। देश के सभी बड़े शहरों में बेकरियां तरह-तरह के चॉकलेट उत्पादों को बेच रही हैं, इसलिए यहां भी अच्छे वेतन पर नौकरी मिल सकती है। बड़े होटलों और रेस्तरां में भी इन पेशेवरों के लिए रोजगार के कई विकल्प उपलब्ध हैं। किसी ग्राहक को चॉकलेट के रंग, सुगंध और आकर्षक डिजाइन के बाद उसका स्वाद ही सबसे ज्यादा पंसद आता है। इसलिए एक अच्छे चॉकलेट टेस्टर के लिए जरूरी है कि वह चॉकलेट के स्वाद के साथ-साथ इन चीजों पर भी पूरा ध्यान दे। उसे बाजार में मौजूद अन्य चॉकलेट के स्वाद और गुणवत्ता के बारे में पता होना चाहिए।

चॉकलेट बनाने या तैयार करने वाले को चॉकलेटियर कहते हैं। चॉकलेट बनाने के अलावा इनके कार्यों में कई और चीजें भी शामिल होती हैं, जैसे चॉकलेट को आकर्षक बनाना और उसे सजाने के लिए कलात्मक वस्तुओं का सहारा लेना

अवसर

आदि। चॉकलेट बनाना महज एक कला नहीं है, इसलिए इसको बनाने से जुड़े विज्ञान को समझना भी जरूरी है। तैयार हुई चॉकलेट को थोड़े-थोड़े समय के अंतराल के बाद नए और आकर्षक स्वरूपों में पेश करना इनका प्रमुख कार्य है। इनके रोजमर्रा के कार्यों में चॉकलेट बनाने वाले यंत्रों की कार्यक्षमता को परखने से लेकर उपकरणों के रखरखाव, समय से चॉकलेट को तैयार करने और आखिर में तैयार हुए चॉकलेट की गुणवत्ता को परखने सरीखे कार्य शामिल होते हैं।

चॉकलेट के इतिहास, फ्लेवर और गुणों की जानकारी होनी चाहिए, ताकि चॉकलेट से विभिन्न तरह के डेजर्ट, कैंडी और स्कल्पचर को तैयार कर सकें। बाजार में उपलब्ध कई तरह की चॉकलेट और उनके सही उपयोग के बारे में पता होना चाहिए। तीन तरह की चॉकलेट सफेद, मिल्क और डार्क की खूबी और उनसे आकर्षक और स्वादिष्ट उत्पाद बनाने का हुनर भी होना चाहिए।

करिअर बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि किसी स्थापित चॉकलेटियर के साथ काम कर कार्य की बारीकियों को अच्छे से सीखा जाए, इसलिए इंटर्नशिप करके काम से जुड़े सभी स्तरों की जानकारी लेना लाभदायक होता है। इस तरह के प्रशिक्षण के बाद व्यावहारिक शिक्षा का ज्ञान भी जरूरी होता है। अनुभवी चॉकलेटियर शानदार और कलात्मक चॉकलेट पीस तैयार करते हैं।

चॉकलेट डिजाइनर

चॉकलेट बनाने के बाद उसे अलग-अलग ढंग से डिजाइन करना और आकार देना चॉकलेट डिजाइनर का काम होता है। चॉकलेट जितनी डिजाइनर और आकर्षक होगी, उतनी ही बाजार में उसकी मांग भी होगी।

चॉकलेट तैयार करने के बाद चॉकलेट डिजाइनर उसे अलग-अलग सांचों में डालकर कई तरह आकार देते हैं। इसके अलावा चॉकलेट डिजाइनर को लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए भी चॉकलेट की डिजाइन के साथ नए-नए प्रयोग करने होते हैं। इस कड़ी में वह त्योहारों और मौसम का भी पूरा ध्यान रखते हैं। यही नहीं वह चॉकलेट उत्पादों की पैकिंग को आकर्षक बनाने के लिए जरूरी सुझाव और निर्देश भी देते हैं।

सूचनापट्ट

इग्नू, दिल्ली

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जून 2020 को समाप्त अवधि (टर्म एंड) संबंधी परीक्षा के लिये परीक्षा फार्म स्वीकार करने की अंतिम तिथि को 30 अप्रैल 2020 तक बढ़ा दिया है । इग्नू की विज्ञप्ति के अनुसार, इस बढ़ी अवधि में कोई विलंब शुल्क (लेट फीस) नहीं लिया जाएगा। इग्नू ने इससे पहले एसाइनमेंट जमा करने की तिथि को 30 अप्रैल 2020 तक बढ़ा दिया था। नोवल कोरोना विषाणु के प्रति जागरूकता को ध्यान में रखते हुए इग्नू ने पूरे भारत में फैले शिक्षार्थी सहायता केंद्रों के सभी कार्यकलापों को स्थगित कर दिया है। भारत में विश्वविद्यालय के 56 क्षेत्रीय केंद्रों के 1900 से अधिक शिक्षार्थी सहायता केंद्रों के माध्यम से मान्यता प्राप्त 35000 शैक्षिक परामर्शदाताओं द्वारा लगभग 7 लाख विद्यार्थियों को सहायता सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इग्नू ने इस अवधि में शिक्षार्थियों को अध्ययन केंद्रों या क्षेत्रीय केंद्रों तथा विश्वविद्यालय कार्यालय में जाने की बजाय इग्नू सहायता टेलीफोन नंबरों, इग्नू वेबसाइट पर उपलब्ध ई-मेल, ई-ग्राम पोर्टल और सोशल मीडिया चैनलों (फेसबुक और ट्विटर) पर किसी सहायता सेवाएं एवं जानकारी के लिए संपर्क करने की सलाह दी है।

अंतिम तिथि : 30 मार्च, 2020

जेएमआइ, दिल्ली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआइ) ने अकादमिक सत्र 2020-21 के लिए दाखिला वेब पोर्टल और प्रवेश विवरणिका जारी कर दी गई है।

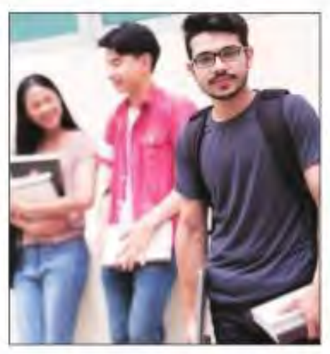

इसके मुताबिक सभी पाठ्यक्रमों, जिनमें स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा, एमफिल, पीएचडी आदि शामिल हैं, के लिए ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण शुल्क का भुगतान भी ऑनलाइन ही होगा। कुछ पाठ्यक्रमों में दाखिले राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रवेश परीक्षाओं के आधार होंगे। शेष पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए जामिया प्रवेश परीक्षा का आयोजन करेगा।

अंतिम तिथि : 15 अप्रैल, 2020

आइपीयू, दिल्ली

गुरु गोबिंद इंद्रप्रस्थ (आइपी) विश्वविद्यालय ने करीब 100 पाठ्यक्रमों की 36,000 सीटों पर दाखिले के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आइपीयू में स्नातक से लेकर शोध पाठ्यक्रम तक उपलब्ध हैं। आइपीयू पहली बार 68 पाठ्यक्रमों के लिए कंप्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन करेगा। 12 पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर दाखिले दिए जाएंगे। पंजीकरण शुल्क के रूप में 1200 रुपए का ऑनलाइन भुगतान करना होगा।

अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2020

जेएनयू, दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी (एनटीए) ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। प्रवेश परीक्षा का आयोजन केवल कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। जेएनयू में पीएचडी, एमफिल, स्नातकोत्तर और बीए के लिए प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2020

नोट : कोरोना संक्रमण के कारण सभी विवि अंतिम तिथि बढ़ा सकते हैं।

छात्रवृत्ति

महिला वैज्ञानिक योजना-बी 2020

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली ने उन महिला वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए इस योजना की घोषणा की है जो अपने करिअर में एक ब्रेक ले रही हैं। इस योजना का उद्देश्य चयनित उम्मीदवारों को समाज के लाभ के लिए अपने ज्ञान और उत्साह का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है। भारतीय महिला वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीविद् जिनके पास विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में योग्यता है और 27 से 57 वर्ष आयु वर्ग में आती हैं, इस योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं। चयनित छात्रों को पीएचडी, एचआरए और ओवरहेड्स के लिए प्रति माह 55,000 रुपए का वजीफा मिलेगा। इसके अलावा आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2020

अशोक विश्वविद्यालय युवा भारत छात्रवृत्ति

अशोक विश्वविद्यालय, हरियाणा ने स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए इस छात्रवृत्ति की घोषणा की है। इस फेलोशिप का उद्देश्य असाधारण युवाओं को पहचानना और उनका चयन करना है। किसी भी विषय में स्नातक या स्नातकोत्तर डिग्री वाले भारतीय विद्यार्थी, जिनकी आयु 28 वर्ष से कम है, वे इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। चयनित

विद्यार्थियों को लिबरल स्टडीज में एक वर्षीय बहु-विषयक स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश मिलेगा और 25 फीसद शुल्क माफी से लेकर 100 फीसद शुल्क माफी तक की वित्तीय सहायता मिलेगी। इसके अलावा ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2020

सिडनी विश्वविद्यालय भारत छात्रवृत्ति कार्यक्रम

सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया ने उन विद्यार्थियों के लिए इस छात्रवृत्ति की घोषणा की है जो सिडनी विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करना चाहते हैं। भारतीय नागरिक और वर्तमान में भारत के निवासी जिन्होंने स्नातक या स्नातकोत्तर की डिग्री के लिए आवेदन किया है, लेकिन अभी तक अध्ययन शुरू नहीं किया है, इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। 50,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक की 28 छात्रवृत्ति चयनित विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। इस छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

अंतिम तिथि : 31 मई, 2020

कमलनाथ के प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद संवाददाता को कोरोना

भोपाल, 25 मार्च (भाषा)।

भोपाल के एक पत्रकार में कोरोना की पुष्टि होने के बाद बुधवार को मध्य प्रदेश में कोरोना पीड़ितों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। भोपाल में इस खबर के बाद पत्रकार जगत में खलबली मच गई है क्योंकि यह कोरोना संक्रमित पत्रकार भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर निवर्तमान मुख्यमंत्री कमलनाथ की 20 मार्च को दोपहर की पत्रकार वार्ता में मौजूद थे। इस पत्रकार वार्ता में कमलनाथ ने अपने त्यागपत्र की घोषणा की थी।

भोपाल के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) सुधीर देहरिया ने बताया कि भोपाल के कोरोना पीड़ित पत्रकार, 26 वर्षीय कोरोना की पहली महिला मरीज के पिता हैं। यह युवती 18 मार्च को ही लंदन से भोपाल आई है और उसके नमूनों की जांच में कोरोना की पुष्टि हुई। देहरिया ने बताया कि पिता एवं पुत्री दोनों का इलाज भोपाल एम्स में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लंदन से लौटने के बाद यह युवती दो दिन तक अपने परिवार के साथ रही। सीएचएमओ ने बताया कि हालांकि युवती के परिवार में उसकी मां, भाई और घर में काम करने वाले अन्य लोगों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है।

देहरिया ने बताया कि जो भी लोग संक्रमित पत्रकार के संपर्क में थे उनको सलाह दी जाती है कि वह 14 दिनों के लिए घर में स्वयं को अलग कर लें तथा 6-7 दिन में यदि खांसी, ठंड और बुखार जैसे लक्षण दिखाई दें तो कोरोना नियंत्रण कक्ष में संपर्क करें।

एक राष्ट्रीय दैनिक से जुड़े एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, 'कमलनाथ की पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के विधायक, नेता, सरकारी अधिकारी और बड़ी तादाद में पत्रकार मौजूद थे। मैं भी उनसे मिला था। हम सभी अब दहशत में हैं। जब वे जानते थे कि उनकी बेटी विदेश यात्रा से वापस आई है तो उन्हें (संक्रमित पत्रकार) इस संवाददाता सम्मेलन में भाग नहीं लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पत्रकार वार्ता के दौरान संबंधित पत्रकार से मिलने वाले अन्य पत्रकारों को अब घबराने के बजाय अन्य लोगों से स्वयं को अलग कर लेना चाहिए।

वहीं, जर्नलिस्ट्स क्लब के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने बताया कि यह बहुत ही गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। केंद्र सरकार ने बार बार विदेश यात्रा करने वाले लोगों और उनसे संपर्क में आने वाले लोगों के बारे में सावधानियों के बारे में सलाह जारी की। इसके बावजूद ऐसा व्यक्ति इतनी अहम जगह पर बड़ी पत्रकार वार्ता में मौजूद था। उन्होंने कहा कि प्रशासन को ऐसे लोगों को पहले ही अलग रखना चाहिए क्योंकि प्रशासन को विदेश से आने वाले लोगों के बारे में पूरी जानकारी होती है।

इससे पहले, बुधवार को इंदौर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती दो महिलाओं समेत पांच मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई। इनमें से चार इंदौर के रहने वाले हैं, जबकि एक उज्जैन की है।

इसके साथ ही प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इनमें से छह लोग जबलपुर, चार इंदौर, दो भोपाल, और एक-एक शिवपुरी, उज्जैन एवं ग्वालियर के निवासी हैं। सभी की हालत स्थिर है। अब तक कोरोना संक्रमण के मामलों की पुष्टि वाले सात जिलों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, उज्जैन और छतरपुर जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है।

डीएचएफएल घोटाले के दो मुख्य आरोपियों से पूछताछ

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

सीबीआइ ने उत्तर प्रदेश में 2,267 करोड़ रुपए के कर्मचारी भविष्य निधि घोटाले के दो प्रमुख आरोपियों से पूछताछ की। इस मामले में ऊर्जा क्षेत्र के कर्मचारियों का पैसा दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) में निवेश किया गया था तथा कंपनी के खिलाफ 30,000 करोड़ रुपए से अधिक के कोष का गबन करने के आरोप में कई जांच चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि एजंसी ने उत्तर प्रदेश राज्य ऊर्जा क्षेत्र कर्मचारी ट्रस्ट के पूर्व सचिव प्रवीण कुमार गुप्ता और उत्तर प्रदेश ऊर्जा निगम लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के पूर्व निदेशक (वित्त) सुधांशु द्विवेदी से हाल में पूछताछ की।

उन्होंने बताया कि पिछले साल नवंबर में उत्तर प्रदेश पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से वे लखनऊ जेल में बंद हैं। अधिकारियों ने बताया कि गुप्ता और द्विवेदी का नाम सीबीआइ की प्राथमिकी में है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही लखनऊ में सीबीआइ की भ्रष्टाचार रोधी शाखा की टीम ने विशेष अदालत से दोनों आरोपियों से पूछताछ की इजाजत मांगी थी।

अधिकारियों ने कहा कि हाल ही में की गई पूछताछ कई घंटों तक चली। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या सवाल पूछे गए। सीबीआइ ने इस मामले की जांच का जिम्मा पांच मार्च को अपने हाथ में लिया था। एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि डीएचएफएल ने मुखौटा कंपनियों के जरिए 97,000 करोड़ रुपए के कुल बैंक कर्ज में से कथित रूप से 31,000 करोड़ रुपए का गबन किया है। इसके बाद कंपनी कई जांचों का सामना कर रही है। यह भी आरोप लगाया गया है कि यूपीपीसीएल के अधिकारियों ने साजिशन डीएचएफएल की योजनाओं में नियमों को ताक पर रखकर भविष्य निधि का पैसा लगाया।

बंद पर मोदी का समर्थन, वे सेनापति और जनता सैनिक : चिदंबरम

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने देश में 21 दिनों के लिए बंद की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा का समर्थन करते हुए बुधवार को कहा कि यह कोरोना के खिलाफ युद्ध में निर्णायक दौर है और इसमें मोदी सेनापति एवं जनता सैनिक है। उन्होंने एक बयान में सरकार से यह आग्रह भी किया कि किसानों, मजदूरों और गरीबों के खातों में पैसे भेजे जाएं तथा 30 जून तक सभी जरूरी वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी में पांच फीसदी तक की कमी की जाए।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से 21 दिनों के बंद की घोषणा कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक दौर है। इस लड़ाई में जनता सैनिक और प्रधानमंत्री सेनापति हैं। चिदंबरम के अनुसार यह सभी लोगों का कर्तव्य है कि वे कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि दोगुना करके 12 हजार रुपए की जाए और किसानों के खातों में तत्काल पैसे भेजे जाएं। बंद पर मोदी का समर्थन और उन्हें सेनापति बताने वाले बयान पर कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह चिदंबरम की निजी राय है और यह पार्टी का मत नहीं है।

'चिकित्सकों, नर्सों को परेशान करने पर सख्त कार्रवाई'

पेज 1 का बाकी

कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि देश की सेवा करने वाले ऐसे लोगों का सार्वजनिक सम्मान होना चाहिए और इन लोगों के साथ बुरा बर्ताव करने वालों को ये महंगा पड़ेगा।

मोदी ने कहा, 'महाभारत का युद्ध 18 दिनों में जीता गया था। आज कोरोना के खिलाफ जो युद्ध पूरा देश लड़ रहा है, उसमें 21 दिन लगने वाले हैं। हमारा प्रयास है इसे 21 दिन में जीत लिया जाए।' उन्होंने कहा कि महाभारत के युद्ध में भगवान कृष्ण सारथी थे, कोरोना के खिलाफ युद्ध में 130 करोड़ महारथियों के बलबूते पर हमें जीत दर्ज करना है। उन्होंने कहा कि ये बीमारी किसी में भेदभाव नहीं करती। यह समृद्ध देश पर भी कहर बरपाती है और गरीब के घर में भी कहर बरपाती है। उन्होंने लोगों को सामाजिक दूरी बनाने पर ध्यान देने की सलाह दी और कहा कि हमें घर में रहना चाहिए और आपस में दूरी बनाए रखना चाहिए।

अपने संवाद में उन्होंने कहा, 'कुछ स्थानों से एअरलाइन कर्मियों, चिकित्सकों और नर्सों से बुरा बर्ताव करने की खबरें आई हैं। ऐसा करने वालों को महंगा पड़ेगा।' उन्होंने कहा कि इस संबंध में संबंधित प्राधिकार से बात की है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर ऐसी कोई गतिविधि कहीं दिख रही है तो जनता इन लोगों को चेताए एवं समझाएं या पुलिस को सूचना दे।' उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में, अस्पतालों में इस समय सफेद कपड़ों में दिख रहा हर व्यक्ति ईश्वर का ही रूप है।

संक्रमितों की संख्या छह सौ पार, दस की मौत

पेज 1 का बाकी

मंत्रालय ने इसकी पुष्टि नहीं की है। उधर, मंगलवार को दिल्ली में जिस व्यक्ति की कोरोना संक्रमण की वजह से मौत बताई गई थी, उसे जांच में नेगेटिव पाया गया है। इसके बाद उसे कुल संख्या से हटा लिया गया।

बुधवार शाम पौने सात बजे तक देश में संक्रमितों की कुल संख्या 606 पहुंच गई थी जिसमें 43 विदेशी शामिल हैं। ठीक होने वालों की संख्या भी 42 हो गई है। यह संक्रमण देश के 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक पहुंच चुका है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक विदेशी समेत कुल 31 लोग संक्रमित हैं। महाराष्ट्र में देश में सबसे अधिक संक्रमण के 128 मामले सामने आए हैं जिनमें तीन विदेशी शामिल हैं। वहीं, केरल में भी संक्रमित लोगों की संख्या 100 से ज्यादा हो चुकी है। बुधवार तक यहां संक्रमितों की संख्या 109 हो चुकी थी जिसमें आठ विदेशी शामिल हैं।

मणिपुर में मंगलवार को कोरोना विषाणु संक्रमण का एक मामला सामने आया था जिसके बाद बुधवार को पूर्वोत्तर भारत के एक और राज्य मिजोरम में भी संक्रमण का एक मामला सामने आया है। कर्नाटक में 41, गुजरात में एक विदेशी समेत 38, उत्तर प्रदेश में एक विदेशी समेत 37, राजस्थान में दो विदेशी सहित 36, तेलंगाना में दस विदेशी समेत 35, पंजाब में 29, हरियाणा में 14 विदेशी सहित 28, तमिलनाडु में दो विदेशी सहित 18, मध्य प्रदेश में 14 और लद्दाख में 13 मामले सामने आए हैं। वहीं, आंध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल में नौ-नौ, चंडीगढ़ व जम्मू कश्मीर में सात-सात, बिहार में चार, उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश में तीन-तीन, ओड़ीशा में दो और मिजोरम, मणिपुर के अलावा पुदुचेरी और छत्तीसगढ़ में एक-एक मामला सामने आया है।

दिल्ली का मरीज जांच में नेगेटिव आया : स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली के जिस मरीज की मौत को हमारी ओर से कोरोना से हुई मृत्यु कहा गया था वो बाद में जांच के दौरान नेगेटिव निकला। इसके मद्देनजर हमने अपने आंकड़ों में तुरंत सुधार किया।

मंत्री समूह ने की स्थिति की समीक्षा : केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की अध्यक्षता में बुधवार कोविड-19 के मंत्री समूह की उच्चस्तरीय बैठक निर्माण भवन में हुई। बैठक में राज्यों की क्षमता मजबूत बनाने पर चर्चा की गई, जिसके लिए कोरोना के विशेष अस्पतालों की स्थापना, चिकित्सा संस्थानों में निजी सुरक्षा उपकरण, वेंटिलेटर और अन्य आवश्यक उपकरणों के लिए पर्याप्त संसाधन की उपलब्धता पूरी की जा सके। गुजरात, असम, झारखंड, राजस्थान, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और जम्मू कश्मीर कोरोना संक्रमण के प्रबंधन के लिए विशेष अस्पताल स्थापित कर रहे हैं।

अर्धसैनिक बलों के अस्पताल पृथक वार्ड में तब्दील : दिल्ली में अधिकारियों ने बताया कि पूरे देश में अर्धसैनिक बलों के 32 अस्पतालों को अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने बताया कि 1,900 बिस्तरों की क्षमता वाले इन अस्पतालों को पृथक वार्ड में तब्दील कर कोरोना वायरस संक्रमितों का इलाज किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के संयुक्त अस्पतालों को इस्तेमाल करने का त्वरित फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय की उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया जिसकी अध्यक्षता सीमा प्रबंधन के सचिव ने की।

सामाजिक दूरी बनाने के लिए हरिद्वार पुलिस ने शुरू की नई पहल

जनसत्ता संवाददाता

देहरादून 25 मार्च।

उत्तराखंड के सीमांत जिले हरिद्वार में पुलिस प्रशासन ने लोगों के बीच सामाजिक दूरी बनाने के लिए पहल की है। सुबह सात से दस बजे तक आवश्यक सेवाओं की दुकानें पूरे राज्य में खोली जा रही हैं। दुकानों में भीड़ भाड़ ना लगे इसके लिए हरिद्वार पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सेंथिल अबूदेई ने खुद मौके पर जाकर थानों में तैनात पुलिस वालों के साथ मिल कर लोगों को चार चार फीट की दूरी पर खड़ा करवाया और इसके लिए चुने से गोले बनवाए गए जिन की दूरी चार-चार फीट रखी गई

इसी तरह बंदी का उल्लंघन करने वाले करीब 300 से ज्यादा लोगों का चालान किया गया जिन युवकों को पुलिस थाने लाई उन्हें भी सामाजिक दूरी बना कर खड़ा किया गया। हरिद्वार की दिल्ली और मुरादाबाद जाने वाली सभी सीमाएं पूरी तरह सील कर दी गई हैं हरिद्वार से ना कोई वाहन बाहर जा पा रहा है और ना ही कोई वाहन आ रहा है। वहीं आज नव संवत्सर एवं चैत्र नवरात्रि के दिन सभी मंदिर सूने पड़े रहे।

चांदी के सिंहासन पर विराजे रामलला

पेज 1 का बाकी

आदित्यनाथ नए मंदिर में पूजा पाठ करने वाले प्रथम व्यक्ति रहे। राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, महासचिव चंपत राय ट्रस्ट के सदस्य राजा बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र, डॉ अनिल मिश्रा, महंत दिनेंद्र दास ने उनका सहयोग किया। काशी और प्रयागराज से आए आचार्यों तथा पुरोहित गणों ने शास्त्र सम्मत पूजा पाठ संपन्न कराया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यक्तिगत रूप से 11 लाख रुपए का चेक महासचिव चंपत राय को सौंपा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित ट्रस्ट के सदस्यों अयोध्या के प्रमुख साधु-संतों प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों मीडिया कर्मियों से कहा कि जब मानवता पर संकट आया, तब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम ने प्रेरणा दी रास्ता दिखाया है। हम धन्य हैं कि भगवान राम के मंदिर का प्रथम चरण पूरा हो गया है और दूसरा चरण आज ही आरंभ हो रहा है।

उन्होंने कहा कि कई पीढ़ियों से हम सब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मंदिर निर्माण के लिए प्रयत्नशील रहे हैं और अब अयोध्या के साधु-संतों हमारे पूर्वजों का सपना पूरा होने जा रहा है मुख्यमंत्री ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की इस पावन पर्व पर हजारों बरसों के बाद अयोध्यापुरी में भगवान राम आसन में विराजमान हुए हैं यह परम हर्ष का विषय है और हम सब इसके साक्षी बने हैं। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ मेकशिफ्ट स्ट्रक्चर से विराजमान रामलला को पुजारी सत्येंद्र दास से थाल में सजाकर प्राप्त किया और खुद लेकर अस्थाई मंदिर में आए।

प्रातः 4:00 बजे संपन्न हुए इस कार्यक्रम में कोरोना वायरस को देखते हुए डिस्टेंस मेंटेन किया गया जिससे बहुत कम संख्या में ही लोगों को आमंत्रित किया गया था। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए देश भर में लागू लॉकडाउन के चलते स्थानीय प्रशासन ने लोगों को इस अवसर पर इकट्ठा होने की अनुमति प्रदान नहीं की। हालांकि विपक्षी दलों ने मुख्यमंत्री की आलोचना करते हुए कहा कि आयोजन में हिस्सा लेकर उन्होंने अच्छा उदाहरण पेश नहीं किया ।

अयोध्या के कमिश्नर एमपी अग्रवाल डीआईजी डॉक्टर संजीव गुप्ता जिलाधिकारी एवं ट्रस्टी अनुज झा एसएसपी आशीष तिवारी साथ लगे रहे कार्यक्रम संपन्न होते ही मुख्यमंत्री लखनऊ के लिए प्रस्थान कर गए कार्यक्रम की जानकारी देते हुए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम वैदिक मंत्रों और शास्त्र सम्मत ढंग से संपन्न कराया गया इसके बाद नए अस्थाई मंदिर में दर्शन पूजन आम लोगों के लिए खोल दिया गया है।

काबुल में गुरुद्वारे पर हमला, 25 श्रद्धालुओं की मौत

पेज 1 का बाकी

को निशाना बनाया है। विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान सरकार से मिली जानकारी के आधार पर बताया कि शोर बाजार इलाके स्थित गुरुद्वारे पर हमला स्थानीय समयानुसार सुबह 07:45 बजे किया गया। उस समय गुरुद्वारे के भीतर करीब 150 श्रद्धालु मौजूद थे।

काबुल से प्रसारित समाचार चैनल 'टोलो न्यूज' ने वहां के गृह मंत्रालय के हवाले से कहा, 'काबुल स्थित सिख उपासना स्थल पर किए गए इस हमले में कम से कम 25 लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए।' उसने एक ट्वीट में कहा, 'काबुल के पीडी-1 स्थित सिख उपासना क्षेत्र 'धर्मशाला' पर हमला करने वाले सभी चार आत्मघाती हमलावर छह घंटे चली मुठभेड़ के बाद मारे गए। अफगान विशेष बलों ने इसकी पुष्टि की है।' मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित 80 लोगों को गुरुद्वारे से निकाला गया।

खबर में कहा गया है कि अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने सिख उपासना स्थल पर किए गए इस हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। काबुल की खामा प्रेस न्यूज एजंसी ने बताया कि आइएस ने एक बयान जारी करके इसकी पुष्टि की है कि उसके आतंकवादियों ने काबुल शहर में सिखों पर हमले को अंजाम दिया। इससे पहले, देश के मुख्य आतंकवादी समूह, तालिबान ने हमले में हाथ होने से इनकार किया था। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने एक बयान में कहा कि आतंकवादी समूह का काबुल के शोर बाजार इलाके में हमले से कोई संबंध नहीं है। विस्फोट स्थल की तस्वीरों में सुरक्षा बलों को घायल लोगों को स्ट्रेचर पर ले जाते दिखाया गया। कुछ अफगान मीडिया इकाइयों ने कुछ वीडियो साझा किए जिसमें पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को शहर के एक अस्पताल के बाहर नम आंखों के साथ इंतजार करते दिखाया गया। काबुल में पुलिस ने कहा कि गुरुद्वारे से कम से कम 11 बच्चों को बचाया गया।

सिख जनप्रतिनिधि नरेंद्र सिंह खालसा ने संवाददाताओं से कहा कि जब यह हमला हुआ तब गुरुद्वारे के अंदर करीब 150 लोग थे। अफगानिस्तान में सिख समुदाय के एकमात्र जनप्रतिनिधि ने कहा कि उन्हें गुरुद्वारे के अंदर से एक श्रद्धालु का फोन आया थ,। जिसने उन्हें हमले की सूचना दी। उन्होंने बताया, 'मैं मदद करने के लिए दौड़ा। हमले के समय गुरुद्वारे के अंदर लगभग 150 श्रद्धालु थे।' गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक अरियन ने कहा कि अफगान बलों ने काबुल के पीडी 1 में सिख उपासना क्षेत्र की पहली मंजिल को नियंत्रण में ले लिया है।

एनपीआर, जनगणना का पहला चरण स्थगित

पेज 1 का बाकी

और केंद्र शासित प्रदेशों में 2021 की जनगणना के पहले चरण के साथ ही एनपीआर को अद्यतन किया जाना भी प्रस्तावित था।

गृह मंत्रालय ने कहा कि कोरोना विषाणु महामारी के प्रकोप के कारण केंद्र के साथ-साथ राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा भी हाई अलर्ट घोषित किया गया है। बयान के अनुसार, इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए 2021 की जनगणना का पहला चरण और एनपीआर का अद्यतन किया जाना अगले आदेश तक स्थगित किया जाता है।

अधिकारियों ने कहा कि चूंकि जनगणना और एनपीआर प्रक्रिया में कर्मियों को हर घर जाने और लोगों से मिलने की जरूरत होती है। मौजूदा स्थिति के कारण ऐसा करना संभव नहीं है। इसलिए इसे स्थगित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है।

गृह मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि जनगणना की तैयारी और एनपीआर को अपडेट करने के काम की तैयारियां चरम पर हैं और यह काम एक अप्रैल से शुरू होगा। कई राज्य सरकारों ने एनपीआर का विरोध किया है। इन राज्यों में केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और बिहार शामिल हैं। हालांकि, उनमें से अधिकतर ने यह भी कहा कि वे जनगणना के दौरान घरों की सूची तैयार करने में सहयोग करेंगे।

हमला शैतानी मानसिकता का परिचायक : मंत्रालय

पेज 1 का बाकी

के धार्मिक उपासना स्थल पर ऐसा कायराना हमला, इन हमलावरों एवं उनका समर्थन करने वालों की शैतानी मानसिकता को दर्शाता है। मंत्रालय ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा, 'भारत इस घड़ी में अफगानिस्तान में प्रभावित हिंदू एवं सिख समुदाय के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने को तत्पर है। हम इस हमले में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।' हम अफगानिस्तान के लोगों एवं देश की सुरक्षा और इस हमले का जवाब देने के लिए अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों के पराक्रम, उनके साहस और समर्पण की सराहना करते हैं। मंत्रालय ने कहा, 'भारत, अफगानिस्तान में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण लाने के प्रयासों में वहां के लोगों, सरकार और सुरक्षा बलों के साथ खड़ा है।'

पंजाब व चंडीगढ़ में कर्फ्यू के बावजूद बाहर निकले लोग

पेज 1 का बाकी

अभी तक नहीं मिली हैं। मोहाली में प्रशासन ने कर्फ्यू में ढील दी थी लेकिन बाद में अपना आदेश वापस ले लिया। कोई विकल्प नहीं बचने पर कुछ जगहों पर लोग जरूरी सामान खरीदने नजदीकी बाजारों और दुकानों में गए। इस दौरान दूध और दवा की दुकानों पर लंबी कतारें देखी गईं। जिला प्रशासन ने ज्यादातर स्थानों पर दूध घरों पर पहुंचाने के लिए सुबह छह से नौ बजे तक का समय तय कर रखा है जबकि सुबह आठ बजे से 11 बजे तक सब्जी और दवाएं पहुंचाने का समय तय किया गया है। कोरोना को फैलने से रोकने के लिए पंजाब में सोमवार को कर्फ्यू लागू किया गया। यहां अभी तक कोरोना वायरस के 29 मामले सामने आ चुके हैं।

गोल घेरों और रेखाओं से काबू में होगा कोरोना

पेज 1 का बाकी

दौरान सामाजिक मेलजोल से दूरी बनाई जा सके। अमदाबाद, पाटन और कच्छ जिलों में किराने और दवा की दुकानों के बाहर ग्राहकों को घेरों के अंदर खड़ा रहने के लिए कहा गया है। ये घेरे एक दूसरे से एक या दो मीटर की दूरी पर बनाए गए हैं। पाटन मेडिकल शॉप ऑनर्स एसोसिएशन के महासचिव विनोद मोदी ने कहा, 'पाटन नगरपालिका के निर्देशानुसार किराना और दवा की दुकानों के बाहर घेरे बनाए जा रहे हैं। ग्राहकों को सामाजिक मेलजोल से दूरी पर अमल को एक या दो मीटर दूर बने इन घेरों में खड़े होने को कहा गया है।' अमदाबाद और वडोदरा में कई दुकानदार भी सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए यही तरीका अपना रहे हैं।

कच्छ जिले के मुंदरा, नखटराना और भुज में पुलिस दुकानदारों से ऐसे ही घेरे बनाने की अपील कर रही है। पुलिस अधीक्षक (कच्छ-पश्चिम) सौरभ तोलंबिया ने कहा, 'हमारे पुलिसकर्मी दुकानदारों से उनकी दुकानों के बाहर घेरे बनाने के लिए कह रहे हैं। कोरोना वायरस से लड़ाई में सामाजिक मेलजोल से दूरी काफी महत्वपूर्ण है।'

सुरक्षित अंतर बनाने के प्रयोग अलग-अलग शक्ल में अलग-अलग जगहों पर दिखाई दे रहे हैं। मसलन केरल में एक ग्राहकों को एक पाइप के जरिए करीब एक हाथ की दूरी से सामान दे रहा है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें दिख रहा है कि राशन दुकानदार पीवीसी से बने एक चौड़े पाइप के जरिए महिला ग्राहक के थैले में अन्न डाल रहा है। इस पाइप को एक मेज़ से बांधा गया गया है।

इस फोटो को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्वीट किया है और साथ में लिखा है, 'जरूरी सामान खरीदने के दौरान दुकानदार और ग्राहक के बीच भौतिक दूरी पर किस तरह अमल किया जाए। केरल का तरीका।' राज्य की सरकारी शराब की दुकानों पर भी लोग कतार में एक दूसरे से कम से कम एक मीटर की दूरी पर खड़े देखे जा रहे हैं।

सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए इस तरह का प्रयोग उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में देखा गया है जहां दुकानों के आसपास बहुत सारे गोल घेरे बनवाए हैं। कोरोना वायरस के चलते मुजफ्फरनगर जनपद के पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने कोरोनावायरस से बचाव के लिए सामाजिक दूरी बनाने हेतु प्रत्येक लाइनों में गोल घेरे बनवाए।

ई-वाणिज्य कंपनियों से सामान आपूर्ति रुकने पर सरकार का दखल, दिल्ली पुलिस ने दिया भरोसा

पेज 1 का बाकी

लागू लॉकडाउन के बीच ई-वाणिज्य कंपनियों को आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति में आ रही दिक्कतों को तत्काल दूर करें।

उपभोक्ता मामलों के सचिव पवन अग्रवाल ने भी कहा, 'हालांकि ई-वाणिज्य कंपनियों को दिक्कतें आने की खबरें मिल रही हैं। हमने यह मुद्दा राज्य सरकारों तथा स्थानीय प्रशासनों के साथ उठाया है। चीजें ठीक हो जाएंगी।' उन्होंने कहा कि बिग बास्केट जैसी ई-वाणिज्य कंपनियों ने विशिष्ट दिक्कतों की जानकारी दी है, राज्य सरकारों को उन्हें तत्काल दूर करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में सरकार का जोर होम डिलिवरी पर है। सचिव ने कहा कि सरकार बंदी की अवधि में आवश्यक आपूर्ति की आवाजाही में आ रही किसी भी प्रकार की दिक्कतों की निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने निगरानी के लिये एक नियंत्रण कक्ष बनाया है, जिसमें उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद हैं।

ई-वाणिज्य कंपनियों की शिकायतों के बाद दिल्ली के पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने कहा कि घरों में सामान पहुंचाने की कंपनियां जोमेटो, स्विगी, ब्लू डार्ट, ग्रोफर, फ्लिपकार्ड, बिग बाजार आदि एजंसियों के लोगों को भी बिना वजह रोकना पुलिस के लिए ठीक नहीं है। इन विषम परिस्थितियों में हमें नागरिकों की सहायता करनी चाहिए न कि बेवजह जांच के नाम पर कठिनाई पहुंचानी चाहिए। ऐसा करने से जरूरतमंदों के बीच इन वस्तुओं का अभाव भी हो सकता है। इधर, बंद के दौरान जल आपूर्ति निर्बाध ढंग से चल पाए इसके लिए दिल्ली जल बोर्ड ने कमर कस ली है। दिल्ली जलबोर्ड के सदस्य (पानी) शलभ कुमार ने जनसत्ता से कहा कि दिल्ली जलबोर्ड बंद के दौरान किसी भी तरह से पानी का संकट नहीं आने देगा। हां यह जरूर हो सकता है कि छह घंटे की बजाय पानी पांच घंटे ही आए या सामान्य दिनों में जितनी बार आता था उतनी बार न आए। कुमार ने बताया कि जलबोर्ड की ओर से उनको ड्यूटी पर आने के लिए ड्यूटी पास और आई कार्ड विशेष रूप से जारी किए गए हैं। इसके बावजूद उन्हें साधनों के अभाव में दफ्तर पहुंचने में दिक्कते आ रही है। क्योंकि जगह-जगह सीमाएं सील हैं व वाहनों को रोका जा रहा है। लिहाजा सभी उपनिदेशकों को निर्देश दिए गए हैं कि व संबंधित विभाग के कर्मचिरयों को ड्यूटी की जगह पर या उसके आसपास ठहरने का इंतजाम और उनके खाने का प्रबंध करें। फ्लिपकार्ट, अमेजॉन, ग्रोफर्स और बिग बास्केट जैसी कंपनियों के माध्यम से आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति में पुलिस द्वारा कई हिस्सों में लॉकडाउन के दौरान आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगाने जाने से इसमें अवरोध आ रहे हैं।

स्पेन में 738 व अमेरिका में 150 की मौत

पेज 1 का बाकी

24 घंटे में 150 अमेरिकियों ने इस संक्रमण से अपनी जान गंवा दी है। वहीं ईरान में भी बुधवार को 143 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 2,077 हो गई है। ईरान भी कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता कियानूश जहानपुर ने कहा कि हमारे साथियों को बीते 24 घंटे में 2,206 लोगों के कोरोना से संक्रमित होने की जानकारी मिली है जिसके साथ ही देश में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 27,017 हो गई है। अमेरिका में कोरोना विषाणु के एक दिन में ही करीब 10,000 मामले सामने आए हैं जबकि 150 अमेरिकियों ने इस संक्रमण से अपनी जान गंवा दी है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 12 अप्रैल यानी ईस्टर तक देश की अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने की उम्मीद जताई है।

लाखों अमेरिकियों के लॉकडाउन होने, नेशनल गार्ड और सैन्य बलों की कई राज्यों में तैनाती के बावजूद न्यूयॉर्क में ही कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और मंगलवार को कम से कम 5,000 नए मामले सामने आए। न्यूयॉर्क में अभी तक कोविड-19 के 25,000 से अधिक मामले सामने आए हैं और 210 लोगों की मौत हो चुकी है।

www readwhere com

प्रार्थना

पोप फ्रांसिस ने ईसाइयों से कोरोना के खात्मे के लिए बुधवार दोपहर को प्रार्थना करने का आह्वान किया। इस मौके पर इटली में मास्क पहन कर घर में प्रार्थना करती महिला श्रद्धालु।

भारत के प्रति एकजुटता जताई संयुक्त राष्ट्र ने

संयुक्त राष्ट्र, 25 मार्च (भाषा)।

संयुक्त राष्ट्र ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता जताई है। साथ ही विश्व संगठन की स्वास्थ्य एजंसी के एक शीर्ष अधिकारी ने कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 दिन के बंद के कदम को 'व्यापक और मजबूत' बताते हुए उसकी प्रशंसा की।

जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार, कोरोना विषाणु से दुनियाभर में मरने वाले लोगों की संख्या 18,915 हो गई और 165 से अधिक देशों तथा क्षेत्रों में संक्रमण के 422,900 से अधिक मामले सामने आए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार, भारत में बुधवार को कोरोना वायरस के मामले बढ़ कर 562 हो गए।

यूनाइटेड नेशंस न्यूज ने ट्वीट किया, 'संयुक्त राष्ट्र कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है।' वीडियो में रविवार को भारत में आहूत किए गए 'जनता कर्फ्यू' पर भी संज्ञान लिया गया जब देश के 1.3 अरब नागरिक सामाजिक दूरी बनाने की कोशिश के तहत सुबह सात बजे से रात नौ बजे तक अपने घरों में ही रहे। आम तौर पर भीड़भाड़ वाली, भारत की सड़कें उस दिन सुनसान पड़ी रहीं। यूएन न्यूज के वीडियो में रविवार को कई खाली सड़कों और शहरी इलाकों की तस्वीरें भी दिखाई गईं। यूएन न्यूज ने कहा, 'भारत में कोविड-19 वैश्विक महामारी को रोकने के लिए 21 दिन का बंद है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजंसी डब्लूएचओ सरकार से 'आक्रामक कार्रवाई' करने का अनुरोध करती है।' भारत में डब्लूएचओ के प्रतिनिधि हेंक बेकेडम ने वैश्विक महामारी से निपटने में देश के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे 'व्यापक और मजबूत' बताया। उन्होंने कहा, 'बीमारी को रोकने के

दुनियाभर में तीन अरब से अधिक लोग रहेंगे घर में

पेरिस, 25 मार्च विश्व भर में फैली कोरोना वायरस महामारी से लड़ने में सरकारों की जद्दोजहद के बीच करीब 70 देशों के तीन अरब लोगों को घरों के अंदर ही रहने को कहा गया है। अर्जेंटीना, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, इटली और अमेरिका के कई राज्यों ने अनिवार्य 'लॉकडाउन' उपाय लागू किए हैं। (**एएफपी**)

संयुक्त राष्ट्र की दो अरब डालर की योजना जारी

संयुक्त राष्ट्र, 25 मार्च। संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया के निर्धनतम देशों में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई के लिए बुधवार को दो अरब डॉलर की वैश्विक मानवीय सहायता योजना की शुरुआत की। यह महामारी पूरी मानव जाति के लिए खतरा पैदा कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पहल की घोषणा की। (**भाषा**)

कोरोना से दुनियाभर में 19,246 लोगों की मौत

पेरिस, 25 मार्च (एएफपी)।

दुनियाभर में कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या 19,246 हो गई है।

आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर एएफपी की गणना के अनुसार दिसंबर में चीन में इस वायरस का पहला मामला सामने आने के बाद 181 देशों में 427,940 मामले दर्ज किए गए। इटली में वायरस से 6,820 लोगों की मौत हो चुकी है और इससे 69,176 लोग संक्रमित है व 8,326 लोग ठीक हो गए हैं। स्पेन में मरने वालों की संख्या चीन से अधिक हो गई है। स्पेन में इससे 3,434 लोगों की मौत हुई है और 47,610 लोग संक्रमित हुए हैं।

चीन में कोरोना वायरस से 3,281 लोगों की मौत हुई है और इसके 81,218 मामले सामने आए हैं। कोरोना वायरस से प्रभावित अन्य देशों में ईरान है जहां 2,077 लोगों की मौत हुई और इससे 27,017 लोग संक्रमित हुए। फ्रांस में इस वायरस से 1,100 लोगों की मौत हुई और 22,302 मामले सामने आये है। अमेरिका में इससे 600 लोगों की मौत हुई जबकि इस वायरस के 55,225 मामले सामने आए हैं।

मंगलवार तक कैमरून और नाइजर में कोरोना वायरस से पहली मौत हुई जबकि लीबिया, लाओस और डोमिनिका में इस वायरस का पहला मामला सामने आया है। बामाको से प्राप्त एएफपी की खबर के मुताबिक पश्चिमी अफ्रीकी देश माली ने बुधवार को कोरोना वायरस के प्रथम दो मामले सामने आने की घोषणा की।

वहीं, त्रिपोली से प्राप्त खबर के अनुसार उत्तर अफ्रीकी देश लीबिया में भी इस वायरस से संक्रमण का पहला मामला सामने आया है। यूरोप में इस वायरस के 2,26,340 मामले सामने आ चुके हैं जबकि इससे 12,719 लोगों की मौत हुई। एशिया में इसके 99,805 मामले दर्ज किए गए और 3,593 लोगों की मौत हो चुकी है। कई देशों ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

पाक में 1000 से अधिक संक्रमित

इस्लामाबाद, 25 मार्च (भाषा)।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 1,000 के पार चले जाने के बाद सभी घरेलू उड़ानों का परिचालन दो अप्रैल तक के लिए रोक दिया गया है। यह कदम संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए उठाया गया है।

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने खबर दी है कि देश में कोविड-19 से संक्रमण के मरीजों की तादाद 1,037 हो गई है। सिंध में 413 मामले हैं, बलूचिस्तान में 115, पंजाब में 296, खैबर पख्तूनख्वा में 117, गिलगित-बाल्टिस्तान में 80, इस्लामाबाद में 15 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक मामला है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि देश में कोरोना वायरस से अबतक सात लोगों की मौत हो चुकी है और 18 मरीज़ ठीक हो चुके हैं। कोरोना वायरस के प्रकोप के मद्देनजर देश ने घरेलू उड़ानों के परिचालन को रोक दिया है।

विमानन मंडल के प्रवक्ता अब्दुल सत्तार खोखर ने कहा कि घातक कोरोना वायरस के फैलाव पर लगाम कसने के लिए यह फैसला लिया गया है। प्रतिबंध गुरुवार से प्रभावी होगा। पाकिस्तान ने इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन भी बंद कर दिया था। इस बीच, देश में पूर्ण लॉकडाउन है और लोगों से घरों में ही रहने के लिए कहा गया है। उन्हें सिर्फ आपात स्थिति में ही घरों से बाहर जाने की इजाजत दी जा रही है। एनडीएमए प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद अफज़ल के मुताबिक, सरकार ने अस्पतालों में परीक्षण क्षमता और अन्य सुविधाओं को बढ़ाने का संकल्प लिया है। चीन से शुक्रवार से नई चिकित्सा आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है।

प्रिंस चार्ल्स कोरोना से संक्रमित पाए गए

लंदन, 25 मार्च (भाषा)।

ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स बुधवार को नोवेल कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उनके कार्यालय ने इसकी पुष्टि की है। क्लेरेंस हाउस कार्यालय ने कहा कि महारानी एलिजाबेथ के सबसे बड़े बेटे प्रिंस चार्ल्स (71) में हल्के लक्षण दिखाए दिये हैं और उनकी तबीयत ठीक है। टेलीग्राफ की खबर के अनुसार चार्ल्स की पत्नी कैमिला (72) की कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। दोनों स्कॉटलैंड में अलग थलग रह रहे हैं। खबर में कहा गया कि एबरडीनशर में नेशनल हेल्थ सर्विस ने उनकी जांच की।

जी7 देशों ने सहमति जताई कि चीन गलत सूचना फैला रहा है : पोम्पिओ

वाशिंगटन, 25 मार्च (एएफपी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि सात औद्योगिक शक्तियों के समूह के विदेश मंत्रियों ने बुधवार को इस बात पर सहमति व्यक्त कि चीन कोरोना वायरस महामारी के बारे में गलत सूचना अभियान चला रहा है। वीडियो कांफ्रेंस के जरिये वार्ता के बाद अमेरिका के विदेश पोम्पिओ ने पत्रकारों से कहा, 'आज सुबह हुई बैठक में शामिल देशों में से हरेक को इस गलत सूचना अभियान के बारे में पूरी जानकारी थी और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, वास्तव में जो कुछ हुआ है, उससे ध्यान हटाने का प्रयास कर रही है।'

अमेरिका में भारी-भरकम राहत पैकेज से एशियाई बाजारों को भी राहत

हांगकांग, 25 मार्च (एएफपी)।

अमेरिका में कोरोना के आर्थिक असर को कम करने के लिये भारी-भरकम राहत पैकेज की तैयारी से अमेरिका और यूरोप के बाजारों उत्साह का संचार हुआ। इससे समर्थन पाकर एशियाई बाजार बुधवार को भी तेजी में रहे।

अमेरिका में सांसद दो हजार अरब डॉलर के राहत पैकेज को अंतिम रूप देने के करीब हैं। यह अमेरिका की अर्थव्यवस्था के आकार के करीब दस फीसद के बराबर का राहत पैकेज हो सकता है। इससे वैश्विक बाजारों में तबाही भरे कुछ सप्ताहों के बाद ऊर्जा का संचार हुआ। डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेट सदस्य चक शूमर ने अमेरिका के वित्त मंत्री स्टीवन म्नुचिन से मुलाकात के बाद सदन को बताया, 'इस समय कुछ ही मुद्दे बचे हैं, जिन पर सहमति नहीं बन पाई है। मुझे नहीं लगता कि इनके से किसी भी असहमति को अगले कुछ घंटे में दूर नहीं कर लिया जाएगा।' फेडरल रिजर्व द्वारा जितनी जरूरत होगी, उतनी नकदी छापने की दृढ़ इच्छा दिखाने के साथ ही इस भारी-भरकम राहत पैकेज की उम्मीद के ठोस हो जाने से मंगलवार को वॉल स्ट्रीट में शानदार तेजी देखने को मिली। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में मंगलवार को 1933 के बाद की सबसे बड़ी प्रतिशत बढ़त देखने को मिली।

ट्रंप व शीर्ष अमेरिकी नेता एहतियाती उपायों को दिखा रहे हैं ठेंगा

वाशिंगटन, 25 मार्च (एपी)।

अमेरिकी विदेश विभाग दुनिया भर को अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्राओं के खिलाफ चेतावनी दे रहा है लेकिन खुद उसके विदेश मंत्री माइक पोम्पियो इस सप्ताह अफगानिस्तान की यात्रा करके लौटे हैं। इसी तरह राष्ट्रीय राजधानी वाशिंगटन में सारे जिम बंद हैं लेकिन सीनेटर रैंड पाल जो खुद पेशे से आंखों के डाक्टर हैं, उन्होंने रविवार को सीनेट जिम में जमकर वर्कआउट किया। इस दौरान उन्हें अपने कोरोना वायरस टेस्ट की रिपोर्ट का इंतजार था और दुर्भाग्य से रिपोर्ट पॉजिटिव आई। कोरोना को फैलने से रोकने के लिए हाथ मिलाने की भी मनाही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इसका पालन नहीं किया। उनके अपने प्रशासन के जन स्वास्थ्य अधिकारियों ने हाथ मिलाने से परहेज करने के दिशानिर्देश जारी किए थे लेकिन उसके बावजूद ट्रंप गर्मजोशी के साथ लोगों से हाथ मिलाते रहे।

यही हाल सामाजिक दूरी बनाए रखने के निर्देश को लेकर देखा जा रहा है। लेकिन वाइट हाउस की नियमित ब्रीफिंग में एक भीड़भाड़ वाले मंच पर ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अधिकारी माजूद रहते हैं। पूरे अमेरिका में बंद की स्थिति है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह पर लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं लेकिन वाशिगटन में कुछ शक्तिशाली लोग एहतियाती उपायों को ठेंगा दिखा रहे हैं ।

मानवीय व्यवहार के विशेषज्ञों का कहना है, 'जैसा मैं कहता हूं वैसा करो, वैसा नहीं जैसा मैं करता हूं.. अमेरिकी नेता यही दिखा रहे हैं। शक्तिशाली नेताओं और अधिकारियों को लग रहा है कि आम जनता के लिए बनाए गए कानून और नियम उन पर लागू नहीं होते हैं।'

पेंसिलवेनिया विश्वविद्यालय में व्हार्टन स्कूल के प्रोफेसर मौरिस श्वित्जर कहते हैं, 'जब हमारे पास बहुत अधिक ताकत होती है तो हम अपने आप को अपवाद के रूप में देखते हैं और सोचते हैं कि नियम हम पर लागू नहीं होते।' श्वित्जर व्यवहार और निर्णय लेने की क्षमता विषय के विशेषज्ञ हैं। वह कहते हैं, 'हम वही करना चाहते हैं जो हमें अच्छा लगता है क्योंकि हमें लगता है कि शक्तिहीन या कमजोर तबके के लिए बने नियमों से हम नहीं बंधे हैं।'

हालांकि कई सीनेटरों ने पाल के व्यवहार की निंदा की है। सरकार के कोरोना वायरस निगरानी टीम के डाक्टरों का कहना है कि केंटुकी के रिपब्लिकन का व्यवहार 'निजी जिम्मेदारी' के आदर्श के प्रदर्शन के विपरीत है। अमेरिका के दो दर्जन से अधिक सांसद 70 और 80 साल की उम्र के फेरे में हैं जो कि उनके लिए अधिक खतरा पैदा करता है। अकेले पाल ही नहीं कई अन्य सीनेटर भी सीनेट के जिम का इस्तेमाल कीपैड के जरिए कर रहे हैं।

भारतवंशी प्रोफेसर ने किया कोविड-19 पर अध्ययन का नेतृत्व

लंदन, 25 मार्च (भाषा)।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के भारतीय मूल के प्रोफेसर ने कोविड-19 के विश्लेषण के लिए किए गए नए अध्ययन का नेतृत्व किया है। इससे संकेत मिला है कि कोरोना वायरस के संपर्क में आने वाले लोगों में से ज्यादातर लोग या तो इससे कम प्रभावित हुए हैं या फिर बीमार नहीं पड़े हैं। सुनेत्र गुप्ता ने अन्य सहकर्मियों के साथ इस अध्ययन को अंजाम दिया। गुप्ता ने कहा, 'चाहे 100 में से एक व्यक्ति गंभीर रूप से बीमार पड़ता हो तब भी आपको 35 फीसद रोग प्रतिरोधक क्षमता और हासिल करने की जरूरत है।' विश्वविद्यालय के नए अध्ययन में कहा गया है कि हो सकता है कि ब्रिटेन में वायरस मध्य जनवरी से फैल रहा हो, पहला मामला सामने आने से लगभग दो सप्ताह पहले और पहली मौत से एक महीने पहले और हो सकता है कि यह लगभग आधी आबादी को पहले ही संक्रमित कर चुका हो। प्रोफेसर गुप्ता और उनकी टीम ने कहा कि इस बारे में बेहतर सूचना की जरूरत है कि आबादी के कितने फीसद लोग संवेदनशील हैं।

वुहान में शुरू हुई बस सेवा

बेजिंग/वुहान, 25 मार्च (भाषा)।

चीन में विदेशों से आए कोरोना वायरस संक्रमित लोगों के 47 नए मामले सामने आए हैं और इसी बीच इस घातक वैश्विक महामारी के केंद्र वुहान में नौ सप्ताह के बंद के बाद पहली बार बुधवार को शहर के भीतर बस सेवा शुरू की गई।

चीन ने मध्य हुबेई प्रांत में पांच करोड़ 60 लाख से अधिक लोगों पर तीन महीने से लागू बंद को हटाने का मंगलवार को फैसला किया। हालांकि हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान में लंबे समय से जारी बंद आठ अप्रैल को समाप्त होगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि हुबेई और वुहान में कोविड-19 का कोई नया मामला सामने नहीं आया लेकिन शहर में चार लोगों की मौत होने से चीन में मृतक संख्या बढ़ कर 3,281 हो गई। चीन ने बुधवार को बताया कि चीनी मुख्यभूमि में घरेलू संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया।

तुर्की ने सऊदी अरब के 20 संदिग्धों पर खशोगी की हत्या का आरोप लगाया

इस्तांबुल, 25 मार्च (एएफपी)।

तुर्की के अभियोजकों ने बुधवार को कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान के दो पूर्व शीर्ष सहयोगियों सहित 20 संदिग्धों को रियाद के आलोचक जमाल खशोगी की 2018 में हत्या को लेकर आरोपित किया है।

अभियोजकों ने सऊदी अरब के उप खुफिया प्रमुख अहमद अल असीरी और शाही अदालत के मीडिया प्रमुख सऊद अल काहतानी पर अभियान का नेतृत्व करने और सऊदी अरब की टीम को आदेश देने का आरोप लगाया। 'द वाशिंगटन पोस्ट' के लिए लिखने वाले खशोगी (59) को अक्तूबर, 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में प्रवेश करने के बाद मार दिया गया था। वह तुर्की की अपनी मंगेतर हातिश सेंगिज से शादी के लिए कागजात प्राप्त करने के लिए वहां गए थे। तुर्की ने सऊदी अरब के स्पष्टीकरण से नाखुश होने के बाद इस हत्या मामले में अपनी जांच की। इस्तांबुल अभियोजक कार्यालय ने बयान में कहा कि असीरी और काहतानी पर इस हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया है।

हत्या का 18 अन्य संदिग्धों पर भी आरोप लगाया गया है। इसमें अक्सर विदेशी दौरों पर शहजादे के साथ जाने वाले खुफिया कर्मी महेर मुतरेब, फॉरेंसिक विशेषज्ञ सलाह अल-तुबैगी और सऊदी शाही गार्ड के सदस्य फहद अल-बालावी शामिल हैं। दोषी ठहराए जाने पर उन्हें आजीवन कारावास हो सकती है। मुतरेब, तुबैगी और बालावी उन 11 व्यक्तियों में शामिल है जिन पर रियाद में मुकदमा चल रहा है। सूत्रों का कहना है कि सुनवाई के दौरान इनमें से कई ने यह कहकर स्वयं का बचाव किया कि वे असीरी के आदेश का पालन कर रहे थे। इन लोगों ने असीरी को इस अभियान का सरगना बताया। तुर्की के अभियोजकों ने कहा कि 20 संदिग्धों के खिलाफ अनुपस्थिति में एक मामला चलाया जाएगा। उन्होंने हालांकि इसके लिए कोई तिथि नहीं दी। अभियोजकों ने संदिग्धों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं जो तुर्की में नहीं हैं।

बोको हराम के हमले में चाड के 92 सैनिकों की मौत

एन जमेना, 25 मार्च (एएफपी)।

चाड में बोको हराम के जिहादियों के घातक हमले में देश के 92 सैनिकों की मौत हो गई। चाड के राष्ट्रपति इदरिस डेबी इंतो ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह हमला लेक चाड इलाके में बढ़ाई जा रही जिहादी मुहिम के तहत किया गया जहां कैमरून, चाड, नाइजर और नाइजीरिया की सीमाएं मिलती हैं।

राष्ट्रपति ने मंगलवार को बताया कि बामो में रविवार रातभर हुए हमले में हमने 92 सैनिक और अधिकारी खो दिए। उन्होंने लाक प्रांत में हमलास्थल के दौरे के बाद कहा, 'ऐसा पहली बार है, जब हमने इतनी अधिक संख्या में अपने जवानों को खोया है।' एक जवान ने 'एएफपी' को बताया कि बामो में हुआ हमला कम से कम सात घंटे चला और मदद के लिए भेजी गई अतिरिक्त सेना को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि सेना के सशस्त्र वाहनों समेत 24 वाहन नष्ट हो गए हैं और बोको हराम सैन्य हथियारों को नौकाओं के जरिए साथ ले गया। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'शत्रु ने इस क्षेत्र में हमारी सेना पर बड़ा हमला किया।' बोको हराम ने लेक चाड घाटी में हालिया महीनों में अपने हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पूर्वोत्तर नाइजीरिया में बोको हराम के हमलों में 36 हजार लोगों की मौत हुई है और करीब 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

उत्तरी प्रशांत क्षेत्र में भूकम्प का झटका, हवाई में सुनामी की चेतावनी

मास्को, 25 मार्च (एपी)।

उत्तरी प्रशांत महासागर क्षेत्र में बुधवार को 7.5 तीव्रता का भूकम्प का झटका महसूस किया गया जिसके बाद रूस के सुदूर पूर्वी कुरील द्वीपसमूह पर करीबी समुद्र तटों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हवाई में सुनामी की आशंका को लेकर निगरानी रखी जा रही है। जापान के उत्तर में स्थित कुरील में 219 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में स्थित सेवेरो में भूकम्प का झटका महसूस किया गया।

अनुसूची I
प्रपत्र क
सार्वजनिक घोषणा
[भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड (स्वैच्छिक परिसमापन प्रक्रिया) विनियमावली, 2017 का विनियम 14]
ब्रिकबाइब्रिक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के हितधारकों के ध्यानार्थ

	सुसंगत विशिष्टियाँ	
1.	कार्पोरेट व्यक्ति का नाम	ब्रिकबाइब्रिक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड
2.	कार्पोरेट व्यक्ति के निगमन की तिथि	1 अक्टूबर, 2015
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट व्यक्ति निगमित/पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, दिल्ली
4.	कार्पोरेट व्यक्ति की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या	U70101DL2015PLC285887
5.	कार्पोरेट व्यक्ति के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	बी-50 ए, दूसरी मंजिल, अर्चना कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली-110048 भारत
6.	कार्पोरेट व्यक्ति के सम्बन्ध में परिसमापन आरंभन की तिथि	21 मार्च, 2020
7.	परिसमापक का नाम, पता, ई-मेल पता, दूरभाष नम्बर तथा पंजीकरण संख्या	नाम : देवेन्द्र उमराव आईपी पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-003/IP-N00223/2019-20/12640 ई-मेल : du.liquidation@gmail.com पता : फ्लैट सं. 603, टॉवर डी-1, क्लियो काउंटी, सेक्टर-121, नोएडा-201301 उ.प्र. दूरभाष नं. : +91-9810045874
8.	दावे जमा करने की अन्तिम तिथि	20 अप्रैल, 2020

- एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ब्रिकबाइब्रिक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने 21 मार्च, 2020 (परिसमापन प्रारम्भ करने की तिथि) को स्वैच्छिक परिसमापन प्रारम्भ कर दिया है।
- ब्रिकबाइब्रिक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के हितधारकों से एतद्वारा अपने दावों का प्रमाण 20 अप्रैल, 2020 को अथवा इससे पूर्व परिसमापक के समक्ष ऊपर प्रविष्टि 7 के समक्ष वर्णित पते पर प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।
- वित्तीय लेनदारों को अपने दावों का प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत करना होगा।
- कामगारों तथा कर्मचारियों सहित प्रचालनात्मक क्रेडिटर अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं अन्य सभी हितधारक अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं।
- प्रपत्र http://www.ibbi.gov.in/home/downloads से डाउनलोड किये जा सकते हैं।
- दावे के फर्जी अथवा भ्रामक प्रमाण की प्रस्तुति दण्डनीय होगी।

ह./-
(देवेन्द्र उमराव)
(स्वैच्छिक परिसमापक)
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 25.03.2020
आईपी पंजीकरण सं.: IBBI/IPA-003/IP-N00223/2019-20/12640

अनुसूची I
प्रपत्र क
सार्वजनिक घोषणा
[भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड (स्वैच्छिक परिसमापन प्रक्रिया) विनियमावली, 2017 का विनियम 14]
रेडस्टर डिजिटल लिमिटेड के हितधारकों के ध्यानार्थ

	सुसंगत विशिष्टियाँ	
1.	कार्पोरेट व्यक्ति का नाम	रेडस्टर डिजिटल लिमिटेड
2.	कार्पोरेट व्यक्ति के निगमन की तिथि	26 नवम्बर, 2015
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट व्यक्ति निगमित/पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, दिल्ली
4.	कार्पोरेट व्यक्ति की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या	U74900DL2015PLC287813
5.	कार्पोरेट व्यक्ति के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	बी-50 ए, दूसरी मंजिल, अर्चना कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली-110048 भारत
6.	कार्पोरेट व्यक्ति के सम्बन्ध में परिसमापन आरंभन की तिथि	21 मार्च, 2020
7.	परिसमापक का नाम, पता, ई-मेल पता, दूरभाष नम्बर तथा पंजीकरण संख्या	नाम : देवेन्द्र उमराव आईपी पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-003/IP-N00223/2019-20/12640 ई-मेल : du.liquidation@gmail.com पता : फ्लैट सं. 603, टॉवर डी-1, क्लियो काउंटी, सेक्टर-121, नोएडा-201301 उ.प्र. दूरभाष नं. : +91-9810045874
8.	दावे जमा करने की अन्तिम तिथि	20 अप्रैल, 2020

- एतद्वारा सूचना दी जाती है कि **रेडस्टर डिजिटल लिमिटेड** ने **21 मार्च,** 2020 (परिसमापन प्रारम्भ करने की तिथि) को स्वैच्छिक परिसमापन प्रारम्भ कर दिया है।
- **रेडस्टर डिजिटल लिमिटेड** के हितधारकों से एतद्वारा अपने दावों का प्रमाण **20 अप्रैल,** 2020 को अथवा इससे पूर्व परिसमापक के समक्ष ऊपर प्रविष्टि 7 के समक्ष वर्णित पते पर प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।
- वित्तीय लेनदारों को अपने दावों का प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत करना होगा।
- कामगारों तथा कर्मचारियों सहित प्रचालनात्मक क्रेडिटर अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्य सभी हितधारक अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं।
- प्रपत्र http://www.ibbi.gov.in/home/downloads से डाउनलोड किये जा सकते हैं।
- दावे के फर्जी अथवा भ्रामक प्रमाण की प्रस्तुति दण्डनीय होगी।

ह./-
(देवेन्द्र उमराव)
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.03.2020
(स्वैच्छिक परिसमापक)
आईपी पंजीकरण सं. :
IBBI/IPA-003/IP-N00223/2019-20/12640

www.readwhere.com

दिल्ली में बुधवार को पूर्ण बंदी के दौरान बंद दुकानों के बाहर बैठे दिहाड़ी मजदूर

बाजार में एक दिन में दशक की सबसे बड़ी तेजी, सूचकांक 1862 अंक उछला

मुंबई, 25 मार्च (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजारों– सूचकांक और निफ्टी में बुधवार को जोरदार तेजी आई। यह किसी एक दिन में एक दशक की सबसे बड़ी तेजी है। वैश्विक बाजारों में मजबूती और कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए सरकार के प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद में बाजार में उछाल आया।

वैश्विक बाजारों में तेजी का भी घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। अमेरिका में सरकार और संसद के ऊपरी सदन सीनेट के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए 2,000 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज को लेकर समझौते की घोषणा से वैश्विक बाजारों में तेजी आई।

बंबई शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत में उतार–चढ़ाव देखा गया। पर अंत में यह 1,861.75 अंक यानी 6.98 फीसद मजबूत होकर 28,535.78 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 516.80 अंक यानी 6.62 फीसद मजबूत होकर 8,317.85 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों में यह तेजी किसी एक दिन में एक दशक की सबसे बड़ी तेजी है।

सूचकांक के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे लाभ में रही। कंपनी का शेयर 15 फीसद मजबूत हुआ। उसके बाद कोटक बैंक, मारुति, एचडीएफसी बैंक और एसडीएफसी, टाइटन, एलएंडटी और एक्सिस बैंक का स्थान रहा। दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, ओएनजीसी, आइटीसी और बजाज ऑटो नुकसान में रहे। सभी खंडवार सूचकांकों में तेजी रही। ऊर्जा, वित्त, बैंक, वाहन और तेल व गैस सूचकांकों में 10 फीसद तक की तेजी आई।

आनंद राठी के प्रमुख (इक्विटी रिसर्च) नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि कोरोना संबंधी सार्वजनिक पाबंदी की नए सिरे से घोषणा से अनिश्चितता कम हुई है। सरकार के प्रोत्साहन उपायों के आश्वासन से भी निवेशकों की धारणा सुधरी है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को कोरोना वायरस संकट से निपटने और एक–दूसरे से होने वाले संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के लिए 21 दिन के बंद की घोषणा की। सोलंकी ने कहा कि वायदा व विकल्प खंड के अनुबंधों के गुरुवार को खत्म होने से पहले 'शार्ट कवरिंग' (सौदों को पूरा करने के लिए खरीदारी) से बाजार में आई यह तेजी चौतरफा रही। बड़ी, मझोली व छोटी कंपनियों के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को कोरोना वायरस झटके से उबारने के लिए जल्द ही वित्तीय पैकेज की घोषणा करेगी। वाइट हाउस और सीनेट के बीच कोरोनो वायरस महामारी के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव से निपटने के लिए 2,000 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज से जुड़े विधेयक पर सहमत होने से वैश्विक बाजारों में तेजी आई। इसका असर भी घरेलू बाजार पर पड़ा।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन के शंघाई, हांगकांग, जापान के टोक्यो और दक्षिण कोरिया के सोल बाजार के प्रमुख सूचकांक 8 फीसद तक मजबूत हुए। शुरुआती कारोबार में यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी 4 फीसद तक की तेजी चल रही थी।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 0.07 फीसद मजबूत होकर 27.17 डॉलर बैरल पर पहुंच गया।

गोएअर के सभी कर्मचारियों के मार्च के वेतन में होगी कटौती

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

गोएयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दूबे ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस महामारी ने विमानन क्षेत्र के राजस्व पर भारी असर डाला है और इसलिए गोएयर के सभी कर्मचारियों के मार्च के वेतन में कटौती की जाएगी।

गोएयर ने पहले ही लागत में कटौती के कुछ उपाय किए हैं। इन उपायों में पायलटों की छुट्टी करना, कर्मचारियों को क्रमिक रूप से अवैतनिक अवकाश पर जाने के लिए कहना और शीर्ष नेतृत्व के वेतन में 50 फीसद तक कटौती का फैसला शामिल है।

दूबे ने कर्मचारियों से एक आधिकारिक संदेश में कहा– वर्तमान परिस्थितियों में हमारे पास इसके सिवा कोई विकल्प नहीं बचा है कि मार्च महीने के लिए हम सभी के वेतन में कटौती करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सबसे कम वेतनमान को सबसे कम नुकसान हो। भारत ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले इंडिगो के सीईओ रंजय दत्ता ने पिछले हफ्ते कहा था कि कंपनी के वरिष्ठ कर्मचारियों के वेतन में 25 फीसद तक की कटौती होगी। एयर इंडिया ने भी कर्मचारियों के भत्तों में कमी करने का एलान किया है।

राज्यों को खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को कोरोना पाबंदी से छूट की केंद्र ने दी सलाह

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

केंद्र ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू सार्वजनिक पाबंदियों के दौरान खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के काम काज को बंद न कराने की सलाह दी है और इनकी आपूर्ति निरंतर बनाए रखने को कहा है।

सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों को लिखे पत्र में उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी)के सचिव गुरुप्रसाद महापात्र ने खुदरा दुकानों, दवा दुकानों, विनिर्माण इकाइयों के कर्मचारियों और परिचालकों को अपनी इकाइयों तक जाने की अनुमति देने को कहा है। सचिव ने 23 मार्च के पत्र में कहा है– कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए कई राज्यों में लॉकडाउन किया गया है। कई अन्य एहतियाती कदम उठाए गए हैं। इसको देखते हुए डीपीआइआइटी की तरफ से राज्य प्राधिकरणों को निर्देश दिया जाता है कि वे खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बाधित या उसे बंद नहीं करें क्योंकि वे खाने–पीने का सामान तैयार करते हैं। साथ ही बिना किसी बाधा के देश के नागरिकों के लिये इन सामानों की आपूर्ति बनाए रखे।

सचिव ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों को साफ–सफाई के कड़े मानदंडों के साथ अपने विनिर्माण संयंत्र खोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। धारा 144 या निषेधाज्ञा से छूट वाली इकाइयों में इन्हें भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के लिये कच्चा माल ले जाने वाले वाहनों को भी आने–जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। पत्र में सभी खुदरा, किराना, थोक दुकानें और दवा की दुकानों को भी खोलने की अनुमति देने को कहा गया है ताकि आम लोगों को कोई परेशानी नहीं हो और लोग अफरातफरी में खरीदारी नहीं करे।

बाजार में जरूरी सामान की उपलब्धता पर सरकार की नजर : पासवान

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए किए गए 21 दिनों के लॉकडाउन के बीच केंद्रीय खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने बुधवार को कहा कि सरकार बाजार में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता पर नजर बनाए हुए है। पासवान ने इस दौरान विनिर्माताओं और व्यापारियों को मुनाफाखोरी नहीं करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों के साथ संपर्क में है कि आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी न हो।

पासवान ने ट्वीट किया– सरकार कोरोना वायरस के खतरे से पैदा हुई स्थिति में तमाम आवश्यक वस्तुओं की बाजार में उपलब्धता पर लगातार नजर बनाए हुए है और सभी संबधित अधिकारी राज्य सरकारों के संपर्क में है ताकि कहीं भी किसी चीज की किल्लत न हो। साथ ही उन्होंने कहा– सभी उत्पादकों और व्यापारियों से भी अपील है कि इस घड़ी में मुनाफाखोरी से बचें। इस बीच केंद्र ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर 23 मार्च को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को राशन की दुकानों से खाद्य सामग्री बांटने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) से तीन महीने का खाद्यान्न उठाने की अनुमति दी थी।

आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए राज्यों को साफ निर्देश देने जरूरी: एचयूएल

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन के बीच एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बुधवार को कहा कि आवश्यक वस्तुओं के सुचारू परिवहन और आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए राज्यों में कानून लागू करने वाले अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देने की जरूरत है।

कंपनी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से कारखानों को चलाने और माल के परिवहन में काफी कठिनाई हो रही है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा– सरकार ने खानपान, सब्जियों, किराने के सामान और दवाओं को बंद से बाहर रखने के लिए अनुमति दी है। हालांकि, राज्यों में आदेश के लागू करने वाले अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाने की आवश्यकता है ताकि इन आवश्यक वस्तुओं और इनकी आपूर्ति श्रृंखला को काम करने की इजाजत दी जाए। एचयूएल रोजमर्रे में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों जैसे साबुन, हैंड सेनिटाइजर, कपड़े धोने वाला डिटर्जेंट, फ्लोर क्लीनर, कीटाणुनाशक और अन्य खाद्य सामग्री की आपूर्ति करता है।

प्रवक्ता ने कहा– हमारी प्राथमिकता लोगों की सुरक्षा करना है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने उपभोक्ताओं की हैंडवाश, सैनिटाइजर, फ्लोर क्लीनर और स्वच्छता उत्पादों की मांग को पूरा करें। प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी इन उत्पादों के निर्बाध उत्पादन और उसे बाजार में लाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है।

केंद्र ने कपड़ा निर्यात के लिए शुल्क प्रोत्साहन योजना की अवधि बढ़ाई

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

सरकार ने बुधवार को परिधान और चादर, कालीन जैसे मेड अप उत्पादों के निर्यात पर केंद्रीय और राज्य स्तरीय करों और शुल्कों का बोझ खत्म करने की योजना (आरओएससीटीएल) की अवधि बढ़ा दी।

एक सरकारी बयान में कहा गया है कि आरओएससीटीएल योजना की 31 मार्च, 2020 के आगे बढ़ाए जाने से उन करों और शुल्कों पर छूट मिलेगी जो अभी किसी अन्य व्यवस्था के तहत नहीं मिलती। इससे कपड़ा क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय का फैसला किया गया। बयान के अनुसार परिधान और चादर, कालीन जैसे मेड अप उत्पादों के निर्यात पर केंद्रीय और राज्य स्तरीय करों और शुल्कों का बोझ खत्म करने की योजना 1 अप्रैल, 2020 से जारी रहेगी। यह योजना तब तक जारी रहेगी जब तक कि इसे निर्यात वस्तुओं पर कर और शुल्क वापसी की नई योजना (आरओडीटीईपी) में समाहित न कर दिया जाए। आरओडीटीईपी निर्यातकों के लिए योजना है जिसके तहत निर्यातक निर्यात वाली वस्तुओं पर जो भी कर देते हैं, उसे वापस ले सकते हैं।

उन्हें यह छूट उन करों पर मिलेगी जो मौजूदा योजनाओं या प्रणाली के तहत रिफंड या छूट के दायरे में नहीं आते। वहीं आरओएससीटीएल योजना निर्यात से जुड़े सभी करों पर छूट उपलब्ध कराती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल सितंबर में ओओडीटीईपी योजना को मंजूरी दी। इसका मकसद निर्यातकों को राहत देना है। इससे सरकारी खजाने पर 50,000 करोड़ रुपए का बोझ आएगा। उन्होंने कहा कि आरओडीटीईपी मौजूदा प्रोत्साहन योजनाओं का स्थान लेगा और मौजूदा योजनाओं के मुकाबले निर्यातकों को अधिक राहत उपलब्ध कराएगा।

एअर इंडिया को घरेलू उड़ानें रोकने से रोज करोड़ों के नुकसान का अंदेशा

मुंबई, 25 मार्च (भाषा)।

सरकारी विमानन कंपनी एअर इंडिया को घरेलू उड़ानें निलंबित रहने की अवधि में रोजाना 30–35 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका है। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए देशभर में 31 मार्च तक घरेलू उड़ानें प्रतिबंधित कर दी गई हैं।

सूत्रों ने कहा– सरकार के आदेशों का पालन करते हुए अन्य विमानन कंपनियों की तरह हम भी किसी वाणिज्यिक उड़ान का परिचालन नहीं कर रहे हैं। हमारा इससे होने वाला दैनिक नुकसान 30 से 35 करोड़ रुपए के दायरे में रहने का अनुमान है। उड़ानों के निलंबन से हमारी ईंधन, ग्राउंड हैंडलिंग, हवाईअड्डा शुल्क जैसी लागत का बोझ घटा है। लेकिन हमें अभी भी वेतन–भत्तों, किरायों, न्यूनतम रखरखाव और ब्याज जैसे भुगतान करने हैं। एअर इंडिया की दैनिक आय 60 से 65 करोड़ रुपए है। इसमें 90 फीसद हिस्सेदारी यात्रियों से होने वाली आय से है। वेतन के तौर पर एअर इंडिया को हर माह करीब 250 करोड़ रुपए का भुगतान करना होता है जबकि विमानों के किराये पर कंपनी प्रतिमाह करीब तीन करोड़ डॉलर का भुगतान करती है। ब्याज वगैरह के भुगतान पर कंपनी को महीने 225 करोड़ का भुगतान करना होता है।

संशोधित सूचना

प्रपत्र क
सार्वजनिक घोषणा
[भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता बोर्ड (कॉर्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 6 के अधीन]
विज एड ऑप्टिमाईजर प्राईवेट लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानार्थ
संबंधित विवरण

1.	कॉर्पोरेट देनदार का नाम	विज एड ऑप्टिमाईजर प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि	14/08/2008
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कॉर्पोरेट देनदार निगमित/ पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज-दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट देनदार की कॉर्पोरेट पहचान संख्या/ सीमित दायित्व पहचान संख्या	U74300DL2008PTC182078
5.	कॉर्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई) का पता	यूजी-14 यू-158 [illegible] कॉम्पलेक्स, विकास मार्ग, नई दिल्ली पूर्व दिल्ली डी एल 110092
6.	कॉर्पोरेट देनदार के संबंध में ऋण शोध अक्षमता आरंभन तिथि	18.03.2020 (आईआरपी के नियुक्ति के आदेश की सूचना की प्रतिलिपि 19.03.2020 को प्राप्त हुई)
7.	ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया के समापन की पूर्वानुमानित तिथि	14.09.2020
8.	अंतरिम समाधान प्रोफेशनल के रूप में कार्यरत ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनल का नाम और रजिस्ट्रेशन नम्बर	नाम: श्री ताराचंद शर्मा पंजीकरण सं. IBBI/IPA-002/IP-N00218/2017-18/10670
9.	अंतरिम समाधान प्रोफेशनल का पता और ईमेल, जैसा कि बोर्ड में पंजीबद्ध है	पता: ओ-11, द्वितीय मंजिल, अम्बर टॉवर, संसारचन्द रोड, जयपुर-302001-राज. ईमेल: cstarachand@gmail.com
10.	अंतरिम समाधान प्रोफेशनल का, पत्राचार हेतु प्रयुक्त, पता और ईमेल	पता: ओ-11, द्वितीय मंजिल, अम्बर टॉवर, संसारचन्द रोड, जयपुर-302001-राज. ईमेल: cstarachand@gmail.com
11.	दावा प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	31.03.2020
12.	अंतरिम समाधान प्रोफेशनल द्वारा धारा 21 की उप-धारा (6 क) के क्लॉज (ख) के तहत अभिनिश्चित लेनदारों की श्रेणियां, यदि कोई	लागू नहीं
13.	किसी श्रेणी में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने हेतु चिह्नित ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनल के नाम (प्रत्येक श्रेणी के लिए तीन नाम)	लागू नहीं
14.	(क) संबंधित प्रपत्र और (ख) अधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण पर उपलब्ध है	(क) वेबलिंक https://ibbi.gov.in/home/downloads भौतिक पता: ओ-11, द्वितीय मंजिल, अम्बर टॉवर, संसारचन्द रोड, जयपुर-302001-राज. (ख) लागू नहीं

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण ने दिनांक 18.03.2020 को विज एड ऑप्टिमाईजर प्राईवेट लिमिटेड के विरुद्ध कॉर्पोरेट ऋण शोध अक्षमता प्रक्रिया आरंभ करने का आदेश दिया है।
विज एड ऑप्टिमाईजर प्राईवेट लिमिटेड के लेनदारों से एतद्द्वारा अपने दावों का प्रमाण 31.03.2020 को अथवा पूर्व अंतरिम समाधान प्रोफेशनल के समक्ष ऊपर आईटम 10 के समक्ष वर्णित पते पर प्रस्तुत करने की मांग की जाती है।
वित्तीय लेनदारों को अपने दावों का प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत करना होगा। अन्य सभी लेनदार अपने दावों का प्रमाण व्यक्तिगत रूप से डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों प्रस्तुत कर सकते हैं।
किसी श्रेणी के साथ संबंधित वित्तीय लेनदार जैसा कि प्रविष्टि सं 12 के समक्ष सूचीबद्ध है, अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए प्रविष्टि सं 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनलस में से अपनी पसन्द का अधिकृत प्रतिनिधि को प्रपत्र [illegible] में निर्दिष्ट करेगा। हस्ता/-
दावे के फर्जी अथवा भ्रामक प्रमाण की प्रस्तुति दण्डनीय होगी। श्री ताराचंद शर्मा अंतरिम समाधान प्रोफेशनल
दिनांक: 19.03.2020 स्थान: जयपुर आईपी पंजीकरण सं. IBBI/IPA-002/IP-N00218/2017-18/10670

सीओएआइ का ग्राहकों से आग्रह

किफायत से करें डाटा का इस्तेमाल ताकि चलती रहें आवश्यक सेवाएं

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

मोबाइल दूरसंचार सेवा कंपनियों के संगठन सीओएआइ ने बुधवार को मोबाइल उपभोक्ताओं से डेटा नेटवर्क का जिम्मेदारी से उपयोग करने का आग्रह किया ताकि आवश्यक सेवाएं संचार ढांचे पर आसानी से चल सकें।

सीओएआइ ने जनता से यह अपील ऐसे समय में की है, जब सरकार के कोरोना वायरस को रोकने के लिए किए गए उपायों के बाद से पिछले कुछ दिनों में डेटा का उपयोग करीब 30 फीसद बढ़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को महामारी के प्रसार को रोकने के लिए 21 दिनों के बंद की घोषणा की। घोषणा के तुरंत बाद केंद्र ने कहा कि इस अवधि के दौरान सभी सड़क, रेल और हवाई सेवाएं निलंबित रहेंगी। कोरोना वायरस से देश में कम से कम नौ लोगों की जान जा चुकी है और 550 से अधिक संक्रमित हैं।

भारतीय सेल्युलर ऑपरेटर संघ के महानिदेशक राजन मैथ्यूज ने कहा– हम लोगों से जिम्मेदारी के साथ नेटवर्क का इस्तेमाल करने के लिए कह रहे हैं... इंटरनेट और नेटवर्क के किसी भी गैर–जरूरी उपयोग से बचने के लिए... दूरदराज में चल रहे काम, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा, भुगतान और अन्य महत्वपूर्ण सेवाएं सुचारू रूप से और निर्बाध रूप से चल सकें। उन्होंने कहा कि मोबाइल उपयोगकर्ता व्यस्त समय के अलावा सुबह या देर शाम को ऑनलाइन गतिविधियां कर सकते हैं।

मोबाइल दूरसंचार सेवा कंपनियों के संगठन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में डेटा मांग में 20–30 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के बंद लागू करने और सामाजिक दूरी बनाने के चलते यह मांग बढ़ी है। उल्लेखनीय है कि नेटफ्लिक्स और फेसबुक जैसी कंपनियां वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम करने के लिए अपने प्लेटफार्मों पर वीडियो के लिए बिट दर कम कर रही हैं।

कच्चा तेल उत्पादन 6.4 फीसद घटा

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

देश का कच्चा तेल उत्पादन फरवरी में एक साल पहले की तुलना में 6.4 फीसद गिर गया। इसकी प्रमुख वजह निजी कंपनियों के परिचलन वाले तेल कुंओं का उत्पादन घटना है। हालांकि इस अवधि में ओएनजीसी के उत्पादन में बढ़ोतरी हई है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार फरवरी में देश का कच्चा तेल उत्पादन सालाना आधार पर 6.41 फसिद घटकर 23.9 लाख टन रह गया। पिछले साल फरवरी में यह 25.6 लाख टन था। सरकारी कंपनी ओएनजीसी का तेल उत्पादन इस दौरान 4.64 फसिद बढ़कर 16.7 लाख टन रहा। हालांकि निजी क्षेत्र के नियंत्रण वाले तेल कुंओं का उत्पादन 32.6 फसिद गिर गया है। जबकि राजस्थान के तेल कुंओं का उत्पादन 32.3 फसिद गिरा है। राजस्थान के तेल क्षेत्र का नियंत्रण वेदांता लिमिटेड के पास है। ऑयल इंडिया लिमिटेड का कच्चा तेल उत्पादन फरवरी में 13.13 फसिद गिरकर 2,46,260 टन रहा। इस दौरान प्राकृतिक गैस का घरेलू उत्पादन भी करीब नौ फीसद घटा है। फरवरी में यह 2.2 अरब घन मीटर रहा।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में 1340 करोड़ की पूंजी डाले जाने को मंजूरी

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने बुधवार को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में 1,340 करोड़ रुपए की पूंजी डाले जाने की योजना को मंजूरी दे दी।

सूचना व प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में पूंजी डालने से उनके दिए गए कार्जों पर भारांकित जोखिम की तुलना में उनका पूंजी आधार सुधरेगा। आआरबी को दी जाने वाली इस पूंजी के लिए केंद्र सरकार 670 करोड़ रुपए देगी और इनके प्रवर्तक बैंक इतनी ही राशि उपलब्ध कराएंगे।

पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड
सीआईएनः L24211RJ1946PLC000469
पंजीकृत कार्यालयः उदयसागर रोड, उदयपुर–313001 (राजस्थान)
फोनः 0294-2492451-55 फैक्सः 0294 – 2491946 ई–मेलः investor@piind.com वेबसाइटः www.piindustries.com

पोस्टल बैलेट परिणाम के घोषणा की सूचना

पीआई इंडस्ट्रीज ने पोस्टल बैलट के माध्यम से कंपनी के सदस्यों की स्वीकृति मांगी जिसमें निम्नलिखित विशेष संकल्प के लिए ई–वोटिंग की सुविधा शामिल है। श्री आशीष कुमार फ्रेंड्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पोस्टल बैलेट और रिमोट ई–वोटिंग की प्रक्रिया के संचालन के लिए स्क्रूटिनीजर के रूप में नियुक्त किया गया था, स्क्रूटिनीजर की रिपोर्ट दिनांक 23.3.2020 के आधार पर, पोस्टल बैलट का परिणाम कंपनी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा 24.3.2020 को घोषित किया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार संक्षेप में दिए गए हैं

विशेष संकल्प के विवरण	समेकित (डाक मत पत्रों के माध्यम से ई–वोटिंग और मतदान)				
	कुल मतों की संख्या	मतों के पक्ष में	मतों की संख्या के विरुद्ध	मतों के पक्ष में प्रतिशत	मतों के विरुद्ध में प्रतिशत
एक या एक से अधिक किस्तों में धन जुटाने के लिए क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशन प्लेसमेंट (एसक्यूआईपी) के जरिए इक्विटी शेयरों और/या अन्य योग्य प्रतिभूतियों को जारी करने के लिए, जो कि 2000 करोड़ रूपये से अधिक की राशि के लिए नहीं है।	110976569	110939435	37134	99.97	0.03

विशेष प्रस्ताव सदस्यों द्वारा अपेक्षित बहुमत के साथ पारित किया गया। परिणामों एवं स्क्रूटिनीजर की रिपोर्ट कंपनी के पंजीकृत कार्यालय एवं कॉर्पोरेट कार्यालय में होस्ट किए गए हैं, जो एनएसडीएल और स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किए गए हैं और कंपनी और एनएसडीएल वेबसाइट पर स्क्रूटिनीजर रिपोर्ट के साथ प्रदर्शित किए गए हैं।

कृते पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड
हस्ता/–
नरेश कपूर
कंपनी सचिव

स्थानः गुड़गांव
दिनांकः 24.03.2020

पूर्ण बंदी से अर्थव्यवस्था को हो सकता है नौ लाख करोड़ का नुकसान

मुंबई, 25 मार्च (भाषा)।

विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिये देश भर में की गयी बंदी (लॉकडाउन) से अर्थव्यवस्था को 120 अरब डॉलर (करीब नौ लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो सकता है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के चार फीसद के बराबर है। उन्होंने राहत पैकेज की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में भी कटौती की।

उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक तीन अप्रैल को अगली द्वैमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निष्कर्षों की घोषणा करने वाला है। विश्लेषकों का अनुमान है कि रिजर्व बैंक नीतिगत दर में बड़ी कटौती करेगा। यह भी मानकर चलना चाहिए कि राजकोषीय घाटा का लक्ष्य अब पार हो जाना तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए तीन सप्ताह के लिए राष्ट्रव्यापी बंदी की घोषणा की है। शोध–सलाह कंपनी बार्कलेज ने वित्त वर्ष 2020–21 के लिए वृद्धि दर के अनुमान में 1.7 फीसद की कटौती कर इसके 3.5 फीसद रहने का अनुमान व्यक्त किया है। उसने कहा– हमारा अनुमान है कि राष्ट्रव्यापी बंदी की कीमत करीब 120 अरब डॉलर यानी जीडीपी के चार फीसद के बराबर रह सकती है। कंपनी ने कहा कि केंद्र सरकार की तीन सप्ताह की बंदी से ही 90 अरब डॉलर का नुकसान होगा। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र जैसे कई राज्य पहले ही बंदी कर चुके हैं, उससे भी नुकसान होगा।

बार्कलेज ने यह भी कहा कि अप्रैल में रिजर्व बैंक रेपो दर में 0.65 फीसद की कटौती करेगा और अगले एक साल में इसमें एक और फीसद की कटौती की जाएगी। घरेलू शोध–सलाह कंपनी एमके ने अन्य देशों की तुलना में शीघ्रता से कदम उठाने को लेकर सरकार को बधाई देते हुए कहा कि इससे होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करने के लिये उपाय नहीं किये गये हैं। उसने कहा– सरकार बंदी के आर्थिक असर को लेकर अभी तक चुप ही रही है, असर को कम करने के उपायों को तो छोड़ ही दीजिए।

कंपनी ने कहा कि नोटबंदी तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दोहरी मार झेलने वाले असंगठित क्षेत्र पर इसका सर्वाधिक असर होगा। उसने छोटी कंपनियों को सस्ता कर्ज देने, कर्ज का पुनर्गठन करने और नकदी हस्तांतरण को सरकार के पैकेज के संभावित उपाय बताया।

कृषि रसायन कंपनियों ने की कोरोना प्रतिबंधों से छूट की मांग

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

कृषि रसायन बनाने वाली कंपनियों के संगठन क्राप लाइफ इंडिया ने बुधवार को सरकार से आग्रह किया कि उन्हें कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए निषेधाज्ञा से छूट मिले और उन्हें अपना उत्पादन , वितरण और बिक्री के कार्य जारी रखने दिया जाए।

क्रापलाइफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक ए सेन ने कहा कि खरीफ का सीजन आने ही वाला है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में काम आने वाले रसायनों से जुड़ी सभी गतिविधियों को पाबंदी से मुक्त रखा जाए। संगठन में 18 कंपनियां जुड़ी हैं।

www.readwhere.com

बंदी के बीच आवश्यक सेवाओं में जुटे लोगों का होगा जीवन बीमा

जनसत्ता संवाददाता
देहरादून, 25 मार्च।

उत्तराखंड

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बुधवार को विधानसभा में एलान किया कि उत्तराखंड में कोरोना वायरस से रोकथाम में लगे स्वास्थ्य कर्मियों, सफाई कर्मियों, चिकित्सकों तथा खबरों का कवरेज करने वाले मीडिया कर्मियों का राज्य सरकार अपनी ओर से बीमा करवाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं राज्य का बजट पास होने और मुख्यमंत्री के समापन के भाषण के साथ ही राज्य का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

उन्होंने सभी विधायकों और राज्य की जनता से अपील की कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर आगामी इक्कीस दिनों तक अपने घर में रहें। उन्होंने कहा कि कोरोना को भारत एवं उत्तराखंड परास्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन एवं चिकित्सा विशेषज्ञों से सलाह लेते हुए हमारी सरकार ने अनेकों प्रभावी कदम उठाए हैं। अधिकारियों द्वारा लगातार स्थिति पर निगाह रखी जा रही है। इस महामारी से लड़ने के प्रयास में उत्तराखंड भारत के अग्रणी राज्यों में से एक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रयासों के अंतर्गत एपिडेमिक डिजीज कंट्रोल एक्ट 1897 के प्रावधानों के अंतर्गत कोविड-19 रेगुलेशन राज्य में लागू किया गया तथा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य टास्क फोर्स का गठन किया गया है। साथ ही मंत्रिमंडल की दो आपात बैठकें इस चुनौती से निपटने हेतु की जा चुकी हैं। राज्य में संक्रमण की संभावना को देखते हुए भारत-नेपाल सीमा की समस्त चौकियों में जनपद चंपावत के बनबसा व टनकपुर में, जनपद पिथौरागढ के धारचुला, बलुवाकोट, जोलजीवी, बालाघाट व ड्यूरा में तथा जनपद उधमसिंह नगर के खटीमा से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। अबतक उक्त जगहों पर 55109 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है, जिसमें कोई भी कोरोना संक्रमण संदिग्ध नहीं मिला है। प्रत्येक स्क्रीनिंग प्वाइंट पर मेडिकल टीम, एंबुलेंस, इन्फ्रारेड थर्मामीटर की व्यवस्था की गई है। वतर्मान में अंतरराष्ट्रीय सीमा को सील कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य में एयरपोर्ट अथॉरिटी से समन्वय करते हुए देहरादून, पंतनगर व पिथौरागढ़ एयरपोर्ट पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 50016 यात्रियों स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जिसमें कोरोना वायरस के संदिग्ध लक्षण वाला कोई भी व्यक्ति नहीं पाया गया। वर्तमान में घरेलू उड़ानें भी पूर्णतः बंद कर दी गई हैं। 31 दिसंबर, 2019 के बाद से चीन व अन्य प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की सूची समय-समय पर भारत सरकार द्वारा राज्य सरकार को प्रदान की जा रही है। वतर्मान में 2082 लोगों की सूची प्राप्त की गई है। इन सभी की एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग की जा चुकी है। सूची में से 628 लोग 28 दिन की निगरानी अवधि पूर्ण कर चुके हैं। 131 लोग राज्य से बाहर जा चुके हैं। अब तक 1323 लोग निगरानी अवधि में हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विषाणु के आने का प्रमुख मार्ग राज्य में नए व्यक्तियों का आवागमन ही है इसलिए सभी घरेलू तथा अन्तरराष्ट्रीय पर्यटकों को 20 मार्च से अग्रिम आदेशों तक प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। भीड़ को रोकने के लिए सभी स्कूल,कॉलेजए सिनेमा हाल, मॉल आदि तक बंद किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि इसके साथ-साथ समस्त जनपदों में आइसोलेशन फैसिलिटी व संस्थागत क्वारेंटाइन की व्यवस्था की गई है।

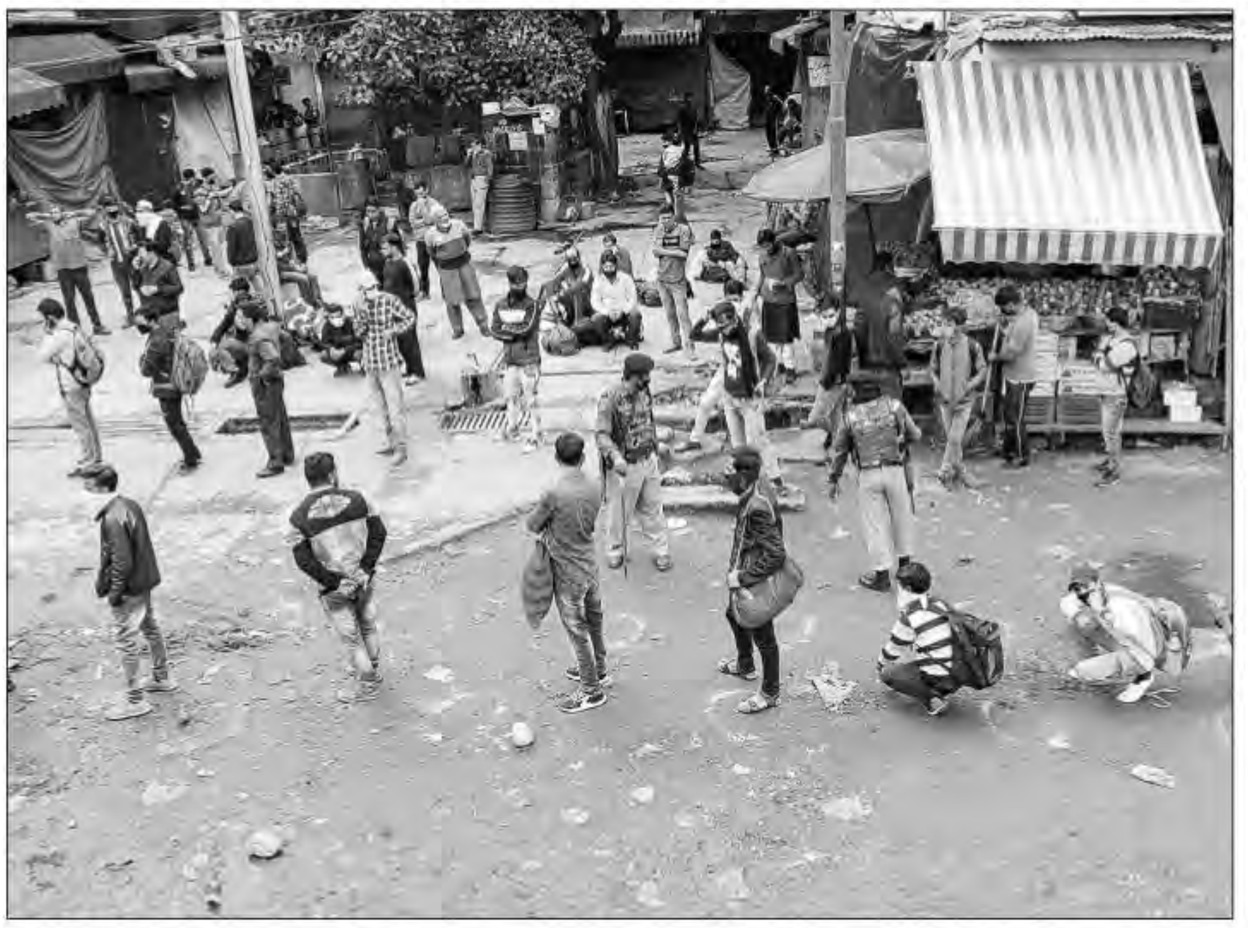

जम्मू में बुधवार को बस टर्मिनल पर सामाजिक दूरी बनाकर बस का इंतजार करते यात्री।

महाराष्ट्र : बंदी के बीच पुलिसकर्मियों से मारपीट, मामला दर्ज

ठाणे, 25 मार्च (भाषा)।

कोविड-19 को काबू करने के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन के बीच महाराष्ट्र में ठाणे जिले के कल्याण कस्बे में पुलिसकर्मियों के लिए कथित रूप से आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करने और उनसे मारपीट करने के मामले में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

खडकपाडा थाने के वरिष्ठ निरीक्षक एएच पवार ने बताया कि यह घटना मंगलवार को दोपहर बाद उस समय हुई जब खडकपाडा में गांधारी पुल पर पुलिस की एक टीम गश्त कर रही थी। अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने एक स्कूटर पर जा रहे दो लोगों को रोककर उन्हें निषेधाज्ञा के बारे में बताया और उनसे घर लौटने को कहा।उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपियों ने पुलिसकर्मियों से बहस की और उनके लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया और उनसे मारपीट भी की। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 353 (जनसेवक को उसका कर्तव्य करने से रोकना) और 188 (सरकारी आदेश की अवहेलना करना) समेत भारतीय दंड संहिता की अन्य प्रासंगिक धाराओं और आपदा प्रबंधन कानून 2005 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इंदौर में पांच नए मरीज मिलने के बाद पूर्ण बंदी को कर्फ्यू में बदला

इंदौर, 25 मार्च (भाषा)।

स्थानीय अस्पतालों में भर्ती पांच मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि के बाद बुधवार को प्रशासन ने पूर्ण बंदी को कर्फ्यू में बदल दिया। पूर्ण बंदी पिछले दो दिन से लागू था।

अधिकारियों ने बताया कि कलक्टर और जिला दंडाधिकारी लोकेश कुमार जाटव ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत इंदौर की नगरीय सीमा में कर्फ्यू लगाए जाने का आदेश जारी किया। उन्होंने बताया कि यह बड़ा कदम शहर में ज्यादा से ज्यादा सामाजिक दूरी बनाने के उपायों के तहत उठाया गया ताकि कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि जन सामान्य के लिए जरूरी और जीवन रक्षा से जुड़ी सेवाओं को कर्फ्यू के दायरे से बाहर रखा गया है। अनाज, दूध, किराना और फल-सब्जियां सरीखी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की दुकानें गुरुवार (26 मार्च) से आगामी आदेश तक सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक खुली रहेंगी।

इस बीच, मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रवीण जड़िया ने बताया कि शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती दो महिलाओं समेत पांच मरीजों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें से किसी भी मरीज ने पिछले दिनों विदेश यात्रा नहीं की थी। यानी वे देश के भीतर ही इस घातक बीमारी की जद में आए हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आए मरीजों में शामिल 65 साल की महिला पड़ोसी उज्जैन जिले की रहने वाली है। हालांकि, उसका इलाज इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में चल रहा है।

जड़िया ने बताया कि कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए चार अन्य मरीज इंदौर के ही अलग-अलग इलाकों में रहते हैं। इनमें 50 साल की महिला, 48 साल का पुरुष, 68 साल का पुरुष और 65 साल का पुरुष शामिल है। ये मरीज शहर के दो निजी अस्पतालों में भर्ती हैं। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि इन पांचों मरीजों में से किसी ने भी पिछले दिनों विदेश यात्रा नहीं की थी। इनमें शामिल दो पुरुष मरीज आपस में मित्र हैं जो इसी महीने साथ में वैष्णोदेवी की तीर्थ यात्रा पर गए थे और हाल में लौटे हैं।

कोरोना संक्रमित मौलवी के संपर्क में आए 53 लोगों को पृथक किया

पत्नी और बेटे के नमूने भी परीक्षण के लिए भेजे

मुंबई, 25 मार्च (भाषा)।

नवी मुंबई में एक मस्जिद में फिलीपीन के कुछ नागरिकों के संपर्क में आए एक मौलवी की कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके बाद उसके संपर्क में आए लगभग 53 व्यक्तियों को पृथक कर दिया गया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने बुधवार को दी। यह मौलवी महाराष्ट्र में अब तक मिले कोविड-19 के 112 रोगियों में से एक है।

नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) के एक अधिकारी ने कहा कि मौलवी की पत्नी और बेटे के नमूने भी परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। फिलीपीन के सात नागरिक तीन से 12 मार्च के बीच नवी मुंबई के वाशी स्थित मस्जिद आए थे और बाद में उनमें से तीन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 से संक्रमित फिलीपीन के नागरिकों में से एक मरीज बाद में ठीक हो गया था लेकिन उसकी रविवार रात मुंबई के कस्तूरबा अस्पताल में मौत हो गई थी। उसके गुर्दे खराब हो गए थे। मौलवी भी उसके संपर्क में आया था।

उन्होंने कहा कि मौलवी की मंगलवार को कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद करीब 53 लोगों को पृथक कर दिया गया है, जो उस अवधि के दौरान मस्जिद में मौजूद थे जब फिलीपीन से आए लोग वहां आए थे। उन्होंने कहा कि मस्जिद के आसपास के 1,200 से अधिक घरों की जांच की गई और क्षेत्र को कीटाणु-मुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि अब तक नवी मुंबई से कोविड-19 के पांच मामले आए हैं, जिसमें मस्जिद का मौलवी, फिलीपीन के तीन नागरिक और नवी मुंबई के ऐरोली का एक निवासी शामिल है जो तुर्की गया था।

अधिकारी ने कहा कि नवी मुंबई में अब तक लगभग 250 लोगों को घर पर पृथक रहने की सलाह दी गई है। साथ ही 58 लोगों को एनएमएमसी की पृथक इकाई में रखा गया है, जिन्होंने विदेश यात्रा की है। उन्होंने कहा कि 10 लोगों की घर पर पृथक रहने की अवधि बुधवार को खत्म हो गई और चूंकि उनमें कोरोना वायरस के कोई लक्षण नहीं पाए गए, इसलिए उन्हें छोड़ दिया गया।

नगालैंड : ग्राम परिषदों ने लोगों का प्रवेश किया प्रतिबंधित

कोहिमा, 25 मार्च (भाषा)।

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशभर में लागू लॉकडाउन (बंद) के पहले दिन नगालैंड की राजधानी कोहिमा में बुधवार को सड़कें वीरान रहीं। जरूरी सामान खरीद रहे लोगों को छोड़कर बाकी सभी लोग घरों में ही हैं और वाहन सड़कों से नदारद रहे।

आवश्यक सामान एवं दवाइयां खरीदने के लिए बाहर निकल रहे लोगों को छोड़कर बाकी लोगों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने के लिए जिलों में अहम स्थानों पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी निजी वाहनों को रोक रहे हैं और उनके बाहर निकलने की वजह की पुष्टि करने के बाद ही उन्हें जाने दिया जा रहा है। कोहिमा में लोगों को घरों से बाहर निकलने से रोकने के लिए अंगामी युवा संगठन के स्वयंसेवकों को महत्वपूर्ण जगहों पर तैनात किया गया है। कई ग्राम परिषदों ने गांवों में लोगों का प्रवेश और ग्रामीणों का क्षेत्र से बाहर जाना प्रतिबंधित करने के लिए कड़े आदेश जारी किए हैं।

बिहार : कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या चार हुई

पटना, 25 मार्च (भाषा)।

पटना शहर स्थित नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) में भर्ती एक और मरीज (29) में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद बिहार में इस रोग से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर अब चार हो गई जबकि इससे शनिवार को एक मरीज की मौत हो गई थी।

बिहार स्वास्थ्य सोसायटी की स्टेट सर्विलांस ऑफिसर डॉ रागिनी मिश्र ने बुधवार को बताया कि एनएमसीएच में भर्ती एक और मरीज में कोरोना वायरस के संक्रमण की आज सुबह पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि पटना सिटी के मालसलामी इलाका निवासी यह मरीज गुजरात से गत 8 मार्च को आए थे और वे गत 21 मार्च को एनएमसीएच में भर्ती कराए गए थे।

बिहार में अबतक कोरोना वायरस के 275 संदिग्ध नमूनों की जांच की जा चुकी है। इनमें से चार को संक्रमण की पुष्टि हुई। शेष 268 की रिपोर्ट सामान्य आई है। कोरोना वायरस से संक्रमित चार मामलों में से मुंगेर निवासी एक मरीज की शनिवार को पटना स्थित एम्स में मौत हो गई थी। कोरोना वायरस के संक्रमण वाले तीन अन्य मामलों में से एक मरीज पटना एम्स में भर्ती है तथा दो अन्य मरीज का इलाज एनएमसीएच में जारी है।

महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमित दंपति स्वस्थ, अस्पताल से छुट्टी

पुणे, 25 मार्च (भाषा)।

महाराष्ट्र में कोविड-19 से सबसे पहले संक्रमित पाए गए पुणे के दंपति को अब दो बार हुई जांच में संक्रमित नहीं पाया गया है और उन्हें बुधवार को अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। एक स्वास्थ्य अधिकारी ने यह जानकारी दी।

दंपति को यहां नौ मार्च को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें पुणे नगरपालिका की एंबुलेंस में घर ले जाने की तैयारी है। पुणे नगर निकाय के स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा, '14 दिन तक पृथक रखने के बाद सोमवार को उनके पहले नमूने संक्रमित नहीं पाए गए। मंगलवार को अगले 24 घंटे में दोबारा नमूने भेजे गए और उसमें भी दंपति संक्रमित नहीं पाया गया।' दंपति और उनकी बेटी 40 सदस्यीय पर्यटकों के उस समूह का हिस्सा थे जो एक मार्च को दुबई से मुंबई लौटा था। वे एक कैब में मुंबई से पुणे गए थे। दंपति के अलावा उनकी बेटी और कैब चालक भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। अधिकारी ने बताया कि अलग रहने की 14 दिन की अवधि के बाद उनकी बेटी, कैब चालक और दुबई यात्रा का एक और व्यक्ति मंगलवार को जांच में संक्रमित नहीं पाए गए।

उन्होंने कहा, 'उनके नमूनों को दोबारा आज भेजा जाएगा और अगर वे संक्रमित नहीं पाए गए तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।'

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank
क्षेत्रीय कार्यालय-II, तमिल संगम बिल्डिंग, सेक्टर-5
आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110022
दूरभाष : 011-26173274, 76, 77

हम निम्नलिखित सम्पत्तियों की नीलामी के परिप्रेक्ष्य में सम्बद्ध समाचार-पत्रों में प्रकाशित निम्नलिखित विज्ञापनों का सन्दर्भ देते हैं :

क्र. सं.	शाखा का नाम	कर्जदार का नाम	विज्ञापन की तिथि	समाचार पत्र का नाम जिसमें विज्ञापन प्रकाशित हुआ था
1	कीर्ति नगर	रेबसेब डिजाइन्स	19.02.2020	फाइनेंशियल एक्सप्रेस एवं जनसत्ता
2	हैदरपुर	हार्वेस्ट होम एप्लियांसेज	07.03.2020	फाइनेंशियल एक्सप्रेस एवं जनसत्ता
3	पंजाबी बाग	देवी ओवरसीज	28.02.2020	फाइनेंशियल एक्सप्रेस एवं जनसत्ता
4	ईस्ट पटेल नगर	शनूर ट्रेडिंग	28.02.2020	बिजिनस स्टैण्डर्ड अंग्रेजी एवं हिन्दी
5	ईस्ट पटेल नगर	एबीए पॉलीटेक्स	28.02.2020	फाइनेंशियल एक्सप्रेस एवं जनसत्ता
6	छावला	शुभम स्टार	20.02.2020	फाइनेंशियल एक्सप्रेस एवं जनसत्ता

जनसामान्य को इस विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कोविड-19 के कारण उपर्युक्त ई-नीलामी को अगली सूचना/प्रकाशन तक स्थगित किया जाता है।
स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 25.03.2020
अधिकृत प्राधिकारी
सिंडीकेट बैंक

बंदी के बीच सरकार ने समय का सदुपयोग करने के तरीके सुझाए

नई दिल्ली , 25 मार्च (भाषा)।

देश में कोरोना वायरस के प्रसार की रोकथाम के लिए लागू 21 दिन के लॉकडाउन के मद्देनजर सरकार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को घर पर रहने के लिए प्रेरित कर रही है और बुरी आदतों को छोड़ नई आदतों को अपनाकर अपने समय का सही उपयोग करने के तरीके सुझा रही है।

पीआइबी इंडिया के ट्विटर हैंडल पर उपयोगकर्ताओं को इस अवधि के दौरान घर पर अपने समय का उपयोग करने के तरीके सुझाए गए हैं। ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया गया , 'आज से शुरु हो रहे अगले 21 दिनों का इस्तेमाल सरल नई आदतों को विकसित करके किया जा सकता है, जैसे कि जल्दी जागना, एक नए आहार का आनंद लेना, ध्यान करना, आदि। #21डेलॉकडाउन #इंडियाफाइट्सकोरोना।' एक अन्य ट्वीट में सुझाव दिया गया, '21-दिन की इस अवधि में अच्छी आदतों को अपनाने के साथ ही आप इसका उपयोग बुरी आदतों से छुटकारा पाने के लिए भी कर सकते हैं।' इस अवधि के दौरान अपना समय कैसे गुजारना है, इसके लिए लोगों को योग सीखने या अन्य चीजें सीखने का सुझाव दिया गया है।

बंदी के कारण उगाडी पर आंध्र प्रदेश, कर्नाटक में नहीं दिखा उत्साह

अमरावती/बंगलुरु, 25 मार्च (भाषा)।

आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में बुधवार को उगाडी त्योहार पर पारंपरिक उत्साह इस बार नजर नहीं आया क्योंकि लोग अपने घरों तक ही सीमित रहे और उन्होंने शांति से पर्व मनाया। कोरोना के खतरे के कारण लागू लॉकडाउन के कारण इस साल तेलुगू नववर्ष के दिन कोई आधिकारिक आयोजन नहीं हो हुआ।

विजयवाड़ा के इंद्रकिलाद्री में कनक दुर्गा मंदिर में खामोशी से त्योहार मनाया गया। राज्य के मंत्री वेलमपल्ली श्रीनिवास इस दौरान मौजूद थे। कोरोना वायरस के प्रसार के कारण मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद है। आंध्र प्रदेश सरकार ने प्रतिदिन 21 घंटे का लॉकडाउन लगाया है जिससे लोग जरूरी सामानों की खरीदारी सुबह छह बजे से नौ बजे के बीच कर सकते हैं। उगाडी पर छूट नहीं मिलने के कारण लोग घरों में ही रहे। इस कारण से कोई उत्साह नजर नहीं आया।

लॉकडाउन की वजह से कर्नाटक में भी त्योहार पर कोई उत्साह नजर नहीं आया। आवश्यक सेवाओं के अलावा सभी सामाजिक और वाणिज्यिक गतिविधियों पर रोक है। आम तौर पर इस दिन लोग मंदिर जाते हैं और परिवार के लोग इकट्ठा होते हैं लेकिन निषेधाज्ञा की वजह से इस बार उत्साह फीका रहा। बड़े बाजारों में उस तरह की भीड़ नजर नहीं आई लेकिन लोग सब्जियां, फूल और किराना सामान खरीदने के लिए आसपास की दुकानों पर पहुंचे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने लोगों से शांति से त्योहार मनाने तथा घरों से नहीं निकलने की अपील की थी। कोरोना के मद्देनजर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने पर उन्होंने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

बंदी के दौरान कश्मीर में सख्त पाबंदी

श्रीनगर, 25 मार्च (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 21 दिनों के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कश्मीर में लगाई गई पाबंदी बुधवार को कड़ी कर दी गई और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की गई है। लॉकडाउन लागू करवाने के लिए सुरक्षा बलों ने कश्मीर घाटी में कई सड़कों को सील कर दिया है और बैरिकेड लगाए गए हैं।

लाउडस्पीकर से लैस पुलिस वाहन आवासीय इलाकों में बुधवार को भी गश्त करते रहे और सीआरपीसी की धारा 144 के तहत पाबंदियों की घोषणा की गई और लोगों से अपने घरों में रहने को कहा गया। पाबंदियों की घोषणा के लिए शहर के कुछ हिस्सों में पुलिस ने ड्रोन का भी इस्तेमाल किया। कोरोना वायरस से मुकाबले के लिए प्रधानमंत्री ने मंगलवार रात 21 दिनों के लिये देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की। वहीं केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासन ने यहां रविवार को ही 31 मार्च तक के लिए इसी तरह की पाबंदी लगा दी थी।

प्रशासन ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं सहित आवश्यक सेवाएं पाबंदी के दायरे से बाहर हैं। प्रशासन ने लोगों को सहयोग करने को कहा है और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी है। घाटी के श्रीनगर, सोपोर, हंदवाड़ा और अनंतनाग इलाके में 49 लोगों को निषेधाज्ञा के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया जबकि गांदेरबल और कुपवाड़ा जिलों में मंगलवार को 45 लोगों को गिरफ्तार किया गया। विभिन्न देशों से आए कश्मीर के 1800 से ज्यादा बाशिंदों को अस्थायी केंद्रों में पृथक रखा गया है। बाहर से आने वाले लोगों को स्वास्थ्य अधिकारियों को अवगत कराने और अपनी हालिया यात्रा के बारे में बताने को कहा है।

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank
शाखा: 177, हैदरपुर, दिल्ली-110088
ई-मेल: br.9021@syndicatebank.co.in
दूरभाष: 011-27490670, 27490671

शुद्धिपत्र
हम अपनी हैदरपुर शाखा, नई दिल्ली के मैसर्स सैफी फर्नीचर के एनपीए खाते में अचल सम्पत्ति की नीलामी के परिप्रेक्ष्य में फाइनेंशियल एक्सप्रेस तथा जनसत्ता समाचार-पत्रों में दिनांक 17.03.2020 को प्रकाशित विज्ञापन का सन्दर्भ देते हैं। कथित विज्ञापन में उल्लिखित जमानतियों के नाम निम्नलिखित प्रकार से पढ़े जायें :
1. शकीर अहमद: म.नं. 160, अकबरपुर माजरा, उत्तर-पश्चिम दिल्ली-110036
2. मोहम्मद अकील: म.नं. 613, मोहल्ला नूर नगर, खसरा नं. 644, वार्ड सं. 30, ग्राम सिहानी, गाजियाबाद-201001
3. अकीब सैफी: म.नं. 613, मोहल्ला नूर नगर, निकट बड़ी मस्जिद, ग्राम सिहानी, गाजियाबाद-201001.
पूर्व में दिनांक 17.03.2020 को प्रकाशित कथित विज्ञापनों के अन्य विवरण तथा नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।
इस शुद्धिपत्र को पूर्व के कथित विज्ञापन के साथ पढ़ा जाए।
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.03.2020
अधिकृत प्राधिकारी
सिंडीकेट बैंक

खोया-पाया
मैं लाल बहादुर निर्मल पुत्र गंगा प्रसाद निर्मल वर्तमान में वर्तमान में सिंडीकेट बैंक, ईस्ट पटेल नगर में मुख्य प्रबन्धक के रूप में तैनात निम्नलिखित बिन्दुओं को जनसामान्य के संज्ञान में लाता हूं :
1. कार्यालय एसआर वीआई-C दिल्ली में विक्रय विलेख दस्तावेज सं. 489 दिनांक 09.01.2006
2. कार्यालय एसआर वीआई-C दिल्ली में दस्तावेज सं. 8132 दिनांक 30.11.2005
3. कार्यालय एसआर वीआई दिल्ली में सम्पत्ति दस्तावेज सं. 7221 दिनांक 29.08.1997
4. विक्रय अनुबन्ध दिनांक 17.04.1995
5. जीपीए 17.04.1995
6. कार्यालय एसआर नई दिल्ली में बेमियादी पट्टा विलेख दस्तावेज सं. 9301
7. कब्जा लिस्प दिनांक 02.01.1985
8. कब्जा पत्र पत्र सं. (M/9/05575/446/9(रोहिणी)3433 दिनांक 17.12.1984
9. आवंटन पत्र पत्र सं. F9(M/9/05575/446/LSB/9(रोहिणी)/81) दिनांक 12.09.1982
10. विक्रय अनुबन्ध दिनांक 15.07.1994
11. जीपीए दिनांक 15.07.1994
12. विक्रय अनुबन्ध दिनांक 07.04.1993
13. जीपीए दिनांक 07.04.1993
14. विक्रय अनुबन्ध दिनांक 10.07.1992
15. जीपीए दिनांक 10.07.1992
16. विक्रय विलेख दस्तावेज सं. 2949 दिनांक 10.02.2020 कार्यालय एसआर वीआई-सी दिल्ली में
17. विक्रय अनुबन्ध दिनांक 25.02.1992
18. जीपीए दिनांक 03.03.1992
सिंडीकेट बैंक
7, सेटी भवन, राजिन्दर पैलेस, ईस्ट पटेल नगर
शाखा नई दिल्ली-110008
पाने वाले कृपया सम्पर्क करें
कॉल : 9312804994

अनुसूची I
प्रपत्र क
सार्वजनिक घोषणा
[भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड (स्वैच्छिक परिसमापन प्रक्रिया) विनियमावली, 2017 का विनियम 14]
ऑन डिमांड ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के हितधारकों के ध्यानार्थ

	सुसंगत विशिष्टियाँ	
1.	कार्पोरेट व्यक्ति का नाम	ऑन डिमांड ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
2.	कार्पोरेट व्यक्ति के निगमन की तिथि	5 अक्टूबर, 2015
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट व्यक्ति निगमित/पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज, दिल्ली
4.	कार्पोरेट व्यक्ति की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या	U74900DL2015PLC286002
5.	कार्पोरेट व्यक्ति के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	बी-50 ए, दूसरी मंजिल, अर्चना कॉम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश I, नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली-110048 भारत
6.	कार्पोरेट व्यक्ति के सम्बन्ध में परिसमापन आरंभन की तिथि	21 मार्च, 2020
7.	परिसमापक का नाम, पता, ई-मेल पता, दूरभाष नम्बर तथा पंजीकरण संख्या	नाम : देवेन्द्र उमराव आईपी पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-003/IP-N00223/2019-20/12640 ई-मेल : du.liquidation@gmail.com पता : फ्लैट सं. 603, टॉवर डी-1, क्लियो काउंटी, सेक्टर-121, नोएडा-201301 उ.प्र. दूरभाष नं. : +91-9810045874
8.	दावे जमा करने की अन्तिम तिथि	20 अप्रैल, 2020

- एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ऑन डिमांड ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने 21 मार्च, 2020 (परिसमापन प्रारम्भ करने की तिथि) को स्वैच्छिक परिसमापन प्रारम्भ कर दिया है।
- ऑन डिमांड ट्रांसपोर्टेशन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के हितधारकों से एतद्वारा अपने दावों का प्रमाण 20 अप्रैल, 2020 को अथवा इससे पूर्व परिसमापक के समक्ष ऊपर प्रविष्टि 7 के समक्ष वर्णित पते पर प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।
- वित्तीय लेनदारों को अपने दावों का प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत करना होगा।
- कामगारों तथा कर्मचारियों सहित प्रचालनात्मक क्रेडिटर अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्य सभी हितधारक अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं।
- प्रपत्र http://www.ibbi.gov.in/downloadform.html से डाउनलोड किये जा सकते हैं
- दावे के फर्जी अथवा भ्रामक प्रमाण की प्रस्तुति दण्डनीय होगी।

ह./-
(देवेन्द्र उमराव)
(स्वैच्छिक परिसमापक)
आईपी पंजीकरण सं.
IBBI/IPA-003/IP-N00223/2019-20/12640
स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 25.03.2020

www.readwhere.com

नए सिरे से ओलंपिक की मेजबानी की कवायद में जुटा जापान

तोक्यो, 25 मार्च (एएफपी)।

कोरोना वायरस महामारी के बीच ओलंपिक को एक साल के लिए टालने का कठिन फैसला लेने के बाद अब तोक्यो के सामने नए सिरे से खेलों की मेजबानी की तैयारी की चुनौती है। उसके लिए उसे कई पहाड़ लांघने होंगे। शांतिकाल में पहली बार स्थगित हुए इन खेलों से जुड़े हर पहलू मसलन आयोजन स्थलों, सुरक्षा, टिकट और रहने की व्यवस्था पर नए सिरे से काम करना होगा।

अभी यह भी तय नहीं है कि खेलों की तारीखें क्या होंगी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के प्रमुख थामस बाक ने बुधवार को कहा कि जरूरी नहीं है कि खेल गर्मियों में ही कराए जाएं। उन्होंने कहा कि सारे विकल्प खुले हैं। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के प्रवक्ता क्रेग स्पेंस ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि दुनिया की सबसे बड़ी जिगसॉ पहेली पूरी करने में बस एक

“ जरूरी नहीं है कि खेल गर्मियों में ही कराए जाएं। हमारे लिए सारे विकल्प खुले हैं। -थामस बाक

टुकड़ा लगाना था और अब नए सिरे से शुरू करना होगा। समय भी बहुत नहीं रह गया है।

प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने कहा कि अगले साल होने वाले तोक्यो 2020 इस नए वायरस पर इंसान की जीत की बानगी देंगे।

खेलगांव को लेकर दुविधा बरकरार

तोक्यो , 25 मार्च (एएफपी)।

तोक्यो बे के सामने बने सैकड़ों आलीशान अपार्टमेंटों में जुलाई अगस्त में जमकर रौनक लगने वाली थी। लेकिन अब ओलंपिक स्थगित होने से आयोजकों के सामने नई दुविधा पैदा हो गई है क्योंकि खेलगांव के ये महंगे अपार्टमेंट पहले ही बिक चुके हैं।

इस खेलगांव में 11000 खिलाड़ियों को रहना था। शहर का अद्भुत नजारा दिखाते इन अपार्टमेंट में कुछ फ्लैट की कीमत 15 लाख डॉलर तक है।

अब इन्हें खरीदने वालों के सामने अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। तोक्यो प्रापर्टी सेंट्रल की निदेशक जो वार्ड ने कहा कि खरीदारों को इससे बड़ी असुविधा होगी। अब खरीदार अनुबंध को खंगालने में जुट गए हैं कि कैसे सुरक्षा जमा गंवाए बिना उन्हें पैसा वापस मिल जाए। वार्ड ने कहा कि करार में लिखा है कि प्राकृतिक आपदा या विक्रेता के नियंत्रण के बाहर की चीजें इस वर्ग में आएगी। प्रापर्टी विशेषज्ञ तोमोहिरो माकिनो ने कहा कि दाम गिरने को लेकर भी चिंता है।

ओलंपिक स्थगन के बाद प्रशिक्षकों को भी मिला समय

नया खाका तैयार करेंगे भारतीय कोच

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

ओलंपिक के 2021 तक टलने से खिलाड़ियों का खेलों के इस महाकुंभ में भाग लेने का इंतजार बढ़ गया है। साथ ही उनसे जुड़े कोचों ने अभी से इसके लिए खाका तैयार करना शुरू कर दिया है। कोविड-19 के कारण अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने जापान सरकार से चर्चा के बाद इन खेलों को एक साल के लिए टाल दिया।

निशानेबाजी टीम के राष्ट्रीय कोच जसपाल राणा ने कहा कि यह बड़े पैमाने पर निशानेबाजों को प्रभावित करेगा। खासकर वैसे युवाओं को जो पहली बार ओलंपिक में भाग लेंगे। हम पिछले तीन साल से तैयारी कर रहे हैं। इन सब के बाद भी हमें बिना किसी शिकायत के इसे स्वीकार करना होगा।

अब तक लगभग 80 भारतीय एथलीटों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है और क्वालीफायर के दोबारा शुरू होने के बाद यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। चार साल में होने वाले इन खेलों में भारत को पदकों की सबसे ज्यादा उम्मीद निशानेबाजों से रहती है। राणा ने कहा कि जीवन अनमोल है और जो कुछ भी किया जा रहा है, वह एथलीटों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। यह सिर्फ एथलीटों के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए है।

ओलंपिक के लिए नौ मुक्केबाजों और इतनी ही संख्या में ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है। मुक्केबाजी टीम के कोच सैंटियागो नीवा ने पांच पुरुष और चार महिला मुक्केबाजों के क्वालीफाई करने की ओर इशारा करते हुए कहा कि मैं 2021 खेलों की तारीखों की घोषणा होने के बाद ही योजनाओं को फिर से तैयार करूंगा। हमें यह जानने की जरूरत है कि अगले क्वालीफायर कब हैं। हम वास्तव में चिंतित नहीं हैं क्योंकि हमने 13 में से नौ भार वर्ग में क्वालीफिकेशन हासिल की है।

नीवा ने कहा कि यह अविश्वसनीय समय है। आगे की हमारी योजना में क्वालीफिकेशन की जगह लय के बरकरार रखने पर ध्यान देना शामिल होगा। एथलेटिक्स के राष्ट्रीय सहायक कोच पी राधाकृष्णन नायर इस घटनाक्रम से थोड़े निराश हैं और उनका मानना है कि इन खेलों को 2022 तक स्थगित करना ज्यादा बेहतर होता। भारत को कुश्ती से भी पदक की उम्मीद होगी जहां विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया जैसे मजबूत दावेदार हैं। कुश्ती के कोच वाल्लेर एकोस ने के कहा कि विनेश इसे सकारात्मक तरीके से लेंगी।

उन्होंने कहा कि विनेश के लिए इसका सकारात्मक पहलू यह है कि हमें सर्वश्रेष्ठ प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ तैयारी करने के लिए एक साल और मिल रहा है। राष्ट्रीय भारोत्तोलन कोच विजय शर्मा ने कहा कि उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी योजना को फिर से तैयार करना होगा कि एक साल का सर्वश्रेष्ठ उपयोग किया जाए।

भारत के लिए सिर्फ पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई चानू ने भारोत्तोलन में तोक्यो का टिकट कटाया है। कोच ने कहा कि हमें अब फिर से पूरी योजना तैयार करनी होगी। हम अब नए क्वालीफाइंग सिस्टम के दिशा-निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। हम उसी के मुताबिक अपने प्रशिक्षण की योजना बनाएंगे।

उभरते हुए टेबल टेनिस खिलाड़ी जी साथियान के कोच और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन एस रमन ने ओलंपिक के स्थगन का स्वागत किया। मौजूदा रैंकिंग के आधार पर साथियान और अनुभवी शरत कमल पुरुष युगल में ओलंपिक टिकट के हकदार हैं।

रमन ने कहा कि ओलंपिक टालने का निर्णय सही है। इसमें और विलंब नहीं किया जा सकता था क्योंकि इससे खिलाड़ी भ्रमित होंगे। आप वायरस के कारण खिलाड़ियों के प्रशिक्षण को लेकर डर के महौल में नहीं रख सकते।

ओलंपिक 2022 में होता तो बेहतर होता

किसी भी भारतीय एथलीट ने ट्रैक एंड फील्ड में अभी तक ओलंपिक में पदक नहीं जीता है। एथलेटिक्स के राष्ट्रीय सहायक कोच पी राधाकृष्णन नायर ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन (बंद) की ओर इशारा करते हुए कहा कि जहां तक प्रशिक्षण और प्रतियोगिता की योजना का सवाल है यह हमारे लिए एक चुनौती होगी। लॉकडाउन के बाद मुझे लग रहा है कि एथलेटिक्स के लिए यह सत्र लगभग खत्म हो गया।

उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम सितंबर या अक्तूबर से पहले कुछ भी शुरू कर सकते हैं। ऐसे में ओलंपिक (2021 में) के लिए सात-आठ महीने पर्याप्त नहीं हो सकते। अगर ओलंपिक 2022 होता तो बेहतर होता।

हमारे पास तैयारी के लिए पर्याप्त समय

राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने भी ओलंपिक टालने का समर्थन करते हुए कहा कि इस दौरान खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी का समय मिलेगा। मौजूदा रैंकिंग के अनुसार, पीवी सिंधू, बी साई प्रणीत के अलावा चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी को ओलंपिक टिकट मिलना लगभग तय है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि एक साल अच्छा समय है। हमारे पास लय हासिल करने का पर्याप्त समय होगा। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि तैयारी पर कोई समस्या या नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

फिडे ने शतरंज ओलंपियाड 2021 तक स्थगित किया

चेन्नई, 25 मार्च (भाषा)।

शतरंज की विश्व नियामक ईकाई फिडे ने कोविड 19 के कारण पांच से 17 अगस्त तक मॉस्को में होने वाला ओलंपियाड 2021 तक स्थगित कर दिया है। फिडे ने एक बयान जारी करके कहा कि ओलंपियाड और फिडे कांग्रेस जो अगस्त में मॉस्को और खांति मेनसिस्क में होनी थी, अब उन्हीं जगहों पर 2021 में होगी।

बयान में कहा गया कि शतरंज ओलंपियाड फिडे का काफी लोकप्रिय टूर्नामेंट है जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं जिनमें खिलाड़ी, कोच, अधिकारी और दर्शक शामिल हैं। इसमें कहा गया कि यह दुनिया भर में खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए भी है। फिलहाल हम कोविड 19 और लोगों पर उसके प्रभाव से चिंतित हैं।

जापान में ओलंपिक विरोधियों ने खेलों को रद्द करने की मांग की

तोक्यो, 25 मार्च (एएफपी)।

जापान में ओलंपिक खेल विरोधी एक समूह ने ट्वीट किया कि हम स्थगन नहीं चाहते। हम चाहते हैं कि ये खेल रद्द हों।

जापान में ओलंपिक स्थगित होने से भले ही कई निराश होंगे लेकिन एक छोटा समूह ऐसा भी है जो खेलों को रद्द करने की मांग कर रहा है। जापान में ओलंपिक खेल विरोधी इस समूह ने ट्वीट किया कि हम स्थगन नहीं चाहते। हम चाहते हैं कि ये खेल रद्द हों।

मंगलवार को खेल स्थगित किए जाने की घोषणा के कुछ मिनट बाद ही चंद प्रदर्शनकर्ता शहर के बीच जमा हो गए। इनमें से एक तोशियो मियाजाकी ने कहा कि हम विभिन्न कारणों से हर महीने रैली कर रहे हैं। हमें खेलों के व्यवसायीकरण से चिढ़ है। हम तोक्यो ओलंपिक के खिलाफ हैं। तोक्यो स्थानीय प्रशासन के लिए काम करने वाले मियाजाकी ने कहा कि कोरोना वायरस के कारण खेल स्थगित हो गए हैं लेकिन जापान के लोगों को दोबारा सोचना चाहिए कि क्या ओलंपिक कराना वाकई जरूरी है। प्रदर्शन में शामिल कुमिको सुडो को इस बात से नाराजगी है कि खेलों के लिए बुनियादी ढांचा खड़ा करने की कवायद में बेघरों से अस्थायी शिविर भी छीन लिए गए।

जापान में इन खेलों को 'रिकवरी ओलंपिक' कहा जा रहा है जिसके जरिए यह दिखाना चाहते हैं कि भूकंप, सुनामी और परमाणु रिसाव की त्रासदी झेलने के बाद भी देश ओलंपिक का आयोजन कर पाने में सक्षम है। कुछ लोगों का हालांकि यह मानना है कि यह पैसा तबाही झेल चुके लोगों के काम आना चाहिए था।

'कोरोना जैसी 'आग' के लिए 'हवा' न बनें'

जनसत्ता संवाददाता/भाषा
नई दिल्ली, 25 मार्च।

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लोगों से 'लॉकडाउन' के निर्देशों को गंभीरता से लेने की अपील की है। उन्होंने आगाह किया कि 'कोरोना वायरस अगर आग है तो इसे फैलाने वाली हवा हम हैं।' कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में बंद की स्थिति बनी हुई है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में 21 दिनों के 'लॉकडाउन' की घोषणा की थी।

तेंदुलकर ने कहा कि यह निराशाजनक है कि कुछ लोग इस बंद को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। उन्होंने ट्विटर पर जारी एक वीडियो में कहा कि हमारी सरकार ने और दुनिया भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने हमसे आग्रह किया है कि हम घर पर रहें। और जब तक कोई आपात स्थिति न हो हम बाहर न जाएं। लेकिन फिर भी लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मैंने कुछ वीडियो भी देखे हैं

जिनमें लोग अब भी बाहर क्रिकेट खेल रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज ने कहा कि सभी चाहते हैं कि हम बाहर जाएं, दोस्तों से मिलें, खेल खेलें लेकिन अभी ये देश के लिए बहुत हानिकारक है। याद रखिए ये दिन छुट्टियों के दिन नहीं हैं। कोरोना वायरस अगर आग है तो इसे फैलाने वाली हवा हम हैं। इस वायरस को रोकने का एक ही तरीका है कि हम सब अपने घरों में रहें।

तेंदुलकर ने कहा कि वह पिछले दस दिनों से घर से बाहर नहीं निकले हैं और अगले 21 दिनों तक भी वह इस पर कायम रहेंगे क्योंकि वर्तमान समय में समाज, देश और दुनिया को बचाने का एकमात्र तरीका यही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर, नर्स, अस्पताल के कर्मचारी जो हमारे लिए लड़ रहे हैं उनके लिए हम इतना तो कर ही सकते हैं और उनकी कही हुई बातों को मान सकते हैं। मैं और मेरा परिवार दस दिनों से दोस्तों से नहीं मिला है और अगले 21 दिन तक भी नहीं मिलेंगे।

तेंदुलकर ने कहा कि इसे एक मौका समझें अपने परिवार के साथ समय बिताने का। आप अपने आप को, हमारे समाज को, हमारे देश को और सारी दुनिया को इस वायरस से बचा सकते हैं सिर्फ अपने-अपने घरों में रहकर।

भारत की स्थिति पर नजर रख रहा है फीफा

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

महिला अंडर-17 विश्व कप

विश्व फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने बुधवार को कहा कि वह नवंबर में भारत में होने वाले महिला अंडर-17 विश्व कप को ध्यान में रखकर देश में कोविड-19 महामारी की स्थिति पर नजर रखे हुए है। फीफा ने इसके साथ ही कहा कि वह अन्य विकल्पों पर भी विचार कर रहा है।

कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में अब तक 20 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 425000 से अधिक लोग संक्रमित हैं। भारत में इस वायरस से 600 से अधिक लोग संक्रमित हैं जबकि दस लोगों की मौत हो चुकी है। फीफा ने कहा कि फीफा भारत में नवंबर में होने वाले अंडर-17 महिला विश्व कप के भविष्य पर फैसला करने के लिए देश में कोरोना वायरस की स्थिति पर नजर रखे हुए है। इसमें कहा गया है कि फीफा इसके साथ ही लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अंडर-17 महिला विश्व कप पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव की पहचान करने के लिए स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) के साथ काम कर रहा है। इसके अलावा वह टूर्नामेंट से पहले भारत में जिन प्रतियोगिताओं के आयोजन की योजना बनाई गई है, उनको लेकर वैकल्पिक समाधान भी तलाश रहा है। इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी जिसके लिए अभी तक केवल तीन टीमों ने क्वालीफाई किया है। भारत ने मेजबान होने के नाते क्वालीफाई किया है।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने आधे महीने की तनख्वाह दी

ढाका, 25 मार्च (भाषा)।

कोविड 19 महामारी के बीच बांग्लादेश के क्रिकेटरों ने अपनी आधे महीने की तनख्वाह सरकार को देने का फैसला किया है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अनुबंधित 17 क्रिकेटरों समेत कुल 27 क्रिकेटरों ने यह दान देने का फैसला किया। बाकी दस खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के सदस्य रह चुके हैं।

खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी से जूझ रही है। बांग्लादेश में भी इसका प्रकोप बढ़ रहा है। हम लोगों को बताने की कोशिश कर रहे हैं कि इससे बचाव के लिए जरूरी उपाय किए जाएं।

निशानेबाजों को इंडोर अभ्यास में मदद करेगा 'रेंज सिमुलेटर'

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

कोविड-19 महामारी के कारण घरों में बंद रहने के लिए मजबूर भारतीय निशानेबाजों को जल्द ही रेंज सिमुलेटर मुहैया कराई जाएगी। इससे वे इंडोर में भी अच्छी तरह से अभ्यास कर पाएंगे। एसआइयूएस एस्कॉर की इलेक्ट्रानिक लक्ष्य प्रणाली पर काम चल रहा है लेकिन निशानेबाजों तक यह उपकरण पहुंचने में एक महीने का समय लग सकता है।

यह उपकरण स्विट्जरलैंड की कंपनी उपलब्ध कराएगी जो इलेक्ट्रानिक स्कोरिंग प्रणाली की दुनिया में सबसे बड़ी निर्माता है। यह कंपनी अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आइएसएसएफ) से जुड़ी है। ऐसे समय में जब कोविड-19 के कारण सभी अपने घरों में रहने के लिए मजबूर हैं तब इस तरह के उत्पाद निशानेबाजों को उनके अभ्यास में मदद कर सकते हैं। अपने जमाने के दिग्गज निशानेबाज और राष्ट्रीय पिस्टल कोच जसपाल राणा ने कहा कि वे इसे जल्द से जल्द हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। राणा ने कहा कि हम पहले ही इसे पाने के लिए काम कर रहे हैं लेकिन इसमें अब भी एक महीने का समय लग सकता है। एसआइयूएस एस्कॉर रेंज से निशानेबाजों को इंडोर अभ्यास करने में मदद मिलेगी।

कोविड-19 के कारण निशानेबाज बाहर अभ्यास नहीं कर सकते। इस महामारी की वजह से तोक्यो ओलंपिक खेल भी एक साल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं जो कि पदक के दावेदारों के लिए करारा झटका है। राणा ने कहा कि इससे निश्चित तौर पर बड़ा अंतर पैदा होगा।

एशियाई खेलों के पदक विजेता फुटबॉल खिलाड़ी लतीफ का निधन

कोलकाता, 25 मार्च (भाषा)।

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर और 1970 के बैकाक एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता टीम के प्रमुख सदस्य रहे अब्दुल लतीफ का सोमवार को गुवाहाटी में निधन हो गया। उनके परिवार में एक बेटा और दो बेटियां हैं। लतीफ के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह उम्र संबंधी बीमारियों से परेशान थे और उन्होंने सोमवार की शाम को अंतिम सांस ली।

मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। लतीफ का जन्म कर्नाटक के मैसूर में हुआ था लेकिन बाद में वह गुवाहाटी जाकर बस गए थे। उन्होंने एशिया कप क्वालीफायर 1968 और मर्डेका कप 1969 में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

पुल शॉट के बादशाह हैं रोहित शर्मा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 25 मार्च।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) के पुल शॉट खेलने वाले चार बल्लेबाजों में खुद को शामिल नहीं किए जाने पर रोहित शर्मा ने तंज कसा था। आंकड़ों पर गौर करें तो भारतीय सलामी बल्लेबाज के इस तंज का मतलब समझ आ जाता है। यह भी साबित हो जाता है कि क्रिकेट का यह खास शॉट खेलने में इस रोहित का कोई सानी नहीं।

दरअसल, आइसीसी ने वेस्ट इंडीज के विव रिचर्ड्स, आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स और भारतीय कप्तान विराट कोहली के चित्र ट्वीट करके पूछा था कि इनमें पुल करने में सर्वश्रेष्ठ कौन है? इस पर रोहित ने ट्वीट किया था, 'इसमें किसी की कमी खल रही है? मुझे लगता है कि घर से काम करना इतना आसान नहीं।'

ईएसपीएनक्रिकइन्फो ने रोहित के दावे का विश्लेषण किया है। उसने लिखा है कि शर्मा ने 2015 से लेकर पुल शॉट से 1567 रन बनाए और उन्होंने सभी प्रारूपों में इस शॉट से सर्वाधिक रन बनाए। जब उन्होंने पुल शॉट खेला तब उनका

आइसीसी ने यही तस्वीर ट्वीट करके पूछा था कि इनमें पुल करने में सर्वश्रेष्ठ कौन है?

स्ट्राइक रेट 274.91 रहा जो कि पुल शॉट खेलकर 500 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सर्वश्रेष्ठ रहा। रोहित ने 2015 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पुल से 1567, फ्लिक से 1229 और कवर ड्राइव से 1105 रन बनाए हैं। रोहित ने इस बीच कुल 8968 रन पुल शॉट से बनाए और इस तरह से उन्होंने 17.47 फीसद रन पुल शॉट से जुटाए। इस बीच रोहित ने पुल शॉट से 116 छक्के जमाए। उनके बाद इयोन मोर्गन का नंबर आता है जिन्होंने इन वर्षों में पुल करके 47 छक्के लगाए। पिछले पांच वर्षों में पुल शॉट से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में रोहित के बाद डेविड वार्नर (1209), शिखर धवन (879), बेन स्टोक्स (848) और कुसाल मेंडिस (752) का नंबर आता है। दिलचस्प बात यह है कि आइसीसी के ट्वीट में इनमें से कोई बल्लेबाज शामिल नहीं था।

1567
रन बनाए रोहित शर्मा ने 2015 से अब तक पुल शॉट से

1229 रन फ्लिक से और कवर ड्राइव से 1105 रन बनाए

रैंकिंग स्थिर रखने की संभावना तलाश रहे हैं : बीडब्लूएफ

नई दिल्ली, 25 मार्च (भाषा)।

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्लूएफ) ने बुधवार को कहा कि वह कुछ समय के लिए विश्व रैंकिंग को स्थिर रख सकता है। कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेलों के स्थगित किए जाने के बाद यह ओलंपिक क्वालीफाईंग प्रक्रिया के लिए उचित समाधान के अनुरूप होगा।

विश्व रैंकिंग को जस का तस रखने की विश्व भर से अपील की जा रही है। भारतीय शटलर साइना नेहवाल, बीसाई प्रणीत, पारूपल्लि कश्यप और एचएस प्रणय ने भी इसको लेकर अपनी चिंता जताई थी। बीडब्लूएफ ने बयान में कहा कि अपने खिलाड़ियों के लिए हम ओलंपिक और परालंपिक क्वालीफिकेशन पर पड़ने वाले किसी भी तरह के प्रभाव की समीक्षा करेंगे। इससे स्थगित किए गए खेलों के लिए खिलाड़ियों के क्वालीफाई करने के लिए उचित समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

इसमें कहा गया है, 'बीडब्लूएफ जब तक कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट फिर से शुरू नहीं हो जाते तब तक विश्व रैंकिंग को स्थिर रखने की संभावना पर भी गौर कर रहा है। वह अभी इसके तकनीकी समाधान पर काम कर रहा है।' बीडब्लूएफ ने इसके साथ हीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के ओलंपिक को स्थगित करने के फैसले का भी स्वागत किया। पहले यह खेल इस साल 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होने थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इन्हें टाल दिया गया है।

बयान में कहा गया है कि आज हम तोक्यो ओलंपिक 2020 और परालंपिक खेल को स्थगित करने का स्वागत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और अंतरराष्ट्रीय परालंपिक समिति के साथ पूरी एकजुटता से खड़े हैं। इसमें कहा गया है, 'बीडब्लूएफ आइओसी अध्यक्ष थामस बाक, जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे और तोक्यो आयोजन समिति के खेलों को अगले साल तक स्थगित करने के फैसले का पूरा समर्थन करता है।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 129, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

www.readwhere.com